

सलमान खान ने श्रद्धा कपूर को फोन करके क्यों मांगी माफी? 'भाईजान' से अंजाने में हुई बड़ी भूल

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 27
न्यूनतम - 14

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 324 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर रविवार 22 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 13 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

शोक संदेश



अनिल कुमार अग्रवाल

(अग्रवाल पेपर मिल वालों)

का 21 नवंबर 2026 को आकस्मिक निधन हो गया है।

शवयात्रा रविवार, 22 नवंबर 2026 को सुबह 10:30 बजे नई मंडी में जानसठ रोड स्थित निवास स्थान से प्रारंभ होगी।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

शोकाकुल परिवार

सौरभ अग्रवाल

समस्त अग्रवाल परिवार

प्रतिष्ठान

आध्या ज्वेलर्स, मेरठ

मोबाइल नंबर 9837089324

अनमोल वचन

माता-पिता का चिन्तन तथा आचरण जिस स्तर का होगा, उसी के अनुरूप प्रारब्ध संस्कार वाले जीव उनके शरीर में प्रवेश करके उस वातावरण में जन्म ग्रहण करते हैं। इसलिए अपने वंश में उत्तम सन्तान को लाना है, तो उसके लिए दम्पत्ति स्वयं को उत्तम आचरण वाला बनाएँ। सन्तान पैदा करना एक महान उत्तरदायित्व है, जिसके उदय के लिए बहुत समय पूर्व तैयारी करने की आवश्यकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु जिस प्रकार सभी आवश्यक उपकरण जुटाने पड़ते हैं, उसी प्रकार उत्तम सन्तान प्राप्त करने के लिए उसके जन्म से पूर्व परिस्थितियाँ बना लेना आवश्यक है, जिन परिस्थितियों में कोई उत्तम जीव स्थान ग्रहण कर सके। उत्तम फसल प्राप्त करने के लिए कृषक फसल की सिंचाई, गुड़ाई और रखवाली की व्यवस्था करता है, किन्तु यदि उत्तम भूमि, अच्छी जुताई, परिपुष्ट बीज आदि की तैयारी ठीक न हो, तो सिंचाई और देखभाल की अच्छी व्यवस्था भी निष्फल हो जाती है, कृषक अपेक्षित फसल प्राप्त नहीं कर सकता। पतित सन्तान के कारण उनके पितरों को नरक प्राप्त होता है। कारण है, समुचित पूर्व तैयारी के बिना ही सन्तान उत्पन्न कर देना भारी अपराध है, जिसका दंड इस और अगले जन्मों में अवश्य मिलता है। इसलिए माँ-बाप बनने से पहले स्वयं को उसके लिए योग्य पात्र बनाइये।

बुढ़ाना में गन्ना वाहनों के जाम से थमी रफ्तार: नगर पंचायत ने चीनी मिल को लिखा पत्र

ईओ आलोक रंजन ने एसडीएम को भी भेजा पत्र,पेराई सत्र शुरू होते ही कस्बे की सड़कों पर बढ़ी बड़े ट्रक व ट्रॉलों की आवाजाही

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। नए गन्ना पेराई सत्र के आगाज के साथ ही कस्बे में गन्ने से लदे भारी ट्रक और ट्रॉलों के कारण लगने वाले भीषण जाम से आमजन का जीना मुहाल हो गया है। कस्बे की सड़कों पर रोजाना लग रहे घंटों लंबे जाम और सरकारी संपत्ति को हो रहे नुकसान को देखते हुए नगर पंचायत बुढ़ाना ने सख्त रुख अपनाया है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी (ईओ) आलोक रंजन ने भैंसाना स्थित बजाज चीनी मिल प्रबंधन को पत्र जारी कर कस्बे के भीतर से गन्ना वाहनों के संचालन का समय निर्धारित करने की मांग की है।

स्कूली बच्चों और मरीजों को हो रही भारी परेशानी

गन्ना पेराई सत्र शुरू होते ही कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर भैंसाना स्थित बजाज चीनी मिल की ओर जाने वाले बड़े ट्रक और ट्रॉलों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। दिन के समय इन भारी वाहनों के कस्बे में प्रवेश करने से रोजाना घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती है। जाम के कारण सबसे अधिक परेशानी स्कूल आने-जाने वाले बच्चों, अस्पताल जाने वाले मरीजों, एंबुलेंस और दैनिक यात्रियों को उठानी पड़ रही है।



ट्रक और ट्रॉलों के कारण दिन में कस्बे में रोजाना जाम

नगर पंचायत, बुढ़ाना के अधिशासी अधिकारी आलोक रंजन का कहना है कि गन्ने के बड़े ट्रक और ट्रॉलों के दिन में आवागमन से कस्बे में रोजाना जाम लग रहा है, जिससे आमजन परेशान है। भारी वाहनों की चपेट में आकर सीसीटीवी कैमरों के तार, बिजली के खंभे और स्ट्रीट लाइट जैसी सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंच रहा है। मिल प्रबंधन को रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक ही वाहनों का संचालन सुनिश्चित करने के लिए पत्र लिखा गया है। सरकारी संपत्ति को नुकसान, एस-डीएम से भी की कार्रवाई की मांग

नगर पंचायत द्वारा लिखे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि ओवरलोड और ऊंचे गन्ना वाहनों के कारण कस्बे में सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के केबल, विद्युत पोल और स्ट्रीट लाइटें क्षतिग्रस्त हो रही हैं। नगरवासियों की इस गंभीर समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर पंचायत ने मिल प्रबंधन को गन्ना वाहनों की आवाजाही केवल रात आठ बजे से सुबह आठ बजे के बीच ही रखने को कहा है। इसके साथ ही, ईओ आलोक रंजन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम बुढ़ाना सतेंद्र सिंह को भी पत्र भेजकर पूरे प्रकरण से अवगत कराया है और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है।

मुजफ्फरनगर के लोगों की नकली कोल्ड ड्रिंक्स बनाने वाली अवैध फैक्ट्री पर छापा

पानीपत-हरिद्वार रोड पर कुराड़ गांव के पास चल रहा था नकली पेय पदार्थ बनाने का गोरखधंधा



मुजफ्फरनगर/पानीपत। पानीपत-हरिद्वार रोड पर कुराड़ गांव के पास संचालित हो रही नकली कोल्ड ड्रिंक्स बनाने की एक बड़ी अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। हैरानी की बात यह है कि यह फैक्ट्री पूरी गर्मी के सीजन में बेखौफ चलती रही और इसके नकली उत्पाद बाजारों में धड़ल्ले से बिकते रहे। वीरवार को मुख्यमंत्री उड़नदस्ता (सीएम फ्लाइंग) करनाल, खाद्य सुरक्षा विभाग और सनौली थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने फैक्ट्री पर छापा मारकर इस गोरखधंधे से पर्दा उठाया। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक और मुजफ्फरनगर निवासी सुपरवाइजर के खिलाफ धोखाधड़ी और कॉपीराइट अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

पेप्सीको के प्रतिनिधि की शिकायत पर 11 घंटे चली कार्रवाई

सीएम फ्लाइंग करनाल के उपनिरीक्षक राजसिंह ने बताया कि पेप्सीको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि जयदीप सिंह कोचर ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नांगल खेड़ी निवासी महेंद्र मलिक कुराड़ गांव के पास जयफूड होटल के नजदीक एक फैक्ट्री में पेप्सी और माउंटेन ड्यू के नकली पेय पदार्थ तैयार कर बाजार में सप्लाई कर रहा है। इस सूचना पर संयुक्त टीम ने दोपहर 12 बजे फैक्ट्री में दबिश दी, जो रात 11 बजे तक चली। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री के भीतर मशीनें चलती मिलीं और धड़ल्ले से नकली कोल्ड ड्रिंक्स भरी जा रही थीं।

कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की पुष्टि, नौ सैंपल लैब भेजे

फैक्ट्री में पेप्सी और कोका-कोला के पांच अलग-अलग ब्रांडों के नकली पेय पदार्थ बनाए जा रहे थे। टीम ने मौके से कुल 9,341 भरी हुई बोतलें और भारी मात्रा में ब्रांडेड कंपनियों के नकली लेबल रोल बरामद किए। मौके पर पेप्सीको के प्रतिनिधि जयदीप सिंह कोचर ने माउंटेन ड्यू के उत्पादों व लेबलों की जांच की, जबकि कोका-कोला कंपनी के प्रतिनिधि हेमंत मल्होत्रा ने अपने ब्रांड के उत्पादों का निरीक्षण किया। दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जांच के बाद स्पष्ट किया कि सभी उत्पाद पूरी तरह नकली हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी विक्रम ने बताया कि मौके से नौ सैंपल लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रत्येक सैंपल में चार बोतलें शामिल की गई हैं।

लाइसेंस नहीं दिखा सका मुजफ्फरनगर का सुपरवाइजर, मालिक फरार

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पूरी फैक्ट्री बिना किसी वैध लाइसेंस के अवैध रूप से चलाई जा रही थी। छापेमारी के वक्त फैक्ट्री में मौजूद सुपरवाइजर राहुल बाल्याण (निवासी ग्राम खेड़ी सुडान, जिला मुजफ्फरनगर) फैक्ट्री संचालन से जुड़ा कोई भी लाइसेंस या दस्तावेज टीम को नहीं दिखा सका। वहीं, कार्रवाई की भनक लगते ही फैक्ट्री मालिक महेंद्र मलिक का मोबाइल फोन बंद हो गया। सनौली थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म के आरोपित को दूसरी बार भी नहीं मिली जमानत, अदालत ने खारिज की अर्जी

18 सितंबर से जिला कारागार में बंद है आरोपित, पहले तीन अक्टूबर को भी निरस्त हो चुकी है जमानत अर्जी; विवेचना पूरी होने के बाद 16 नवंबर को दाखिल हुआ आरोप-पत्र, मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने नहीं दी राहत

मुजफ्फरनगर। किशोरी को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में जेल में बंद आरोपित को न्यायालय से दूसरी बार भी राहत नहीं मिल सकी। मामले में दाखिल दूसरी जमानत अर्जी को भी अदालत ने निरस्त कर दिया। इससे पहले भी आरोपित की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय कोर्ट संख्या-3 की पीठासीन अधिकारी शिव कुमारी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और मामले के तथ्यों पर विचार करने के बाद जमानत देने से इनकार कर दिया। अभियोजन के अनुसार, सिखेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी किशोरी बेटी सितंबर 2026 में तितावी थाना क्षेत्र के गांव बघरा निवासी अर्जुन पुत्र तेजपाल के संपर्क में थी। आरोप है कि अर्जुन ने किशोरी को शादी का झांसा देकर अपने विश्वास में लिया और उसके साथ जबरन संबंध बनाए। आरोपित ने किशोरी को अपनी दुकान पर बुलाया था, जहां उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया गया।

घर पहुंचकर स्वजन को बताई आपबीती

आरोप है कि घटना के बाद किशोरी अपने घर पहुंची और स्वजन को पूरी घटना की जानकारी दी। बेटी की बात सुनने के बाद परिजनों ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अर्जुन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की थी। मामले में आरोपित की गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला कारागार भेज दिया गया था।

18 सितंबर से जेल में बंद है आरोपित

दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार अर्जुन 18 सितंबर 2026 से जिला कारागार में निरुद्ध है। जेल जाने के बाद आरोपित की ओर से जमानत के लिए न्यायालय में अर्जी दाखिल की गई थी। हालांकि, मामले की सुनवाई के दौरान तीन अक्टूबर को न्यायालय ने उसकी पहली जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद आरोपित की ओर से दोबारा जमानत के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया।

16 नवंबर को न्यायालय में दाखिल हुआ आरोप-पत्र

इस बीच पुलिस ने मामले की विवेचना पूरी कर ली। विवेचना के दौरान एकत्र किए गए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 16 नवंबर 2026 को आरोपित के खिलाफ आरोप-पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया। इसके बाद दूसरी जमानत अर्जी पर न्यायिक प्रक्रिया के तहत सुनवाई हुई।

दूसरी बार भी अदालत से नहीं मिली राहत

शनिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय कोर्ट संख्या-3 की पीठासीन अधिकारी शिव कुमारी के न्यायालय में दूसरी जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की ओर से अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए गए। न्यायालय ने मामले की गंभीरता, उपलब्ध तथ्यों और पत्रावली का अवलोकन करने के बाद आरोपित की दूसरी जमानत अर्जी भी निरस्त कर दी। इस आदेश के बाद आरोपित को फिलहाल जिला कारागार में ही रहना होगा। किशोरी की पहचान सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उसका नाम और अन्य पहचान संबंधी विवरण प्रकाशित नहीं किया गया है।

खतौली में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकली अंतिम प्रभात फेरी: सर्वसमाज ने जगह-जगह की पुष्पवर्षा

श्री माता राम मूर्ति गुरुद्वारा और गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में शब्द कीर्तन, अरदास व प्रसाद वितरण के साथ पांच दिवसीय श्रृंखला का समापन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। सिख समाज की ओर से श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में नगर में निकाली जा रही पांच दिवसीय प्रभात फेरियों की श्रृंखला का शनिवार को पांचवीं एवं अंतिम प्रभात फेरी के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्ण वातावरण में समापन हो गया। सुबह से ही समूचा नगर 'सतनाम श्री वाहेगुरु' और गुरबाणी के मधुर कीर्तन से सराबोर नजर आया।

पंजाबी कॉलोनी से शुरू होकर मुख्य मार्गों से गुजरी प्रभात फेरी

अंतिम प्रभात फेरी पंजाबी कॉलोनी निवासी सरदार जसवीर सिंह छाबड़ा के आवास से प्रारंभ हुई। प्रभात फेरी में शामिल श्रद्धालु गुरबाणी का गुणगान करते हुए रेलवे रोड, जानसठ रोड, जीटी रोड, अशोक कीर्ति स्तंभ तथा भवानी मंदिर रोड से होते हुए ढाकन चौक पहुंचे। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह और भक्तिभाव देखते ही बन रहा था।

वाल्मीकि समाज और पालिका कर्मियों ने किया भव्य स्वागत

ढाकन चौक पर नगर पालिका सफाई यूनियन के अध्यक्ष सुधीर धामा के नेतृत्व में वाल्मीकि समाज के लोगों तथा नगर पालिका कर्मचारियों ने प्रभात फेरी पर



पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया, जिससे सामाजिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। इसके पश्चात प्रभात फेरी श्री माता राम मूर्ति गुरुद्वारा पहुंची, जहां ज्ञानी सोहन सिंह ने शब्द कीर्तन एवं गुरबाणी का पाठ कराया। अरदास के उपरांत संगत को प्रसाद वितरित किया गया, जिसकी सेवा राजकुमार ग्रोवर एवं श्रीमती आदेश ग्रोवर परिवार की ओर से की गई। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा प्रबंध समिति की प्रभात फेरियों के माध्यम से नगर में श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं प्रेम, आपसी भाईचारे, निस्वार्थ सेवा और मानवता का संदेश प्रसारित हुआ है। पांच दिवसीय आयोजन की सफलता में प्रशासन व नगरवासियों का सहयोग सराहनीय रहा। इसके बाद प्रभात फेरी बिद्दीबाड़ा, अशोका मार्केट और दुगार्पुरी से होते हुए शिवपुरी पहुंची। यहां सरदार सरबजीत सिंह के आवास पर श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया, जहां गुरबाणी साहिब के पाठ के बाद संगत ने प्रसाद ग्रहण किया। अंत में प्रभात फेरी जानसठ ओवरब्रिज से होते हुए तहसील रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पहुंची। यहां ज्ञानी जनक सिंह ने शब्द कीर्तन एवं गुरबाणी का पाठ कराया और अरदास के साथ पांच दिवसीय प्रभात फेरी श्रृंखला का विधिवत समापन हुआ। समापन अवसर पर प्रसाद की सेवा सरदार गुरमीत सिंह के परिवार की ओर से की गई।

शुकतीर्थ में कार्तिक गंगा स्नान मेले का शुभारंभ: उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, मंगलवार को होगा कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान

भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर और जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया उद्घाटन

मोरना (मुजफ्फरनगर)। पौराणिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले ऐतिहासिक गंगा स्नान मेले का शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत शुभारंभ हो गया। मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर और जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर तथा नारियल फोड़कर मेले का उद्घाटन किया। मेले के आगाज के साथ ही तीर्थनगरी में दूर-दराज से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला तेज हो गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा तट पर तंबू लगाकर प्रवास करने लगे हैं। मेले का मुख्य स्नान मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा के दिन संपन्न होगा। 49.21 लाख के बजट से संवर रही व्यवस्थाएं, सुरक्षा चाक-चौबंद जिला पंचायत की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह मेला इस वर्ष 25 नवंबर तक चलेगा। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षा बंदोबस्त के लिए 49 लाख 21 हजार



रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। प्रशासन और जिला पंचायत के अधिकारी दिन-रात मेले की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में जुटे हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष (भाजपा) नवाब सिंह नागर ने कहा कि इस पवित्र शुकतीर्थ की धरती पर प्राचीन शुकदेव मंदिर, अक्षय वट वृक्ष के दर्शन करने और साधु-संतों का आशीर्वाद प्राप्त करना सौभाग्य की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार सनातन संस्कृति के संरक्षण और धार्मिक स्थलों के निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उद्घाटन के पश्चात नवाब सिंह नागर प्रसिद्ध शुकदेव आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने हवन यज्ञ में आहुति दी और प्राचीन अक्षय वट वृक्ष की परिक्रमा कर शुकदेव मंदिर के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने तीर्थ के पौराणिक इतिहास को जाना तथा महान संत वीतराग स्वामी कल्याण देव महाराज के जीवन से जुड़ी स्मृतियों और वस्तुओं का अवलोकन किया। उधर, शनिवार शाम को गंगा घाट पर भव्य महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें साधु-संतों, जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आरती कर सुख-समृद्धि की कामना की।

शुभारंभ समारोह में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में एमएलसी वंदना वर्मा, सुप्रिया पाल, ब्लॉक प्रमुख अनिल राठी, मंडल अध्यक्ष अरुण पाल, रामकुमार शर्मा, जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी योगेश कुमार, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार, प्रदीप निर्वाल, योगेश गुर्जर, सीओ भोपा राधारमण सिंह और थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग व श्रद्धालु उपस्थित रहे। वॉलीबॉल प्रतियोगिता और स्वास्थ्य शिविर का भी हुआ उद्घाटन

मुख्य उद्घाटन से पूर्व अतिथियों ने मेला ग्राउंड में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ शांति के प्रतीक कबूतर आकाश में छोड़कर किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के उपचार के लिए स्वास्थ्य शिविर तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु पंचायत विभाग के शिविर का भी फीता काटकर उद्घाटन किया गया।

अदालत में पीड़िता ने आरोपित को पहचानने से किया इन्कार, छेड़छाड़ और धमकी के गंभीर आरोपों से युवक दोषमुक्त

नाबालिग से छेड़छाड़, तमंचा दिखाकर जान से मारने और फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देने का था आरोप; मां ने भी अभियोजन के आरोपों का नहीं किया समर्थन, साक्ष्य कमजोर पड़ने पर अदालत ने सुनाया फैसला

मुजफ्फरनगर। नाबालिग से छेड़छाड़, तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी देने, फोटो-वीडियो वायरल करने और अपहरण की धमकी देने जैसे गंभीर आरोपों से घिरे युवक को अदालत ने दोषमुक्त कर दिया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष को उस समय बड़ा झटका लगा, जब पीड़िता ने अदालत में आरोपित को पहचानने से ही इन्कार कर दिया। इतना ही नहीं, पीड़िता की मां ने भी आरोपों की पुष्टि नहीं की। महत्वपूर्ण गवाहों के समर्थन में न आने और आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं हो पाने के कारण अदालत ने युवक को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

वर्ष 2024 में दर्ज हुआ था मुकदमा

मामला छपार थाना क्षेत्र के गांव बरला से जुड़ा है। यहां के निवासी साहबाज उर्फ शाबाज त्यागी के खिलाफ वर्ष 2024 में नाबालिग से संबंधित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से आरोप लगाया गया था कि आरोपित नाबालिग से फोन के माध्यम से संपर्क करता था। आरोप था कि विरोध करने पर वह उसे तमंचा दिखाकर डराता-धमकाता था और जान से मारने की धमकी देता था। फोटो-वीडियो वायरल करने और अपहरण की धमकी का भी था आरोप

मुकदमे में आरोपित पर नाबालिग को परेशान करने के साथ ही उसकी फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया था। इसके अलावा अपहरण करने की धमकी देने की बात भी अभियोजन की ओर से सामने रखी गई थी। इन आरोपों को गंभीर मानते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना की थी और मामला सुनवाई के लिए अदालत पहुंचा था।

अदालत में पीड़िता के बयान से बदला मुकदमे का रुख

मुकदमे की सुनवाई के दौरान सबसे महत्वपूर्ण स्थिति उस समय सामने आई, जब पीड़िता को गवाही के लिए अदालत में पेश किया गया। अभियोजन पक्ष को उम्मीद थी कि पीड़िता के बयान से आरोपों की पुष्टि होगी, लेकिन उसने अदालत में आरोपित को पहचानने से इन्कार कर दिया। पीड़िता ने धमकी देने के आरोपों का भी समर्थन नहीं किया। इसके बाद पीड़िता की मां ने भी अभियोजन पक्ष की कहानी की पुष्टि नहीं की। इस तरह मुकदमे के महत्वपूर्ण गवाहों के बयान अभियोजन के आरोपों के समर्थन में नहीं आए।

अभियोजन आरोपों को संदेह से परे साबित करने में रहा नाकाम

मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या-1 में हुई। न्यायाधीश काशिफ शेख ने उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों के बयान और अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत सामग्री का परीक्षण किया। अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल नहीं हो सका। केवल आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, इसके लिए पर्याप्त और विश्वसनीय साक्ष्य आवश्यक हैं।

20 नवंबर को अदालत ने सुनाया दोषमुक्ति का फैसला

सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने 20 नवंबर 2026 को अपना निर्णय सुनाते हुए साहबाज उर्फ शाबाज त्यागी को आरोपों से दोषमुक्त कर दिया। इस फैसले के साथ ही वर्ष 2024 में दर्ज मुकदमे का न्यायिक निस्तारण हो गया। मामले में अदालत का फैसला इस बात पर आधारित रहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को प्रमाणित करने के लिए आवश्यक साक्ष्य पेश नहीं कर सका और महत्वपूर्ण गवाहों ने भी आरोपों का समर्थन नहीं किया। अदालत का फैसला इस सिद्धांत को भी रेखांकित करता है कि गंभीर से गंभीर आपराधिक आरोपों में भी दोषसिद्धि के लिए आरोपों का ठोस साक्ष्यों से साबित होना जरूरी है।

12 से अधिक नलकूपों में चोरी के मामले में दो आरोपितों को बड़ी राहत, अदालत ने दी अग्रिम जमानत

फुगाना के जंगल में किसानों के नलकूपों के ताले तोड़कर स्टार्टर, केबल और तांबे के तार चोरी करने का मामला; आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद न्यायालय ने स्वीकार की अग्रिम जमानत अर्जी, 50-50 हजार रुपये के मुचलकों पर मिलेगी राहत

मुजफ्फरनगर। किसानों के नलकूपों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर चोरी की गई बिजली की मोटर के स्टार्टर, केबल और तांबे के तार चोरी करने के मामले में नामजद दो आरोपितों को न्यायालय से अग्रिम जमानत मिल गई है। फुगाना थाना क्षेत्र के जंगल में एक ही रात में 12 से अधिक नलकूपों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। इस मामले में दर्ज मुकदमे के बाद कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे दो आरोपितों को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय कोर्ट संख्या-3 की न्यायाधीश शिव कुमारी ने राहत प्रदान की है।

एक ही रात में 12 से अधिक नलकूपों को बनाया था निशाना

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 22 जुलाई 2026 की रात फुगाना थाना क्षेत्र के जंगल में चोरों ने किसानों के नलकूपों को निशाना बनाया था। आरोपितों ने एक के बाद एक 12 से अधिक नलकूपों के ताले तोड़कर वहां लगे स्टार्टर, केबल, केबल के अंदर मौजूद तांबे के तार और डोरी चोरी कर ली थी। सुबह जब किसान अपने खेतों पर पहुंचे तो नलकूपों के ताले टूटे हुए और सामान गायब मिला। एक साथ कई नलकूपों में चोरी की घटना सामने आने से क्षेत्र के किसानों में चिंता फैल गई थी। इस घटना के संबंध में उदयवीर सिंह की ओर से फुगाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू की थी। चोरी की इस घटना में मुजम्मिल निवासी ग्राम मसावी, थाना थानाभवन और सोनू उर्फ सरफराज निवासी गांव जौला, थाना बुढ़ाना को नामजद किया गया था। दोनों आरोपितों ने गिरफ्तारी की आशंका के चलते न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी।

बचाव पक्ष ने गिरफ्तारी नहीं होने को बनाया आधार

अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि दोनों आरोपितों के नाम प्राथमिकी में नामजद नहीं हैं और विवेचना के दौरान पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी भी नहीं की है। बचाव पक्ष ने न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए अग्रिम जमानत दिए जाने की मांग की। मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय कोर्ट संख्या-3 की न्यायाधीश शिव कुमारी की अदालत में हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध तथ्यों का अवलोकन करने के बाद न्यायालय ने मुजम्मिल और सोनू उर्फ सरफराज की अग्रिम जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद न्यायालय की ओर से दोनों आरोपितों को अग्रिम जमानत का लाभ प्रदान किया गया। न्यायालय ने अग्रिम जमानत देते हुए दोनों आरोपितों पर जमानत की शर्तें भी निर्धारित की हैं। इसके तहत प्रत्येक आरोपित को 50 हजार रुपये का व्यक्तिगत बंधपत्र दाखिल करना होगा।

बुढ़ाना में भव्य खाटू श्याम निशान यात्रा का शुभारंभ: बाबा श्याम के जयकारों से गूंजा नगर, हाथों में केसरिया ध्वज लेकर भजनों पर झूमे श्रद्धालु

तीन दिवसीय खाटू श्याम जन्मोत्सव के तहत हरनंदेश्वर धाम मंदिर से निकली यात्रा

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। कस्बे में आयोजित तीन दिवसीय श्री खाटू श्याम जन्मोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। इस पावन अवसर पर नगरवासियों द्वारा हरनंदेश्वर धाम मंदिर से भव्य निशान यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी डॉ. सोनू कश्यप ने विधिवत फीता काटकर निशान यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा के प्रारंभ होते ही 'हारे के सहारे की जय' और बाबा खाटू श्याम के गगनभेदी जयकारों से समूचा वातावरण भक्तिमय हो गया।

केसरिया ध्वज और भजनों की धुन पर थिरके श्रद्धालु

कस्बे में श्रद्धालुओं द्वारा 20 से 22 नवंबर तक तीन दिवसीय खाटू श्याम जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को निकाली गई निशान यात्रा में महिला, पुरुष और युवा श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। हाथों में बाबा श्याम के केसरिया निशान (ध्वज) थामे श्रद्धालु भक्ति संगीत और भजनों की धुन पर झूमते-गाते आगे बढ़ते रहे। यात्रा जिस भी मार्ग से गुजरी, वहां नगरवासियों ने पूरे उत्साह के साथ पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया। समाजसेवी डॉ. सोनू कश्यप ने कहा कि बाबा खाटू श्याम कलयुग के अवतार हैं



और हारे के सहारे हैं।

ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

नगरवासियों द्वारा किया गया यह भक्तिमय प्रयास अत्यंत सराहनीय है।"

रविवार को होगा भव्य श्याम संकीर्तन, पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

आयोजकों ने बताया कि तीन दिवसीय जन्मोत्सव महोत्सव का समापन रविवार को भव्य श्याम संकीर्तन और महाआरती के साथ किया जाएगा।

वहीं, निशान यात्रा के दौरान कस्बे में यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया। पुलिस बल यात्रा के साथ-साथ चलता रहा, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

रॉयल बुलेटिन
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः
◆अनिल रॉयल
✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
रविवार 22 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



शादी की दावत में हलवा खाने के बाद बिगड़ी ग्रामीणों की तबीयत, नगवा गांव में मचा हड़कंप, उल्टी-दस्त से ग्रामीण बेहाल

मंढा समारोह में भोजन के करीब दो घंटे बाद शुरू हुई उल्टी और पेट दर्द की शिकायतें, कई मरीजों को अस्पताल पहुंचाया गया, खाद्य सुरक्षा विभाग ने हलवा समेत खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे, सीएमओ बोले- स्थिति नियंत्रण में

मुजफ्फरनगर। जनपद के बुढ़ाना क्षेत्र के नगवा गांव में शादी समारोह की दावत उस समय मुसीबत में बदल गई, जब भोजन करने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ गई। शादी से पहले आयोजित मंडा समारोह में हलवा खाने के करीब दो घंटे बाद लोगों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द और घबराहट की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते एक के बाद एक कई लोग बीमार पड़ने लगे। गांव में एक साथ बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत बिगड़ने की खबर फैलते ही अफरा-तफरी मच गई। परिजन अपने बीमार बच्चों और परिवार के सदस्यों को लेकर अस्पतालों की ओर दौड़ पड़े। घटना को संभावित खाद्य विषाक्तता (फूड पॉइजनिंग) से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, बीमारी की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार बुढ़ाना थाना क्षेत्र के नगवा गांव निवासी पवन के परिवार में शादी समारोह आयोजित किया जा रहा है। पवन की बारात रविवार को जानी है। शादी से एक दिन पहले शुक्रवार को परिवार की ओर से मंडा कार्यक्रम रखा गया था। इसमें रिश्तेदारों, ग्रामीणों और परिचितों ने हिस्सा लिया था। कार्यक्रम में मेहमानों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। सभी ने दावत में भोजन किया और इसके बाद हलवा भी खाया। शुरूआत में किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि कुछ देर बाद यही दावत कई परिवारों के लिए परेशानी का कारण बन जाएगी। ग्रामीणों के मुताबिक भोजन करने के करीब दो घंटे बाद कुछ लोगों को अचानक उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। शुरूआत में लोगों ने इसे सामान्य पेट की परेशानी समझा, लेकिन कुछ ही देर में बीमार पड़ने वालों की संख्या बढ़ने लगी। किसी को तेज



पेट दर्द होने लगा तो किसी को लगातार उल्टियां और घबराहट की शिकायत होने लगी। बच्चों और महिलाओं की तबीयत बिगड़ने से परिवारों में चिंता बढ़ गई। एक के बाद एक कई घरों से लोगों के बीमार होने की सूचना मिलने लगी। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अस्पतालों में पहुंचाए एक साथ कई लोगों की तबीयत बिगड़ने के बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर से बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाना शुरू किया। अस्पतालों में मरीजों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। जिन लोगों की हालत ज्यादा खराब थी, उन्हें बेहतर उपचार के लिए दूसरे अस्पतालों में रेफर किए जाने की जानकारी भी सामने आई। परिजन अपने बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों को लेकर परेशान दिखाई दिए। घटना के बाद गांव में हर तरफ इसी बात की चर्चा रही कि आखिर दावत में ऐसा क्या खाया गया, जिसके बाद इतनी बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत खराब हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों की ओर से हलवा तैयार करने में इस्तेमाल की गई सामग्री पर सवाल उठाए जा रहे हैं। एक ग्रामीण ने आशंका जताई कि हलवाई की ओर से इस्तेमाल किए गए रिफाइंड में कोई समस्या हो सकती है, जिसके चलते लोगों की तबीयत बिगड़ी। हालांकि, यह ग्रामीण की आशंका है और अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीण ने बताया कि उनकी पत्नी और बेटी की तबीयत भी दावत में खाना खाने के बाद खराब हो गई थी। दोनों को गांव में ही उपचार दिलाया गया।

कैराना से लापता युवती परिवार के पास लौटी, पुलिस ने हरियाणा से बरामद कर न्यायालय में कराए बयान

बघरा आश्रम पहुंचे परिजनों ने स्वामी यशवीर महाराज को बताई थी पीड़ा, हस्तक्षेप के बाद तेज हुई कार्रवाई; युवती ने परिवार के साथ जाने की जताई सहमति, धर्मांतरण कराने के आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग

मुजफ्फरनगर/शामली। जनपद शामली के कैराना क्षेत्र से लापता हुई युवती को पुलिस ने हरियाणा से बरामद कर लिया है। युवती की बरामदगी के बाद उसके बयान कराए गए, जिसमें उसने अपने परिवार के साथ वापस जाने की सहमति जताई। इसके बाद युवती को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस मामले को लेकर बघरा आश्रम के स्वामी यशवीर महाराज ने पहले ही आवाज उठाई थी। उन्होंने युवती की सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग करते हुए एक सप्ताह के भीतर उसे वापस लाने का आह्वान किया था।

स्वामी यशवीर महाराज की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कैराना क्षेत्र की रहने वाली ब्राह्मण समाज की एक युवती को हरियाणा का एक युवक अपने साथ ले गया था। परिजनों का आरोप था कि युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर अपने साथ ले जाने की घटना को अंजाम दिया। परिवार की ओर से करीब 10 दिनों तक युवती की तलाश



और बरामदगी के लिए प्रयास किए गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर परिजन परेशान हो गए। परिवार के लोग 12 नवंबर को बघरा आश्रम पहुंचे थे, जहां उन्होंने स्वामी यशवीर महाराज को पूरे प्रकरण की जानकारी देते हुए अपनी पीड़ा बताई थी। परिजनों की शिकायत सुनने के बाद स्वामी यशवीर महाराज ने मामले को गंभीरता से उठाया और युवती की जल्द बरामदगी की मांग की। उन्होंने पुलिस प्रशासन को एक सप्ताह के भीतर युवती को वापस लाने का आह्वान किया था। इसी दिन कैराना कोतवाली में मामले को लेकर मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवती को हरियाणा से बरामद कर लिया। इसके बाद युवती को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत बयान दर्ज कराने के लिए प्रस्तुत किया गया। स्वामी यशवीर महाराज के अनुसार, बयान के दौरान युवती ने अपने परिवार के साथ वापस जाने की सहमति जताई। इसके बाद परिवार को उनकी बेटी वापस मिल गई। युवती की वापसी से परिजनों ने राहत की सांस ली। युवती की बरामदगी के बाद स्वामी यशवीर महाराज ने शामली पुलिस प्रशासन से मामले में आगे भी सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि युवती का धर्मांतरण कराया गया है। उन्होंने इस कथित धर्मांतरण में शामिल सभी लोगों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग उठाई। साथ ही चेतावनी दी कि यदि आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन की घोषणा की जाएगी। स्वामी यशवीर महाराज ने कहा कि युवती की परिवार में वापसी राहत की बात है

शुक्रताल मेले में भैंसा-बुग्गी की अवैध दौड़ पर पुलिस का बड़ा शिकंजा, .32 बोर की पिस्टल और तीन कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन में मोरना-शुक्रताल और बिहारगढ़ मार्ग पर सघन चेकिंग अभियान, भैंसा-बुग्गी चालकों से दो दर्जन नुकीली लोहे की आर बरामद; रेस लगाने वालों की बुग्गियां जब्त करने और आरोपितों की गिरफ्तारी के निर्देश

मुजफ्फरनगर। कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने भैंसा-बुग्गी की अवैध दौड़ और असामाजिक गतिविधियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन में मोरना-शुक्रताल और मोरना-बिहारगढ़ मार्ग पर लगातार सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान पुलिस ने भैंसा-बुग्गी चालकों के कब्जे से करीब दो दर्जन लोहे की नुकीली छड़ें (आर) बरामद की हैं। वहीं, चेकिंग के दौरान अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से .32 बोर की पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन में चल रहा विशेष अभियान

कार्तिक पूर्णिमा मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसएसपी सूरज कुमार राय ने पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देशन तथा एसपी ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के निकट पर्यवेक्षण में भोपा क्षेत्र के प्रमुख मार्गों पर पुलिस की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। मोरना-शुक्रताल और मोरना-बिहारगढ़ मार्ग पर आने-जाने वाले वाहनों और भैंसा-बुग्गियों की सघन तलाशी ली जा रही है। पुलिस का मुख्य उद्देश्य मेले के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था और अप्रिय घटना को रोकना है। क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमण सिंह ने बताया कि पुलिस के चेकिंग अभियान के दौरान



भैंसा-बुग्गी चालकों के कब्जे से करीब दो दर्जन लोहे की नुकीली छड़ें (आर) बरामद हुई हैं। पुलिस को आशंका है कि इनका इस्तेमाल भैंसा-बुग्गी की दौड़ के दौरान किया जा सकता है। नुकीली आर के इस्तेमाल से पशुओं को चोट पहुंचने के साथ ही सड़क पर चलने वाले लोगों और अन्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। इसी को देखते हुए पुलिस ने ऐसी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए सख्ती बढ़ा दी है। सघन चेकिंग अभियान के दौरान भोपा पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सोहित पुत्र मुकेश निवासी ग्राम घटायन, थाना जानसठ, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक .32 बोर की पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने सभी भैंसा-बुग्गी चालकों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि कार्तिक पूर्णिमा मेले के दौरान किसी भी स्थिति में भैंसा-बुग्गी की दौड़ न लगाएं और न ही ऐसी किसी गतिविधि में शामिल हों। यदि कोई व्यक्ति अवैध दौड़ में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ तत्काल गिरफ्तारी और कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही दौड़ में इस्तेमाल होने वाली भैंसा-बुग्गियों को भी नियमानुसार जब्त किया जाएगा।

बलकटी और लाठी-डंडों से घर में घुसकर हमला, दो लोगों को किया घायल

पुरानी रंजिश और कुर्सी हटवाने को लेकर चार पड़ोसियों पर मारपीट का आरोप, एक के सिर पर बलकटी से किया वार तो दूसरे की आंख और मुंह पर बरसाए डंडे; छपार थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के गांव छपार में पुरानी रंजिश और कुर्सी हटवाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि चार लोगों ने कथित तौर पर बलकटी और लाठी-डंडों से हमला कर दो व्यक्तियों को घायल कर दिया। आरोप है कि हमलावर हथियार लेकर पीड़िता के घर में घुसने का प्रयास करते हुए गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर एक व्यक्ति के सिर पर बलकटी से वार कर दिया, जबकि दूसरे को लाठी-डंडों से पीटकर आंख और मुंह पर चोट पहुंचाई। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर छपार पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बलकटी और लाठी-डंडे लेकर पहुंचे पड़ोसी

पुलिस को दी गई शिकायत में गांव छपार निवासी साजिदा पत्नी इमरान ने बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाले सालिम, ताजीम और इरशाद पुत्रगण बसीर तथा मजहर पुत्र लियाकत से उनका विवाद चल रहा है। आरोप है कि 3 नवंबर 2026 को शाम करीब 6:30 बजे चारों आरोपी उसके घर के पास पहुंचे। इनमें सालिम के हाथ में बलकटी थी, जबकि ताजीम, इरशाद और मजहर लाठी-डंडे लिए हुए थे। पीड़िता के अनुसार, आरोपी कुर्सी हटवाने और पुरानी रंजिश को लेकर उसके घर में घुसने का प्रयास करने लगे। इस दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इसी विवाद में सालिम ने सादिक के सिर पर बलकटी से वार कर दिया, जिससे उसके सिर में काफी चोट आई। वहीं, ताजीम, इरशाद और मजहर ने सायान पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उसके चेहरे और आंख के आसपास वार किए गए, जिससे वह घायल हो गया।

दो गवाहों ने बीच-बचाव कर बचाया

शिकायत में बताया गया कि घटना के दौरान जुनैद पुत्र अब्दुल और तासीन पुत्र रईस मौके पर मौजूद थे। दोनों ने अपनी आंखों से मारपीट की घटना देखी और बीच-बचाव कर घायलों को हमलावरों से बचाया। आरोप है कि जाते समय चारों आरोपी पीड़िता और उसके परिवार को भविष्य में देख लेने की धमकी देकर चले गए। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि घटना के बाद से वह और उसका परिवार काफी डरा और सहमा हुआ है। आरोपियों की धमकियों के चलते परिवार को भविष्य में भी किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। पीड़िता ने 18 नवंबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। एसएसपी कार्यालय से शिकायत पर कार्रवाई के निर्देश दिए जाने के बाद मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई। इसके बाद 20 नवंबर 2026 को छपार थाने में सालिम, ताजीम, इरशाद और मजहर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साइकिल से काम पर जा रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, हालत गंभीर; दिल्ली रेफर

राणा चौक के पास पीछे से टक्कर मारकर कार चालक फरार, घायल युवक मेरठ के सुभारती अस्पताल से दिल्ली भेजा गया; पिता की तहरीर पर कार नंबर के आधार पर मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। काम पर जाने के लिए साइकिल से निकले एक युवक को तेज रफ्तार कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घायल को पहले जिला अस्पताल, फिर आनंद अस्पताल और सुभारती अस्पताल मेरठ ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे दिल्ली रेफर कर दिया। युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। मामले में घायल के पिता की तहरीर पर सिविल लाइन थाने में कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। खालापार थाना क्षेत्र के गांव सुजडू की जहांगीर पट्टी निवासी सलीम पुत्र अख्तर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका बेटा वसीम 30 अक्टूबर 2026 को शाम करीब 7:40 बजे अपने घर से साइकिल लेकर बहलना में काम करने के लिए निकला था। जब वह राणा चौक के पास पहुंचा तो पीछे से तेज गति से आ रही सफेद रंग की कार ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। पीड़ित पिता के अनुसार, कार संख्या यूपी-12-बीपी-0533 का चालक वाहन को अत्यधिक तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। उसने पीछे से वसीम की साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वसीम सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक घायल युवक की मदद करने के बजाय मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद घायल वसीम को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए आनंद अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद उसे बेहतर उपचार के लिए सुभारती अस्पताल मेरठ ले जाया गया। यहां भी हालत में गंभीरता को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे दिल्ली रेफर कर दिया।

परिजनों के अनुसार, युवक की हालत बेहद नाजुक है। सलीम ने अपनी शिकायत में बताया कि दुर्घटना राणा चौक के आसपास हुई थी और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना की रिकॉर्डिंग कैद हुई है। हादसे के बाद बेटे के उपचार और उसकी गंभीर हालत के चलते वह तत्काल पुलिस में शिकायत नहीं कर सका। कुछ समय मिलने पर उसने 20 नवंबर को थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी। पीड़ित पिता की तहरीर पर सिविल लाइन पुलिस ने कार संख्या यूपी-12-बीपी-0533 के चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस दुर्घटना के संबंध में जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हादसे की पुष्टि करने और फरार कार चालक का पता लगाने की कार्रवाई की जा रही है।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने संभाली कमान, चरथावल विधानसभा के बूथों का किया निरीक्षण

बूथों पर पहुंचकर पुनरीक्षण कार्यों का लिया जायजा, मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया और व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण; अभियान को व्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने पर जोर

मुजफ्फरनगर। मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने विधानसभा क्षेत्र संख्या-12 चरथावल के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर वहां चल रही पुनरीक्षण प्रक्रिया का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथों पर पहुंचकर मतदाता सूची से संबंधित कार्यों और अभियान के अंतर्गत की जा रही व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया।

बूथों पर पहुंचकर पुनरीक्षण कार्यों की जमीनी स्थिति परखी

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने विभिन्न बूथों का भ्रमण कर वहां चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मतदान केंद्रों पर पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान की जा रही गतिविधियों का निरीक्षण किया और यह जायजा लिया कि मतदाता सूची को अद्यतन करने का कार्य किस प्रकार संचालित किया जा रहा है। प्रशासन की ओर से बूथ स्तर पर चल रही गतिविधियों की नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि पुनरीक्षण अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने पर प्रशासन का जोर

इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाना है। इसके तहत पात्र मतदाताओं



के नाम सूची में शामिल करने, अपात्र एवं त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों का नियमानुसार परीक्षण करने तथा मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से पूरा कराने पर जोर दिया जा रहा है। बूथों के निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न हो।

एसडीएम सदर ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव के भ्रमण का उद्देश्य बूथों पर पुनरीक्षण कार्यों की वास्तविक स्थिति जानने के साथ ही अभियान से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करना भी रहा। प्रशासनिक स्तर पर इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में पारदर्शिता बनी रहे और पात्र मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर प्रशासन की सक्रियता से स्पष्ट है कि मतदाता सूची को व्यवस्थित और त्रुटिरहित बनाने के लिए बूथ स्तर पर निगरानी जारी रहेगी। एसडीएम सदर द्वारा किए जा रहे निरीक्षण को इसी अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता से मारपीट, तेजाब डालने की धमकी देने का आरोप

देवर और ननदोई पर छेड़छाड़ व दुष्कर्म की कोशिश का आरोप, आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने का भी दावा

मुजफ्फरनगर। जानसठ क्षेत्र में रहने वाली एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष के कई लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। विवाहिता का आरोप है कि दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की जाती है। विरोध करने पर उसे तेजाब डालकर जान से मारने की धमकी दी गई। इतना ही नहीं, देवर पर बदनियती से छेड़छाड़ करने और ननदोई व अन्य पर जबरन गलत काम करने का प्रयास करने का आरोप भी लगाया है। विवाहिता ने अपनी आपत्तिजनक वीडियो वायरल किए जाने का भी दावा किया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

देवर पर छेड़छाड़ और ननदोई पर गलत काम की कोशिश का आरोप

पुलिस को दी गई शिकायत में विवाहिता ने बताया कि उसकी शादी शान के साथ हुई है। आरोप है कि ससुर कलवा, सास रानी, देवर अयान और पोपी, ननदोई सलीम तथा ननदों सहित पति शान और उसके मामा ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट की। विवाहिता का आरोप है कि उसका देवर अयान उसके साथ बदनीयती से छेड़छाड़ करता है, जबकि ननदोई और देवर सहित अन्य लोगों पर उसके साथ जबरन गलत काम करने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है।

दहेज की मांग और तेजाब डालने की धमकी देने का आरोप

विवाहिता के अनुसार, 13 नवंबर 2026 को उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की और मांग पूरी नहीं होने पर तेजाब डालने की धमकी दी। पीड़िता का यह भी आरोप है कि उसकी आपत्तिजनक वीडियो अलग-अलग जगह प्रसारित की गईं, जिससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।

सास पर गलत धंधे में धकेलने का दबाव बनाने का आरोप

शिकायत में विवाहिता ने अपनी सास पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि सास उस पर गलत काम करने के लिए दबाव बनाती थी और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। विवाहिता ने आरोप लगाया कि जब उसने इस तरह के दबाव का विरोध किया तो ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसे प्रताड़ित किया।

मायके से लौटने पर मारपीट और जबरदस्ती की कोशिश

विवाहिता ने बताया कि वह 13 नवंबर को अपने मायके जानसठ से सरधना स्थित ससुराल पहुंची थी। आरोप है कि वहां पहुंचते ही ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की और जबरदस्ती गलत काम करने का प्रयास किया। लगातार मिल रही धमकियों और प्रताड़ना से परेशान होकर उसने अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

एसएसपी से शिकायत के बाद मुकदमा दर्ज विवाहिता ने 18 नवंबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देकर पूरे मामले की शिकायत की थी। शिकायत में उसने पति शान सहित ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित आरोपों में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपों की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

जोगियाखेड़ा के पास छोटा हाथी और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत, पति-पत्नी और दो मासूम बच्चियां घायल

कांधला से बुढ़ाना ससुराल जा रहा था परिवार, दो साल की बेटी और तीन महीने की मासूम भी हादसे का शिकार; राहगीरों ने घायलों को निजी अस्पताल में कराया भर्ती

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र के गांव जोगियाखेड़ा के निकट बुढ़ाना-कांधला मार्ग पर छोटा हाथी वाहन और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी और उनकी दो मासूम बेटियां घायल हो गईं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को उपचार के लिए कांधला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की सूचना मिलने पर फुगाना पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार, शामली जनपद के कांधला निवासी सादिक पुत्र यामीन अपनी पत्नी रिजवाना और दो बेटियों के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर कांधला से बुढ़ाना स्थित अपनी ससुराल जा रहा था। परिवार में दो साल की बेटी सना और तीन महीने की दूसरी मासूम बच्ची भी मोटरसाइकिल



पर सवार थीं। बताया गया कि परिवार बुढ़ाना पहुंचने के लिए बुढ़ाना-कांधला मार्ग से होकर गुजर रहा था। बताया जाता है कि जैसे ही सादिक अपनी पत्नी और दोनों बच्चियों के साथ फुगाना थाना क्षेत्र के गांव जोगियाखेड़ा के निकट पहुंचा, तभी सामने से तेज गति से आ रहे छोटा हाथी वाहन और उनकी मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल सवार परिवार के चारों सदस्य सड़क पर गिरकर घायल हो गए। अचानक हुए हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास से गुजर रहे राहगीर और ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सड़क पर घायल पड़े पति-पत्नी और दोनों मासूम बच्चियों को देखकर लोगों ने तत्काल मदद के लिए कदम उठाए।

राहगीरों ने दिखाई तत्परता, कांधला के निजी अस्पताल में कराया भर्ती

हादसे के बाद राहगीरों ने मानवता का परिचय देते हुए घायलों को संभाला और उपचार के लिए कांधला के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों का उपचार किया गया। हादसे में दो साल की सना और तीन महीने की मासूम बच्ची के घायल होने से परिवार के लोगों में चिंता बनी रही। बताया गया कि सादिक अपनी पत्नी और दोनों बेटियों के साथ बुढ़ाना स्थित अपनी ससुराल जा रहा था। हादसे की सूचना मिलने पर ससुराल पक्ष के लोग बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचे। वहां घायलों के नहीं मिलने पर उन्होंने जानकारी की तो पता चला कि हादसे में घायल परिवार को कांधला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके बाद परिजन कांधला के अस्पताल के लिए रवाना हो गए। गांव जोगियाखेड़ा के निकट हुए सड़क हादसे की जानकारी मिलने पर फुगाना पुलिस ने घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

संपादकीय

कश्मीर में आखिरी स्थानीय आतंकी के मारे जाने का दावा, क्या अब कमजोर होगा आतंक का नेटवर्क

जब कोई बड़ा आतंकवादी घाटी में मारा जाता है, तब सरकार की प्रतिक्रिया आमतौर पर ऐसी होती है, मानो वहां इस समस्या का अंत हो गया है। मगर फिर कुछ समय बाद कोई आतंकी हमला यह बताने के लिए काफी होता है कि वहां अब भी इस समस्या की जटिलता में कमी नहीं आई है।इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुई मुठभेड़ में एक आतंकी का मारा जाना एक बड़ी कामयाबी है। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मारे गए व्यक्ति को घाटी का आखिरी स्थानीय आतंकी बताया। पिछले काफी समय से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समस्या किस स्तर पर कायम है, यह छिपा नहीं है।हर कुछ दिनों के बाद जिस तरह सुरक्षाबलों के शिविरों पर आतंकियों ने हमले जारी रखे हैं, उसमें जवान शहीद या घायल होते रहे, उससे साफ है कि राज्य में आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए तमाम अभियानों में आतंकियों को खत्म करने के दावे जरूर किए गए, लेकिन हर अगली घटना यह बताती रही कि अभी वहां यह समस्या अपने जटिल स्वरूप में मौजूद है।गौरतलब है कि आतंकियों की गतिविधियों के बारे में खुफिया सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने देवसर इलाके के जंगलपोरा गांव में खोज अभियान चलाया था। वहीं आत्मसमर्पण से इनकार करने पर लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर लतीफ भट को मुठभेड़ में मार गिराया गया।जाहिर है, समूची घाटी में आतंकवाद का जाल जिस तरह काम करता है और उसमें आए दिन सुरक्षाबलों से लेकर आम लोगों को निशाना बनाया जाता है, उसमें लतीफ भट का खात्मा एक बड़ी उपलब्धि है। अगर उसके घाटी का आखिरी स्थानीय आतंकी होने के बारे में सरकार के दावे सही हैं, तो उसका मारा जाना इस लिहाज से भी अहम है कि सीमा पार के आतंकी संगठनों की एक बड़ी ताकत स्थानीय आबादी में फैला उनका जाल ही होता है।ऐसे में अगर लतीफ भट कश्मीर में इसी भूमिका में था, तो उसकी मौत के बाद अब आतंक के दुश्चक्र के एक मजबूत आधार को कमजोर करने में मदद मिलनी चाहिए, क्योंकि कई बार बाहरी हस्तक्षेप का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सकता है, लेकिन जब उसे स्थानीय समर्थन और संरक्षण मिलता है, तो उसकी पकड़ को ढीला करना एक चुनौती होती है।विचित्र यह है कि जब कोई बड़ा आतंकवादी घाटी में मारा जाता है, तब सरकार की प्रतिक्रिया आमतौर पर ऐसी होती है, मानो वहां इस समस्या का अंत हो गया है। मगर फिर कुछ समय बाद कोई आतंकी हमला यह बताने के लिए काफी होता है कि वहां अब भी इस समस्या की जटिलता में कमी नहीं आई है।सही है कि बीते कुछ समय से सुरक्षाबलों और स्थानीय पुलिस और खुफिया तंत्र के बीच बेहतर तालमेल की वजह से आतंकियों के स्थानीय संजाल को कमजोर करने में मदद मिली है।

सपा-कांग्रेस गठबंधन : सीटों के पेच में उलझती सियासी राह

2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों का कड़वा अनुभव दोनों दलों के सामने एक जीवंत उदाहरण है। उस समय सपा और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और कांग्रेस को 100 से अधिक सीटें दी गई थीं, लेकिन वह केवल सात सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी थी, जिसका खामियाजा पूरे गठबंधन को सत्ता से दूर रहकर भुगतना पड़ा था। सपा नेतृत्व कतई नहीं चाहेगा कि 2027 में 2017 की उस ऐतिहासिक भूल को दोहराया जाए। दूसरी ओर, कांग्रेस की अपनी मजबूरियां और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं हैं। एक राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते यदि वह उत्तर प्रदेश जैसे सबसे बड़े राज्य में केवल 50 या 60 सीटों पर सिमट जाती है।

(अशोक भाटिया)

गठबंधन की इस खींचतान को समझने के लिए दोनों दलों के तर्कों और उनके पीछे के चुनावी आंकड़ों पर नजर डालना आवश्यक है। कांग्रेस का उत्साह मुख्य रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों से उपजा है, जहां सपा और कांग्रेस ने मिलकर उत्तर प्रदेश की 80 में से 43 संसदीय सीटों पर जीत दर्ज की थी।

उत्तर प्रदेश की सियासी धरती हमेशा से राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दशा तय करती रही है। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की आहट तेज होने के साथ ही विपक्षी खेमे, विशेषकर इंडिया गठबंधन के दो प्रमुख स्तंभों–समाजवादी पार्टी और कांग्रेस–के बीच सीटों के तालमेल को लेकर हलचल अपने चरम पर है। नई दिल्ली में 17 नवंबर 2026 को दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच सीट बंटवारे पर होने वाली बहुप्रतीक्षित औपचारिक बैठक का ऐन वक्त पर टल जाना, सियासी गलियारों में कई तरह की अटकलों और चर्चाओं को जन्म दे रहा है। हालांकि, इस स्थगन को केवल टकराव के रूप में देखने के बजाय गठबंधन की आंतरिक जटिलताओं, महत्वाकांक्षाओं के टकराव और चुनावी यथार्थ के बीच संतुलन साधने की एक कठिन कवायद के रूप में समझा जाना चाहिए। बैठक टलने के पीछे भले ही समन्वय समितियों के गठन और प्रारंभिक तैयारी का हवाला दिया गया हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या और दावेदारी को लेकर अभी तक कोई सर्वमान्य फॉर्मूला नहीं बन पाया है।

इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में कांग्रेस की वह प्रारंभिक सूची है, जिसमें उसने उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधानसभा सीटों में से लगभग 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। कांग्रेस के इस प्रस्ताव ने समाजवादी पार्टी के खेमे में स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा कर दी है। सपा नेतृत्व, जो राज्य में मुख्य विपक्षी दल होने के नाते खुद को गठबंधन के बड़े भाई की भूमिका में देखता है, इतनी बड़ी संख्या में सीटें छोड़ने के लिए तैयार नहीं दिख रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों और विभिन्न समाचार माध्यमों की खबरों के अनुसार, समाजवादी पार्टी कांग्रेस को 50 से 80 सीटों के दायरे में ही सीमित रखना चाहती है। सीटों की मांग और पेशकश के बीच का यह विशाल अंतर ही वह मुख्य पेच है, जिसके चलते 17 नवंबर की औपचारिक बैठक को तीन-चार दिनों के लिए आगे बढ़ाना पड़ा। सोनिया गांधी की पुस्तक के विमोचन के अवसर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ हुई अनौपचारिक बातचीत में यह सहमति बनी कि शीर्ष स्तर पर अंतिम मुहर लगने से पहले दोनों दल अपनी-अपनी समन्वय समितियों के माध्यम से



जमीनी हकीकत और दावेदारी का आकलन करें। कांग्रेस ने इसके लिए प्रियंका गांधी वाड्रा, के.सी. वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा और इमरान मसूद जैसे वरिष्ठ नेताओं की पांच सदस्यीय समिति का गठन कर अपनी गंभीरता दर्शाई है।

गठबंधन की इस खींचतान को समझने के लिए दोनों दलों के तर्कों और उनके पीछे के चुनावी आंकड़ों पर नजर डालना आवश्यक है। कांग्रेस का उत्साह मुख्य रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों से उपजा है, जहां सपा और कांग्रेस ने मिलकर उत्तर प्रदेश की 80 में से 43 संसदीय सीटों पर जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में सपा को 37 और कांग्रेस को 6 सीटें मिली थीं, जिससे विपक्षी गठबंधन को एक नई संजीवनी प्राप्त हुई थी। कांग्रेस का मानना है कि लोकसभा चुनावों के बाद राज्य में उसका जनाधार बढ़ा है और संगठन में नई जान फूंकी गई है। इसी आधार पर कांग्रेस ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 67, अवध क्षेत्र की 51 और बुंदेलखंड की 9 सीटों सहित कुल 181 सीटों की सूची तैयार की है। कांग्रेस के रणनीतिकारों का यह भी तर्क है कि यदि 2024 के लोकसभा परिणामों के अनुपात को आधार बनाया जाए, तो भी उसे सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी के पास 2022 के विधानसभा चुनावों के ठोस आंकड़े हैं, जो कांग्रेस के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने दम पर लड़ते हुए महज दो सीटों पर जीत हासिल की थी, उसका वोट प्रतिशत चार फीसदी से भी नीचे (3.84 प्रतिशत) सिमट गया था और उसके अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। इसके अलावा, हाल के वर्षों में हुए विधानसभा उपचुनावों के नतीजों ने भी सपा को यह अहसास कराया है कि जमीनी स्तर पर संगठन की मजबूती और कैडर वोट का हस्तांतरण ही जीत की असली गारंटी है।

अखिलेश यादव ने दिल्ली पहुंचने पर मीडिया से बातचीत में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक कसौटी का उल्लेख किया है–जिताऊ क्षमता)। उनका स्पष्ट कहना है कि गठबंधन का मुख्य उद्देश्य अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को हराना है, और इसलिए जिस सीट पर जिस दल का उम्मीदवार जीतने की सबसे मजबूत स्थिति में होगा, वही वहां से चुनाव लड़ेगा। राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर सपा प्रमुख का यह तर्क अत्यंत वजनदार प्रतीत होता है। गठबंधन की राजनीति में अक्सर यह देखा गया है कि जब कोई सहयोगी दल अपनी वास्तविक संगठनात्मक क्षमता से अधिक सीटों की जिद पकड़ लेता है और कमजोर उम्मीदवार मैदान में उतारता है, तो उसका सीधा लाभ विरोधी खेमे को मिलता है। 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों का कड़वा अनुभव दोनों दलों के सामने एक जीवंत उदाहरण है। उस समय सपा और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और कांग्रेस को 100 से अधिक सीटें दी गई थीं, लेकिन वह केवल सात सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी थी, जिसका खामियाजा पूरे गठबंधन को सत्ता से दूर रहकर भुगतना पड़ा था। सपा नेतृत्व कतई नहीं चाहेगा कि 2027 में 2017 की उस ऐतिहासिक भूल को दोहराया जाए। दूसरी ओर, कांग्रेस की अपनी मजबूरियां और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं हैं। एक राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते यदि वह उत्तर प्रदेश जैसे सबसे बड़े राज्य में केवल 50 या 60 सीटों पर सिमट जाती है, तो इससे न केवल राज्य के शेष हिस्सों में उसका संगठन पूरी तरह निष्क्रिय हो जाएगा, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी उसके मनोबल और सौदेबाजी की ताकत पर नकारात्मक असर पड़ेगा। यही कारण है कि कांग्रेस नेतृत्व उन सीटों पर भी दावा ठोक रहा है जहां पिछली बार सपा के विधायक जीते थे या सपा दूसरे स्थान पर रही थी, जिससे स्थानीय स्तर पर सपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में असंतोष पनपना स्वाभाविक है।

इस सियासी रस्साकशी के बीच यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर प्रदेश का चुनावी मैदान केवल दो ध्रुवों तक सीमित नहीं है। एक तरफ सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी है, जो अपने मजबूत बूथ प्रबंधन, सामाजिक इंजीनियरिंग और डबल इंजन सरकार की योजनाओं के दम पर लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। वहीं दूसरी तरफ, बहुजन समाज पार्टी और अन्य छोटे क्षेत्रीय दलों की उपस्थिति भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। ऐसे बहुकोणीय या त्रिकोणीय मुकाबले में विपक्षी वोटों का जरा सा भी बिखराव सपा और कांग्रेस दोनों के लिए आत्मघाती साबित हो सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव दोनों ने सार्वजनिक रूप से यह दोहराया है कि इंडिया गठबंधन एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा और जनता के सामने एक मजबूत विकल्प पेश करेगा। लेकिन शीर्ष नेताओं की यह सद्भावना तभी फलीभूत हो सकती है जब वह जमीनी कार्यकर्ताओं के स्तर तक पहुंचे। यदि सीटों के बंटवारे की घोषणा से पहले ही सूची लीक होने और एक-दूसरे की सीटों पर दावेदारी जताने का सिलसिला यूं ही चलता रहा, तो इससे मतदाताओं के बीच भ्रम और अविश्वास का संदेश जाएगा। दरअसल अब 17 नवंबर की बैठक का टलना कोई पूर्ण विराम नहीं, बल्कि एक अल्पविराम है। राजनीति को संभावनाओं और समझौतों की कला कहा जाता है। आने वाले दिनों में जब दोनों दलों की समन्वय समितियां आमने-सामने बैठेंगी, तो उन्हें आंकड़ों की बाजीगरी और अहं के टकराव से ऊपर उठकर वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाना होगा। कांग्रेस को यह स्वीकार करना होगा कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन की धुरी समाजवादी पार्टी ही है और उसकी सांगठनिक ताकत के बिना भाजपा को चुनौती देना असंभव है। वहीं, समाजवादी पार्टी को भी बड़े भाई का उदार हृदय दिखाते हुए कांग्रेस को इतनी सम्मानजनक हिस्सेदारी अवश्य देनी होगी, जिससे कांग्रेस का पारंपरिक और अल्पसंख्यक मतदाता पूरे उत्साह के साथ गठबंधन के पक्ष में लामबंद हो सके। सीटों की इस बिसात पर यदि दोनों दल अपनी-अपनी महत्वाकांक्षाओं को तिलांजलि देकर केवल %जीत% के साझा लक्ष्य पर केंद्रित होते हैं, तो निश्चित रूप से बात बन सकती है। अन्यथा, तालमेल की यह देरी और आपसी अविश्वास 2027 की चुनावी जंग शुरू होने से पहले ही विपक्ष की धार को कुंद कर सकता है।वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जीवन को कल पर टालते-टालते कहीं जीना ही न भूल जाएं

(लोकेंद्र सिंह कोट)

किसी साधारण अनुभव में छिपा सवाल हो या सामने मौजूद कोई बड़ी समस्या, दोनों पर सोचने के लिए जिज्ञासा और धैर्य चाहिए। मनुष्य को अपने जाने का ज्ञान है। इसीलिए वह घर बनाता है, तस्वीर खिंचवाता है और बच्चों के चेहरे में अपना थोड़ा-सा भविष्य खोजता है। उसे मालूम है कि एक दिन यह सब छोड़ना होगा, फिर भी वह दीवार पर अपनी पसंद का रंग करवाता है। जाना अनिवार्य है। यह बात हमें उदास भी कर सकती है, लेकिन बहुत कुछ इस पर निर्भर है कि इसे हम भय की तरह संभालते हैं या समय की कीमत बताने वाली एक शांत सूचना की तरह।



हमारे यहां जीवन अक्सर स्थगित मिलता है। पढ़ाई पूरी हो जाए, नौकरी लग जाए, अपना घर बन जाए, बच्चों का भविष्य संवर जाए- फिर थोड़ा आराम से जिएंगे। इच्छाओं की इस लंबी कतार में जीवन सबसे पीछे खड़ा रहता है। जीवन की आवश्यकताएं वास्तविक हैं। रोटी, छत और बच्चों की फीस को कविता सुनाकर टाला नहीं जा सकता, लेकिन इन्हीं के बीच चाय का एक प्याला धीरे-धीरे पिया जा सकता है। किसी शाम छत पर जाकर आकाश देखा जा सकता है। जिसे सुनने की इच्छा बरसों से है, उसे फोन किया जा सकता है। हम पूरे जीवन के लिए एक अनुकूल दिन चाहते हैं। जीवन थोड़ी-सी जगह आज मांगता है। रसोई में सिंकती रोटी, पुराने संदूक से निकलती चिट्ठी, सर्दियों की धूप में रखी कुर्सी- इन सबके पास हमें देने के लिए कुछ है। मगर हमारी दृष्टि बड़ी घटनाओं की अभ्यस्त हो गई है। एक वृद्ध को प्रतिदिन घर के बाहर रखे टूटे गमले में पानी देते देखा था। उसमें तुलसी अपने आप उग आई थी। उन्होंने बताया- 'किसी ने लगाई नहीं। अब आ गई है, तो संभाल लेते हैं।' कहते समय उनके चेहरे पर जो तृप्ति थी, उसमें साथ निभाने का सुख था। जीना सीखने का एक अर्थ अपनी संवेदना को बचाए रखना भी है। फूल देखकर रुक सकें, किसी की थकान पहचान सकें, बच्चे की अधूरी कहानी सुन सकें। संसार की सुंदरता बहुत बार धीमी आवाज में पुकारती है। उसे सुनने के लिए भीतर का शोर कुछ कम करना पड़ता है।

हर घर में कुछ अदृश्य कुर्सियां होती हैं। एक पर पिता का इंतजार बैठा रहता है, दूसरी पर मां की बातचीत, तीसरी पर किसी पुराने मित्र की शिकायत। हम आते-जाते उन्हें देखते हैं और सोचते हैं- कभी फुरसत से बैठेंगे। फिर एक दिन सचमुच कुर्सी खाली हो जाती है। उसके बाद स्मृतियां छोटी-छोटी बातों को बड़ा बना देती हैं। याद आता है कि उन्होंने साथ चाय पीने को कहा था। कोई पुरानी घटना सुनानी चाही थी। मनुष्य की अनुपस्थिति उसके साधारण आग्रहों को भी कितना गहरा कर देती है! किसी बुजुर्ग के साथ अस्पताल की बेंच पर बैठे रहना, जीवनसाथी की बात बीच में काटे बिना सुनना, मित्र की आवाज में छिपी उदासी पहचान लेना- यहीं संबंधों की वास्तविक भाषा बनती है। जिन्हें हम अपना कहते हैं, उनके लिए हमारे पास समय भी होना चाहिए। केवल उनके सुख की व्यवस्था कर देना पर्याप्त नहीं। कभी-कभी उन्हें हमारी उपस्थिति चाहिए होती है- बिना घड़ी देखने की बेचैनी के, बिना किसी अगले काम की छाया के।

कई संबंध किसी बड़े अपराध से नहीं टूटते। उनके बीच एक छोटा-सा वाक्य अटक जाता है- पहले वह बोले। जिस बात को एक शाम की बातचीत सुलझा सकती थी, उसे वर्षों की चुप्पी विरासत बना देती है। अहंकार का विचित्र स्वभाव है। वह हमें जीत का आश्वासन देता है और बदले में आत्मीयता ले लेता है। हम अपने तर्कों की रक्षा करते रहते हैं, जबकि भीतर कहीं किसी परिचित आवाज को सुनने की इच्छा बनी रहती है। कुछ दूरियां अपनी गरिमा और सुरक्षा के लिए आवश्यक होती हैं। पर जहां केवल रूठने की धूल जमी हो, वहां एक बार खिड़की खोलने में क्या हानि है? जीवन में शोक भी है, असफलता या फिर बीमारी भी। ऐसे समय मन को उपदेश से अधिक सहारे की आवश्यकता होती है। जिसने अपना प्रिय खोया है, उसके सामने संसार कुछ समय तक अपरिचित बना रहता है। बाजार खुलता है, दूध आता है, अखबार दरवाजे पर गिरता है। उसे आश्चर्य होता है कि इतना कुछ घट जाने के बाद भी सब पहले जैसा कैसे चल रहा है। धीरे-धीरे वही साधारण क्रम उसे जीवन से फिर जोड़ता है। कोई पड़ोसी भोजन रख जाता है। कोई बिना समझाए पास बैठता है। किसी दिन खिड़की के बाहर का पेड़ फिर दिखाई देने लगता है। दुख से गुजरने की अपनी गति होती है। आंसू को समय देना, सहायता स्वीकार करना और आवश्यकता पड़ने पर उपचार लेना भी जीवन के प्रति जिम्मेदारी है। बहुत बार जीना सीखना इतना ही होता है कि आज का दिन किसी तरह पार कर लें और कल के लिए भीतर थोड़ी जगह बची रहने दें।

इंडिया-जापान 2प्लस 2 डायलाग्स बेहद सफल रहा, अब ड्रैगन की मनमानी पर लगेगी लगाम

जापान 2027 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक पड़ाव से पहले टोक्यो की 2+2 वार्ता ने दोनों देशों के रिश्तों को एक नई सामरिक दिशा दे दी है। बहरहाल, संदेश बिल्कुल स्पष्ट है। हिंद-प्रशांत में अब शक्ति संतुलन केवल चीन की सैन्य क्षमता से तय नहीं होगा। भारत की भौगोलिक स्थिति, नौसैनिक ताकत, रक्षा उत्पादन क्षमता और जापान की अत्याधुनिक तकनीक मिलकर एक ऐसा रणनीतिक विकल्प तैयार कर रहे हैं, जिसकी अनदेखी बीजिंग के लिए आसान नहीं ...

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि टोक्यो में आयोजित इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को ठोस परिणामों में बदलने पर जोर दिया। खासतौर पर जापान की अत्याधुनिक तकनीक और भारत की औद्योगिक उत्पादन क्षमता को एक साथ जोड़ने की रणनीति महत्वपूर्ण है।

टोक्यो में भारत और जापान के बीच हुई 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की बदलती सामरिक तस्वीर में एक नया संदेश दे दिया है। दोनों देशों ने रक्षा सहयोग, अत्याधुनिक सैन्य तकनीक, नौसैनिक सुरक्षा और रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाई पर ले जाने का जो संकल्प दिखाया है, वह चीन की बढ़ती सैन्य महत्वाकांक्षाओं के बीच बेहद अहम माना जा रहा है। दुनिया देख रही है कि भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति संतुलन को प्रभावित करने वाली मजबूत रणनीतिक ताकत के रूप में उभर रहे हैं। इस बैठक से साफ हो गया है कि भारत अपनी कूटनीतिक सूझबूझ और सामरिक क्षमता के दम पर हिंद-प्रशांत में अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है और जापान के साथ मिलकर चीन के लिए नई रणनीतिक चुनौतियां खड़ी करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि टोक्यो में आयोजित इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को ठोस परिणामों में बदलने पर जोर दिया। खासतौर पर जापान की अत्याधुनिक तकनीक और भारत की औद्योगिक उत्पादन क्षमता को एक साथ जोड़ने की रणनीति महत्वपूर्ण है। दोनों देशों ने डिजाइन विथ जापान,मैक इन इंडिया' के तहत रक्षा विनिर्माण सहयोग को गति देने पर सहमति जताई



है। इसका अर्थ है कि भारत केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं रहेगा, बल्कि अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के विकास और उत्पादन में भी बड़ी भूमिका निभाएगा।

इस वार्ता का एक बड़ा परिणाम निकोरन परियोजना से जुड़े रक्षा समझौतों को जल्द पूरा करने की प्रतिबद्धता है। यह जहाजों पर इस्तेमाल होने वाली एकीकृत संचार एंटीना प्रणाली है। इसके अलावा दोनों देश नौसैनिक जहाजों के डिजाइन और निर्माण, समुद्र के भीतर निगरानी, मिसाइल तकनीक और पानी के नीचे इस्तेमाल होने वाली रक्षा प्रणालियों में सहयोग बढ़ाएंगे। भारत और जापान ने एक-दूसरे के नौसैनिक जहाजों की मरम्मत और रखरखाव की सुविधाओं का इस्तेमाल करने की दिशा में भी तेजी लाने का फैसला किया है।

देखा जाये तो समुद्री सुरक्षा के मोर्चे पर यह साझेदारी चीन के लिए विशेष महत्व रखती है। हिंद महासागर से लेकर दक्षिण चीन सागर तक समुद्री व्यापारिक मार्गों पर चीन की बढ़ती सक्रियता लंबे समय से क्षेत्रीय देशों की चिंता का विषय रही है। भारत हिंद महासागर में एक प्रमुख सामरिक शक्ति है, जबकि जापान पूर्वी एशिया और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री क्षमता रखता है। दोनों देशों के बीच समुद्री सूचनाओं का आदान-प्रदान, मेरीटाइम डोमन अवरनेस , संयुक्त नौसैनिक अभ्यास और माइन काउंटरमेजर्स क्षमता बढ़ाने का फैसला एक-दूसरे की सामरिक ताकत को जोड़ने जैसा है। इससे चीन के लिए समुद्री क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को बिना निगरानी के आगे बढ़ाना पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

साथ ही जापानी मीडिया की रिपोर्टिंग में भी इस घटनाक्रम का चीन से जुड़ा रणनीतिक पहलू साफ दिखाई देता है। जापानी समाचार एजेंसी जिजी प्रेस की रिपोर्ट में 2+2 वार्ता के एजेंडे में चीन और उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर विचार-विमर्श को प्रमुखता दी गई है। वहीं जापान के विदेश मंत्रालय ने मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत तथा आर्थिक सुरक्षा को दोनों देशों के सहयोग के महत्वपूर्ण आधार के रूप में रेखांकित किया है। जापानी मीडिया के इस रुख से स्पष्ट है कि टोक्यो भारत को केवल एक बड़े बाजार या आर्थिक साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि एशिया के सामरिक शक्ति संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले देश के रूप में देख रहा है।

साथ ही पश्चिमी मीडिया का विश्लेषण भी इस साझेदारी की अहमियत समझने के लिए महत्वपूर्ण है। पश्चिमी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव, ताइवान के मुद्दे पर टकराव और चीन द्वारा जापान के खिलाफ महत्वपूर्ण खनिजों तथा दोहरे इस्तेमाल वाली तकनीक के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लेख किया है। ऐसे माहौल में भारत के साथ जापान का रक्षा और तकनीकी सहयोग उसकी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वार्ता के बाद स्पष्ट किया है कि भारत-जापान सहयोग का व्यापक उद्देश्य बहुध्रुवीय एशिया और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पुरानी रणनीतिक धारणाएं अब बदल रही हैं और देशों को अपनी सुरक्षा तथा वैश्विक हितों के लिए अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यह बयान भारत की बदलती कूटनीतिक सोच को दर्शाता है। दरअसल, भारत किसी एक शक्ति के पीछे खड़ा होने के बजाय अपने हितों के अनुरूप विभिन्न देशों के साथ मजबूत रणनीतिक साझेदारियां विकसित कर रहा है।

साथ ही सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत-जापान रक्षा सहयोग अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। जापानी लड़ाकू विमानों की पहली बार भारत में वीर गार्जियन 2026 सैन्य अभ्यास में भागीदारी, रक्षा उद्योग मंच की बैठक और तीनों सेनाओं के संयुक्त अभ्यासों को अधिक व्यापक बनाने की पहल इस साझेदारी को वास्तविक सैन्य क्षमता में बदल रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत और जापान 2027 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक पड़ाव से पहले टोक्यो की 2+2 वार्ता ने दोनों देशों के रिश्तों को एक नई सामरिक दिशा दे दी है। बहरहाल, संदेश बिल्कुल स्पष्ट है। हिंद-प्रशांत में अब शक्ति संतुलन केवल चीन की सैन्य क्षमता से तय नहीं होगा। भारत की भौगोलिक स्थिति, नौसैनिक ताकत, रक्षा उत्पादन क्षमता और जापान की अत्याधुनिक तकनीक मिलकर एक ऐसा रणनीतिक विकल्प तैयार कर रहे हैं, जिसकी अनदेखी बीजिंग के लिए आसान नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की कूटनीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए दुनिया की प्रमुख शक्तियों को भारत के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी के लिए जोड़ रहा है। टोक्यो की यह बैठक उसी दूरदर्शी कूटनीति का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बागपत के हरियाखेड़ा में बाल विवाह के खिलाफ निकाला कैंडल मार्च, 49 महिलाओं ने ली रोकने की शपथ

ग्रामीण समाज विकास केंद्र और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संयुक्त अभियान में महिलाओं ने लिया बाल विवाह मुक्त गांव बनाने का संकल्प, 27 नवंबर को भी जागरूकता गतिविधियों में भाग लेने की अपील



बागपत, 20 नवंबर। जनपद के विकास खंड पिलाना के ग्राम हरियाखेड़ा में बाल विवाह के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान के तहत कैंडल मार्च और शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीण समाज विकास केंद्र (GSVK) ने सहयोगी संस्था जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें ग्राम प्रधान निर्मल और समूह सखी कोमल सहित कुल 49 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह के दुष्परिणामों के साथ बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई। महिलाओं को बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के बचपन और शिक्षा को प्रभावित करने के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य में भी बाधा बनता है। इस सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है।

कैंडल मार्च निकालकर दिया जागरूकता का संदेश

महिलाओं ने गांव में कैंडल मार्च निकालकर ग्रामीणों को बाल विवाह के खिलाफ एकजुट होने का संदेश दिया। इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों ने शपथ ली कि वे अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों में बाल विवाह नहीं होने देंगी। किसी भी संभावित बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना देने का भी संकल्प लिया।

27 नवंबर को भी चलेंगी जागरूकता गतिविधियां

कार्यक्रम में महिलाओं को आगामी 27 नवंबर को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय दिवस–बाल, प्रारंभिक एवं जबरन विवाह उन्मूलन के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि इस दिवस का उद्देश्य बाल विवाह और जबरन विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाना तथा बच्चों, विशेषकर बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना है। इसके साथ ही प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन का अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

आयोजकों ने ग्रामीण महिलाओं से अपील की कि वे 27 नवंबर को अपने गांव, विद्यालय और समुदायों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करें और इस अभियान को जन आंदोलन बनाने में सहयोग दें।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्रामीण समाज विकास केंद्र की ओर से जिला समन्वयक अमित कुमार और सीएस-डब्ल्यू प्रिंस मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। संस्था ने आमजन से बाल विवाह रोकने के लिए आगे आने, बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता देने और बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

कल्याणकारी कन्या इंटर कॉलेज में बाल सुरक्षा और महिला अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम, छात्राओं ने बाल विवाह के खिलाफ ली शपथ

ग्रामीण समाज विकास केंद्र और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन की पहल पर आयोजित कार्यक्रम में बाल श्रम, बाल विवाह और बच्चों की सुरक्षा को लेकर किया जागरूक



मुजफ्फरनगर। जग्गाहेड़ी स्थित कल्याणकारी कन्या इंटर कॉलेज में बच्चों की सुरक्षा, बाल श्रम, बाल विवाह और महिलाओं के अधिकारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीण समाज विकास केंद्र और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के संयुक्त प्रयास से हुए इस कार्यक्रम में छात्राओं को उनके अधिकारों और सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को बाल विवाह न करने और अपने आसपास होने वाले बाल विवाह के मामलों के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाई गई। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और उनके सर्वांगीण विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसके साथ ही बाल श्रम को रोकने और बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। बच्चों की सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी ग्रामीण समाज विकास केंद्र के सचिव मेहर चंद ने बताया कि बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें शोषण तथा सामाजिक कुरीतियों से बचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह और बाल श्रम जैसी समस्याओं को केवल कानून के माध्यम से समाप्त नहीं किया जा सकता, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों और ग्रामीणों से अपील की कि वे बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता दें और बाल विवाह या बाल श्रम जैसी किसी भी घटना की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। कार्यक्रम में छात्राओं को महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान के प्रति भी जागरूक किया गया। आयोजकों ने कहा कि जागरूकता और सामूहिक प्रयासों से ही बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा सकता है तथा बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

ललित मोहन शर्मा के मनोनयन पर शिवसैनिकों में खुशी की लहर, पगड़ी पहनाकर किया भव्य अभिनंदन

आयुष मंत्रालय में सदस्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर प्रदेश कार्यालय में हुआ सम्मान समारोह, बिट्टू सिखेड़ा बोले- एकनाथ शिंदे ने शिवसैनिकों के मान-सम्मान और स्वाभिमान को नई पहचान दी



मुजफ्फरनगर। केंद्रीय नेतृत्व द्वारा ललित मोहन शर्मा को आयुष मंत्रालय में सदस्य मनोनीत किए जाने पर शिवसेना पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष और उत्साह का माहौल है। इस उपलब्धि को संगठन के सम्मान और कार्यकर्ताओं के बढ़ते राजनीतिक कद से जोड़कर देखते हुए शनिवार को प्रदेश कार्यालय पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिवसेना के प्रदेश महासचिव बिट्टू सिखेड़ा एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के जिलाध्यक्ष ब्रजवीर सिंह ने ललित मोहन शर्मा को पगड़ी पहनाकर एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह को संबोधित करते हुए शिवसेना के प्रदेश महासचिव बिट्टू सिखेड़ा ने भावुक अंदाज में कहा कि यह केवल एक मनोनयन नहीं, बल्कि शिवसैनिकों के सम्मान, स्वाभिमान और संगठन के प्रति वर्षों से किए जा रहे समर्पण को मिली नई पहचान है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के पक्ष प्रमुख एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जिस तरह शिवसैनिकों की भावनाओं को समझते हुए उन्हें सम्मान और आगे बढ़ने के अवसर दिए हैं, वह अपने आप में सराहनीय है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी शिवसैनिकों को नई पहचान और राजनीतिक सम्मान मिलने से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। बिट्टू सिखेड़ा ने कहा कि कभी ऐसा समय भी था, जब पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शिवसैनिकों को उनकी मेहनत और निष्ठा के अनुरूप राजनीतिक सम्मान नहीं मिल पाता था, लेकिन आज परिस्थितियां बदल रही हैं। एकनाथ शिंदे ने साबित किया है कि संगठन का असली आधार उसका समर्पित कार्यकर्ता होता है। वे अपने कार्यकर्ताओं का मान-सम्मान बनाए रखने के साथ उन्हें आगे बढ़ाने का भी पूरा ध्यान रखते हैं। यही वजह है कि आज प्रत्येक शिवसैनिक अपने नेतृत्व पर गर्व महसूस करता है। उन्होंने कहा कि शिवसैनिकों का सम्मान ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है और इस सम्मान को बनाए रखने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर सुभासपा जिलाध्यक्ष ब्रजवीर सिंह ने भी ललित मोहन शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि आयुष मंत्रालय में सदस्य के रूप में मिली जिम्मेदारी उनके अनुभव और सामाजिक योगदान को नई दिशा देने का अवसर है।

अवैध तमंचे और कारतूस के साथ 21 वर्षीय युवक गिरफ्तार, मंसूरपुर पुलिस की कार्रवाई

हुसैनपुर बोपाड़ा के शराब ठेके के पास से पकड़ा गया आरोपी, पॉक्सो एक्ट सहित पहले से दर्ज हैं दो मुकदमें



मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर पुलिस ने अपराधों की रोकथाम और संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को अवैध तमंचे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार,गिरफ्तार आरोपी की पहचान नावेद पुत्र हाकम निवासी गांव गढ़ी, थाना जानसठ,जनपद मुजफ्फरनगर,उम्र करीब 21 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी को हुसैनपुर बोपाड़ा स्थित शराब के ठेके के पास से गिरफ्तार किया।

मामले में थाना मंसूरपुर पर मुकदमा अपराध संख्या 354/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ थाना मंसूरपुर में पूर्व में मुकदमा अपराध संख्या 326/2026 धारा 74 बीएनएस एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज है।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विपिन कुमार त्यागी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अभिषेक गुप्ता,हेड कांस्टेबल राजीव भारद्वाज और कांस्टेबल सुहेल खान मौजूद रहे।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में प्रकाश पर्व उत्साह के साथ मनाया



मुजफ्फरनगर। जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर में गुरु नानक देवजी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर विद्यार्थियों ने श्रद्धा, उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरुद्वारे का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने सिख धर्म की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं एवं पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने विद्यालय में आयोजित प्रभात फेरी में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और गुरु नानक देव जी के संदेशों को सभी तक पहुँचाने का प्रयास किया। इसके साथ ही बच्चों ने लंगर सेवा में सहभागिता कर निःस्वार्थ सेवा, समानता और आपसी भाईचारे का महत्व समझा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को गुरु नानक देव जी की प्रमुख शिक्षाओं–नाम जपो, किरत करो और वंड छको अर्थात ईश्वर का स्मरण करो, ईमानदारी से मेहनत करो और मिल-बाँटकर खाओ–से परिचित कराया गया। बच्चों ने यह भी जाना कि सभी मनुष्य समान हैं और प्रेम, विनम्रता, सेवा एवं मानवता ही सच्चे जीवन के आधार हैं।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अनुभव विद्यार्थियों में आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं और उन्हें अपनी संस्कृति एवं महान गुरुओं की शिक्षाओं से जोड़ते हैं। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव रहा, जिसने उन्हें सेवा, सद्भावना और मानवता के मार्ग पर चलने की सीख दी।

देवउठनी एकादशी की पूर्व संध्या पर अष्टादश श्लोकी गीतापाठ का आयोजन हुआ



मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के सचिव अतुल कुमार गर्ग ने बताया कि

पावन कार्तिक मास मे किये जा रहे गीतापाठ के क्रम मे गीतापाठ श्रीमद्भागवत महापुराण कथा व्यास आचार्य पं होतीलाल शर्मा ने गोवर्धन पर्वत का पौराणिक महत्व समझाया,तदुपरांत अतुल गर्ग द्वारा ओम नमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र का जाप,अष्टादश श्लोकी गीतापाठ श्रद्धा भावपूर्वक कराया गया तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबीर सिंह ने बताया कि नियमित गीता पाठ हमारे जीवन को बेहतर दिशा में ले जाने में सहायक होता है, तथा घर-घर गीता,हर-घर गीता' के निमित्त गीतापाठ के पत्रक भी भेंट किए। कथा श्रवण तथा गीतापाठ मे एड आर के मलिक,अतुल गर्ग, रामबीर सिंह,राजेश वर्मा, विपिन गुप्ता,अजय गर्ग, सोनिया सिंह,दीपाली कौशिक, रजनी,संजीव वर्मा,शुभम वत्स,अशोक कुमार गुप्ता,देवेन्द्र शर्मा, महेन्द्र रावत तथा सहयोगी संस्थाओ के सदस्यो तथा बडी संख्या मे स्थानीय श्रद्धालुजन एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर के दो युवकों से गढ़ गंगा मेले में लूटपाट व मारपीट: बाइक और मोबाइल लेकर फरार हुए बदमाश, पुलिस की सुरक्षा पर उठे सवाल

गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक गंगा मेले में बेखौफ बदमाशों ने सुरक्षा व्यवस्था को ठेंगा दिखाकर की वारदात,मेला कोतवाली में दी तहरीर



मुजफ्फरनगर/गढ़मुक्तेश्वर। गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक गंगा मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ढाई हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती और व्यापक सुरक्षा इंतजामों के दावों के बीच बाइक और मोबाइल लूटने की घटना सामने आई है। आरोप है कि मेरठ सेक्टर की तरफ शौच के लिए गए दो युवकों को बदमाशों ने घेरकर मारपीट की और उनकी बाइक तथा मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पीड़ितों ने परिवार के सदस्यों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिजनों ने शुक्रवार को कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई के लिए तहरीर दी। घटना से मेले में डेरा डाले श्रद्धालुओं में नाराजगी है। मुजफ्फरनगर जनपद के गांव अहरोड़ा निवासी सोनू ने बताया कि उनका परिवार काफी समय से गंगा मेले में डेरा डाले हुए है। शुक्रवार शाम को उनका भतीजा लवि बाइक से परिवार के सदस्यों से मिलने मेला स्थल पर पहुंचा था। कुछ समय बाद वह शौच के लिए बाइक लेकर मेले में मेरठ सेक्टर की तरफ चला गया। उसके साथ एक अन्य साथी भी मौजूद था। आरोप है कि इसी दौरान वहां कुछ बदमाशों ने दोनों युवकों को घेर लिया। उनके साथ मारपीट की गई और बाइक तथा मोबाइल फोन लूटकर आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद दोनों युवक किसी तरह वापस परिवार के पास पहुंचे और आपबीती सुनाई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्यों में रोष फैल गया। परिजनों ने शुक्रवार को कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पीड़ित परिवार का कहना है कि धार्मिक मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, इसके बावजूद इस तरह की वारदात होना चिंता का विषय है। कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले में लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। मेले में ढाई हजार से अधिक पुलिसकर्मियों और विभिन्न थानों की फोर्स तैनात की गई है। इसके बावजूद मेला क्षेत्र में युवकों के साथ मारपीट कर बाइक और मोबाइल लूटने के आरोप ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि मेला क्षेत्र के सभी सेक्टरों और विशेषकर सुनसान रास्तों पर पुलिस की निगरानी जरूरी है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी डर के धार्मिक आयोजन में शामिल हो सकें।

सनातन धर्म कॉलेज में भारत बौद्धिक्स राष्ट्रीय परीक्षा का आयोजन



मुजफ्फरनगर । सनातन धर्म कॉलेज, मुजफ्फरनगर में प्राचार्य प्रो. सुधीर कुमार पुण्डीर के निर्देशन में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान एवं दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित राष्ट्रीय स्तर की भारत बौद्धिक्स परीक्षा का आयोजन किया गया जिसके समन्वयक डॉ. पीयूष शर्मा, जन्तु-विज्ञान विभाग, सनातन धर्म कॉलेज रहे ' पश्चिमी उत्तर-प्रदेश में इस परीक्षा (भारत बौद्धिक्स) के सबसे बड़े केंद्र के रूप में सनातन धर्म कॉलेज ने पूर्ण शुचिता के साथ इस परीक्षा का आयोजन कराया और सभी विद्यार्थियों को परीक्षा में भाग लेने का प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया ' इस अवसर पर भारतीय ज्ञान परम्परा समिति के समन्वयक डॉ. प्रमोद कुमार मिश्र ने बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित इस अति महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को राष्ट्रीय स्तर पर एक लाख रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को राष्ट्रीय स्तर पर पचास हजार रुपए, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को राष्ट्रीय स्तर पर पच्चीस हजार रुपए का पुरस्कार दिया जायेगा ' इसके अलावा राज्य स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले पाँच विद्यार्थियों को पाँच-पाँच हजार रुपए एवं कॉलेज स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले प्रथम पाँच विद्यार्थियों को दो हजार पाँच सौ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जायेगा '

इस राष्ट्रीय परीक्षा को सफल, सुचारु एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित कराने में प्रो. शुचि अग्रवाल, डॉ. अरविन पँवार, डॉ. निशा चौहान, डॉ. मुहम्मद सलीम, धीरज गिरिधर, डॉ. अनूप पटेल एवं डॉ. अंशुल शर्मा आदि का विशेष योगदान रहा '

रंग संसार

सलमान खान ने श्रद्धा कपूर को फोन करके क्यों मांगी माफी? 'भाईजान' से अंजाने में हुई बड़ी भूल



नई दिल्ली। सलमान खान ने अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमि' और श्रद्धा कपूर की 'ईथा' 4 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर टकराने के लिए तैयार है। इस महाक्लैश पर जब सलमान खान से पूछा गया कि उन्हें कैसा लग रहा है? तो 'भाईजान' ने एक दिलचस्प बात का खुलासा कर दिया। सलमान ने श्रद्धा कपूर के फोन करके मांगी माफीसलमान खान ने कहा कि अगर उन्हें श्रद्धा कपूर की फिल्म के बारे में पहले से पता होता, तो वे इस टकराव से बचते। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने खुद एक्ट्रेस को फोन करके माफी मांगी और उनके प्रोजेक्ट को अपना समर्थन देने की बात कही।ईथा के साथ टकराव पर सलमान एबीपी को दिए इंटरव्यू में सलमान ने माना कि अगर उन्हें श्रद्धा की फिल्म के बारे में पता होता, तो वे 4 दिसंबर को अपनी फिल्म रिलीज करने से बचते। सलमान ने कहा, 'जब हमने 4 दिसंबर की तारीख घोषित की, तो मुझे नहीं पता था कि उसी दिन श्रद्धा की फिल्म भी आ रही है। मुझे इस बात का बहुत बुरा लग रहा है। अगर मुझे पता होता, तो मैं श्रद्धा की फिल्म के साथ अपनी फिल्म रिलीज नहीं करता'।सलमान को हुआ अफसोस अभिनेता ने आगे बताया कि उन्होंने श्रद्धा से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करके माफी मांगी। सलमान ने कहा, 'मैंने उससे बात की, उसे फोन किया। मैंने उसे बचपन से बड़ा होते देखा है। मैंने उससे कहा, 'मुझे सच में बहुत अफसोस है, मुझे पता नहीं था।' सलमान ने बताया कि अभिनेत्री ने उनसे कहा, 'नहीं-नहीं सर, दोनों फिल्मों के रिलीज होने के लिए काफी जगह है'। इस पर सलमान ने जवाब दिया, 'बहुत बढ़िया, मुझे खुशी है'।

राज काज

ट्रंप के बाद कौन होगा अमेरिका का राष्ट्रपति? वेंस और रूबियो के साथ रेस में शामिल हुआ तीसरा नाम

वाशिंगटन। अमेरिका में 2028 में राष्ट्रपति पद के चुनाव होने हैं और इसे ही देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी में अपने उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा तेज कर दी है। ट्रंप ने आज शुक्रवार को अमेरिका के अगले राष्ट्रपति की रेस में एक और दावेदार को शामिल कर दिया है। ट्रंप की ये बात सुनकर उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रूबियो हैरान रह गए। ट्रंप ने बताया अगले राष्ट्रपति उम्मीदवार का नाम ट्रंप से जब 2028 के संभावित उम्मीदवार के बारे में पूछा गया, तो ट्रंप ने मजाक में व्हाइट हाउस के सहयोगी स्टीफन मिलर से पूछा कि क्या वह राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना चाहते हैं। यह टिप्पणी ट्रंप की हालिया एशिया यात्रा पर आयोजित एक व्हाइट हाउस प्रेस ब्रीफिंग के दौरान आई। इस मौके पर जेडी वेंस और रुबियो भी मौजूद थे, जिन्हें 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के संभावित दावेदारों के रूप में देखा जा रहा है।इस व्हाइट हाउस प्रेस ब्रीफिंग में मिलर ने ट्रंप के कार्यकाल की जमकर तारीफ की, जिसके बाद ट्रम्प ने वेंस और रुबियो की ओर इशारा करते हुए कहा, 'वह इन दोनों से बेहतर थे। क्या आप राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना चाहते हैं?'इस घटना ने इस बात को लेकर चल रही अटकलों में एक नया मोड़ ला दिया है कि ट्रंप के बाद कौन उनका उत्तराधिकारी बन सकता है। मिलर को मंच पर बुलाने से पहले, ट्रम्प ने उन्हें इस कमरे में मौजूद दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बताया। इसके बाद मिलर ने ट्रंप के कामकाज का जोरदार बचाव करते हुए दावा किया कि किसी भी अन्य राष्ट्रपति ने दो साल में इतनी उपलब्धियां हासिल नहीं की हैं। मिलर ने कहा, 'मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले दो वर्षों में जो हासिल किया है, वह अमेरिकी इतिहास में किसी भी अन्य राष्ट्रपति की उपलब्धियों से कहीं अधिक है!'

मिलर ने भविष्यवाणी करते हुए कहा, 'अगले दो साल अमेरिकी इतिहास के सबसे बेहतरीन दो साल होने वाले हैं!' मिलर की यह टिप्पणी तब आई जब वेंस और रुबियो लगभग 90 मिनट तक चली इस ब्रीफिंग के दौरान ट्रंप के पीछे खड़े थे।

दैनिक राशिफल रविवार 22 नवम्बर 2026

मेष – मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा।

वृष – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें।

मिथुन : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है।

कर्क – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ड़े में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा।

सिंह– मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

कन्या – अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

तुला – अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

वृश्चिक – पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

धनु – कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ।

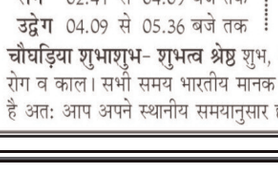
मकर – आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

कुंभ – खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है।

मीन – जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

दैनिक पंचांग

22 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	मेष में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
धनु	08.13 बजे से
मकर	10.18 बजे से
कुंभ	12.05 बजे से
मीन	13.37 बजे से
मेष	15.08 बजे से
वृष	16.48 बजे से
मिथुन	18.46 बजे से
कर्क	21.00 बजे से
सिंह	23.16 बजे से
कन्या	01.28 बजे से
तुला	03.38 बजे से
वृश्चिक	05.53 ब.से

रविवार 2026 वर्ष का 326 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 02.38 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 04.16 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्यतीपात 23.30 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.52 बजे तदनन्तर तैतिल 02.38 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 20° 05' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872901 **जूलियन दिन** 2461366.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 11 **विशेष** विश्वेश्वर व्रत, रवि प्रदोष व्रत, वीर दुर्गादास राठौर पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11

शुकतीर्थ के शुकदेव आश्रम पहुंचे रूसी मेहमान: संतों का वेश धारण कर भारतीय अध्यात्म के प्रति जताई श्रद्धा, स्वामी ओमानंद महाराज ने दिया आशीर्वाद

रूस के साइबेरिया क्षेत्र से आए दस सदस्यीय दल ने तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में दर्शन कर जताई श्रद्धा, भेंट किया शुकतीर्थ के इतिहास का अंग्रेजी ग्रंथ

मोरना (मुजफ्फरनगर)। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ की आध्यात्मिक ख्याति अब सात समंदर पार विदेशों तक पहुंच रही है। इसी कड़ी में रूस से आए विदेशी मेहमानों के एक दल ने प्रसिद्ध श्री शुकदेव आश्रम पहुंचकर मंदिरों में दर्शन किए और भारतीय संस्कृति व सनातन अध्यात्म के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा प्रकट की। इस दौरान सभी विदेशी मेहमानों ने पारंपरिक संतों का वेश धारण कर भारतीय परंपराओं के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया।



साइबेरिया के बरनौल शहर से आया दल

रूस के साइबेरिया क्षेत्र अंतर्गत बरनौल शहर से आए एलेना रेडियूगीना, पावेल पुगाच, एंटोन मुराउसकास, सोफिया मुराउसकेने, ओल्गा पुगाच, वादिम बोइको, सर्गेई माल्त्सेव, अलेक्सी डोब्रोवोल्स्की, एल्डार सैनिन और अन्ना सेलिवानोवा ने भारत यात्रा पर बेहद प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि भारत का आध्यात्मिक वातावरण, शांति और प्राचीन मंदिरों की परंपराएं उन्हें गहराई से आकर्षित कर रही हैं। दल के सदस्यों ने भारत के अनेक प्रमुख मंदिरों के दर्शन किए और अपनी इस यादगार यात्रा के पलों को तस्वीरों में संजोया। संतों का वेश धारण करने के अनुभव को उन्होंने जीवन का बेहद सुखद और अविस्मरणीय क्षण बताया। संवाद में दिल्ली के शिवम गुप्ता ने निभाई अहम भूमिका

विदेशी मेहमानों के इस दल के साथ दिल्ली निवासी शिवम गुप्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने दुभाषिए की भूमिका निभाते हुए भाषा संबंधी संवाद में सहयोग किया और विदेशी मेहमानों तथा आश्रम प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कराया, जिससे मेहमानों को शुकतीर्थ की महिमा समझने में आसानी हुई।

स्वामी ओमानंद महाराज ने भेंट किया शुकतीर्थ का इतिहास

इस अवसर पर श्री शुकदेव आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज ने सभी विदेशी मेहमानों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने मेहमानों को अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित 'शुकतीर्थ के इतिहास' का विशेष ग्रंथ भेंट किया, ताकि वे इस पावन तीर्थ के पौराणिक महत्व को विस्तार से जान सकें। साथ ही, स्वामी जी ने सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए प्रसाद भी वितरित किया। विदेशी मेहमानों ने आश्रम की आध्यात्मिक परंपराओं और मिले आत्मीय सत्कार के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

खतौली में पेट्रोल पंप से मंडी समिति गेट-2 तक सड़क बदहाल: गहरे गड्ढे दे रहे हादसों को न्योता, राहगीर परेशान

नपा अध्यक्ष शाहनवाज अली ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को पत्र भेजकर की तत्काल मरम्मत की मांग

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बे के व्यस्ततम मार्गों में शामिल पालीवाल पेट्रोल पंप से मंडी समिति के दूसरे गेट तक जाने वाली सड़क पूरी तरह जर्जर होकर गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। सड़क की इस बदहाल स्थिति के कारण जहां राहगीरों और वाहन चालकों का चलना दूभर हो गया है, वहीं चीनी मिल का पेराई सत्र चरम पर होने से यहां किसी भी वक्त बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। जनहित की इस गंभीर समस्या को देखते हुए नगर पालिका परिषद खतौली के अध्यक्ष शाहनवाज अली ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशासी अभियंता को पत्र भेजकर मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कराने और शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। दोपहिया चालकों पर मंडरा रहा जान का



खतरा

नवीन खतौली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर जगह-जगह जानलेवा और गहरे गड्ढे बन गए हैं। प्रतिदिन इस रास्ते से गुजरने वाले हजारों राहगीरों और वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए ये गड्ढे काल साबित हो सकते हैं, क्योंकि अचानक सामने आने वाले गड्ढों से वाहनों का संतुलन बिगड़ने और दुर्घटना होने का खतरा हर समय बना रहता है। सड़क टूटने के कारण मार्ग पर पूरे दिन धूल भरी आंधी जैसा माहौल बना रहता है, जिससे आसपास के नागरिकों और दुकानदारों का सांस लेना तक मुहाल हो गया है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान में चीनी मिल का पेराई सत्र पूरे शबाब पर है। इस कारण चौबीसों घंटे इस क्षतिग्रस्त सड़क से सैकड़ों ओवरलोड गन्ने से भरे ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां गुजरती हैं। गड्ढों में पहिया फंसने से गन्ने से लदे इन भारी वाहनों के अनियंत्रित होकर पलटने का खतरा बना हुआ है, जो किसी भी दिन बड़े जान-माल के नुकसान का सबब बन सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा इस गंभीर समस्या के निदान की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मामले की गंभीरता को समझते हुए नगर पालिका अध्यक्ष शाहनवाज अली ने अधिशासी अभियंता, पीडब्ल्यूडी मुजफ्फरनगर को पत्र प्रेषित किया है। उन्होंने पत्र में आग्रह किया है कि आमजन की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए पालीवाल पेट्रोल पंप से मंडी समिति के दूसरे गेट तक सड़क की यथाशीघ्र मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को धूल और गड्ढों की समस्या से राहत मिल सके। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि लोक निर्माण विभाग इस मामले में कितनी तत्परता दिखाता है।

मुजफ्फरनगर व पुरकाजी विधानसभा में सपा मतदाता सूची को लेकर सतर्क: सपा नेता ने बूथों पर जाकर बीएलओ से ली मतदाता अभियान की जानकारी

सपा नेता साजिद हसन ने नई वोट बनवाने के लिए लोगों को किया जागरूक, कहा- साजिश के तहत वोट काटने पर होगा बड़ा संघर्ष

मुजफ्फरनगर। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत रविवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी साजिद हसन ने 14-मुजफ्फरनगर और पुरकाजी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान स्थलों का व्यापक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बूथों पर मौजूद बीएलओ (BLO) व सुपरवाइजरों से अभियान की प्रगति जानी और स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक संख्या में नए वोट बनवाने के लिए जागरूक किया।



विभिन्न बूथों पर पहुंचकर परखी व्यवस्थाएं

सपा नेता साजिद हसन ने मुजफ्फरनगर विधानसभा क्षेत्र के मौलाना मोहम्मद अली जौहर स्कूल (सरवट रोड), कंपोजिट विद्यालय (जसवंतपुरी) तथा जनता कन्या विद्यालय (केवलपुरी) का निरीक्षण किया। इसके उपरांत उन्होंने पुरकाजी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पीआर पब्लिक स्कूल (गांधी कॉलोनी) और जय हिंद पब्लिक स्कूल (सुभाषनगर) सहित अन्य मतदान केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद बीएलओ और सुपरवाइजरों से वोटर लिस्ट व नए वोट बनाने वाले फॉर्मों की उपलब्धता की विस्तृत जानकारी ली और छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने में सहयोग करने की अपील की।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर पात्र का वोट जरूरी

मतदान केंद्रों पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए साजिद हसन ने कहा कि सभी पात्र नागरिकों के वोट बनने से ही हमारा लोकतंत्र मजबूत हो सकता है। उन्होंने मतदाताओं से आह्वान करते हुए कहा कि अपने मताधिकार के प्रति सजग रहें और अपने वोट की सुरक्षा ठीक उसी तरह करें, जिस तरह हम अपनी माल-दौलत की सुरक्षा करते हैं।

वोट काटने की साजिश बर्दाश्त नहीं करेगी सपा

साजिद हसन ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का गलत तरीके से या साजिश के तहत वोट काटा जाना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कहीं भी किसी मतदाता का नाम गलत ढंग से काटने या 'वोट चोरी' करने का प्रयास किया गया, तो समाजवादी पार्टी इसके खिलाफ सड़क पर उतरकर बड़ा संघर्ष करने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगी।

वर्ष 2018 के चोरी और धमकी के मुकदमे में जेल में बंद जाकिर को मिली जमानत

चार नवंबर से जिला कारागार में निरुद्ध है आरोपी, बचाव पक्ष ने आपराधिक इतिहास नहीं होने की दी दलील

मुजफ्फरनगर। जानसठ थाना क्षेत्र में चोरी और धमकी देने के वर्ष 2018 के मुकदमे में जेल में बंद आरोपी जाकिर को जिला एवं सत्र न्यायालय से राहत मिल गई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 की विशेष न्यायाधीश रेखा सिंह ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। अदालत ने 50-50 हजार रुपये की दो जमानत और समान धनराशि का व्यक्तिगत मुचलका दाखिल करने पर उसकी रिहाई के आदेश दिए हैं।

चार नवंबर से जिला कारागार में बंद है आरोपी

मामला जानसठ थाने में वर्ष 2018 में दर्ज चोरी और धमकी से संबंधित मुकदमे का है। इस मामले में आरोपी जाकिर चार नवंबर 2026 से जिला कारागार में निरुद्ध है। उसकी ओर से अदालत में जमानत अर्जी दाखिल कर राहत देने की मांग की गई थी।

बचाव पक्ष ने आपराधिक इतिहास नहीं होने की दी दलील

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि जाकिर चार नवंबर से जेल में बंद है और उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। अधिवक्ता ने जमानत के पक्ष में दलील देते हुए कहा कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में रखने का पर्याप्त आधार नहीं है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए।

अभियोजन ने पूर्व जमानत के दुरुपयोग का किया विरोध

वहीं, अभियोजन पक्ष ने जमानत अर्जी का विरोध किया। अभियोजन की ओर से अदालत में दलील दी गई कि आरोपी ने पूर्व में मिली जमानत का दुरुपयोग किया था। ऐसे में उसे दोबारा जमानत का लाभ नहीं दिया जाना चाहिए। दोनों पक्षों के बीच जमानत को लेकर अपनी-अपनी दलीलें पेश की गईं।

अदालत ने जमानत का पर्याप्त आधार माना

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 की विशेष न्यायाधीश रेखा सिंह ने बचाव पक्ष और अभियोजन की दलीलें सुनने के बाद मामले की पत्रावली का अवलोकन किया। इसके बाद अदालत ने जमानत का पर्याप्त आधार मानते हुए जाकिर की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। अदालत ने आदेश दिया कि आरोपी को 50-50 हजार रुपये की दो जमानत और समान धनराशि का निजी मुचलका दाखिल करने पर रिहा किया जाए। इस आदेश से वर्ष 2018 के मुकदमे में जेल में बंद जाकिर को बड़ी राहत मिली है।

छात्राओं के बयानों ने बदला मुकदमे का रुख, अपहरण और छेड़छाड़ के आरोपों से युवक बरी

पॉक्सो कोर्ट में दोनों छात्राओं ने अभियोजन की कहानी का समर्थन नहीं किया, पिता ने भी आरोपों से किया इनकार; संदेह से परे अपराध साबित नहीं होने पर अदालत ने सुनाया दोषमुक्ति का फैसला

मुजफ्फरनगर। दो नाबालिग छात्राओं को बहला-फुसलाकर बाइक पर ले जाने, उनके साथ छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोपों से घिरे युवक को अदालत ने दोषमुक्त कर दिया है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान दोनों छात्राओं ने अभियोजन पक्ष के आरोपों का समर्थन नहीं किया। उन्होंने अदालत में स्पष्ट कहा कि आरोपी उन्हें बहला-फुसलाकर नहीं ले गया था और न ही उनके साथ छेड़छाड़ की गई थी। छात्राओं के पिता ने भी प्रतिपरीक्षा के दौरान घटना के आरोपों से इनकार कर दिया। गवाहों के बयानों और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल नहीं रहा। अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या-1 के न्यायाधीश काशिफ शेख ने 19 नवंबर को शुभम त्यागी को दोषमुक्त करने का फैसला सुनाया। अभियोजन के अनुसार, मामला खतौली थाना क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा है। गांव की रहने वाली दो छात्राएं 13 मई 2023 को रोजाना की तरह स्कूल जाने के लिए अपने घरों से निकली थीं, लेकिन दोनों स्कूल नहीं पहुंचीं। काफी देर तक छात्राओं के वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान परिजनों को जानकारी मिली कि दोनों छात्राओं को शुभम कुमार और जमना विहार निवासी शुभम त्यागी बाइक पर बैठाकर ले गए हैं। छात्राओं के लापता होने और उन्हें बाइक पर ले जाने की जानकारी मिलने के बाद एक छात्रा के पिता ने खतौली थाने में शिकायत दी थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के बाद पुलिस ने शुभम त्यागी के खिलाफ अपहरण, रास्ता रोकने, जान से मारने की धमकी देने, छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। अदालत में छात्राओं ने अभियोजन के आरोपों को नहीं माना मुकदमे की सुनवाई के दौरान सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब दोनों छात्राएं अदालत में अपने बयानों से अभियोजन पक्ष के आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकीं। दोनों ने आरोपों का समर्थन नहीं किया और कहा कि आरोपी उन्हें बहला-फुसलाकर अपने साथ नहीं ले गया था।

उन्होंने अपने साथ छेड़छाड़ किए जाने की बात से भी इनकार किया। एक छात्रा ने मजिस्ट्रेट के समक्ष पहले दिए गए बयान को लेकर भी कहा कि उसने वह बयान पुलिस के दबाव में दिया था। इस प्रकार मुकदमे के दौरान दोनों छात्राओं के बयानों से अभियोजन पक्ष की ओर से लगाए गए मुख्य आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी।

सुनवाई के दौरान छात्राओं के पिता की गवाही भी महत्वपूर्ण रही। प्रतिपरीक्षा के दौरान उन्होंने भी घटना से जुड़े आरोपों का समर्थन नहीं किया। इस स्थिति में अभियोजन पक्ष के सामने आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने की चुनौती रही। अदालत ने गवाहों के बयानों और मुकदमे में प्रस्तुत साक्ष्यों का परीक्षण किया। दोनों छात्राओं और उनके पिता के बयानों सहित पूरे मामले के साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची कि अभियोजन पक्ष आरोपी के विरुद्ध लगाए गए आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल नहीं रहा। इसी आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या-1 के न्यायाधीश काशिफ शेख ने 19 नवंबर को जमना विहार निवासी शुभम त्यागी को दोषमुक्त कर दिया। अदालत के इस फैसले के साथ ही वर्ष 2023 से चल रहे इस मुकदमे में आरोपी को राहत मिल गई।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर डीएम का बड़ा एक्शन, छह अधिकारियों का वेतन रोका

नवंबर माह का वेतन आहरण रोकने के निर्देश, 12 अधिकारियों को कठोर चेतावनी; असंतुष्ट फीडबैक और खराब कार्यप्रणाली पर जिलाधिकारी ने दिखाई सख्ती

मुजफ्फरनगर। जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कड़ा रुख अपनाया है। आईजीआरएस (जनसुनवाई समाधान प्रणाली) पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण में लगातार लापरवाही तथा शिकायतकर्ताओं की ओर से मिल रहे असंतुष्ट फीडबैक को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने छह अधिकारियों के नवंबर माह के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही 12 अन्य अधिकारियों को कठोर चेतावनी जारी की गई है। जिलाधिकारी की इस कार्रवाई से विभिन्न विभागों में हड़कंप मच गया है।

छह माह की समीक्षा में सामने आई अधिकारियों की लापरवाही

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी के तहत जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह जनपद में आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। इसके बावजूद कुछ विभागों और अधिकारियों की कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा था। जिलाधिकारी ने पिछले छह माह के दौरान निस्तारित किए गए आईजीआरएस संदर्भों की विस्तृत समीक्षा की। इसमें उन अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर विशेष रूप से गौर किया गया, जिनके विभागों में शिकायतों के निस्तारण के बाद भी शिकायतकर्ताओं की ओर से अत्यधिक असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हो रहा था। समीक्षा में सामने आया कि कई मामलों में शिकायतों का निस्तारण निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है और स्थानीय स्तर पर समस्याओं का वास्तविक समाधान सुनिश्चित करने में लापरवाही बरती जा रही है। नवंबर 2026 की अब तक की असंतुष्ट फीडबैक मूल्यांकन रिपोर्ट में भी जनपद की रैंकिंग प्रतिकूल रूप से प्रभावित होने की संभावना सामने आई। विभिन्न विभागों में असंतुष्ट फीडबैक की स्थिति और शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता अपेक्षित स्तर पर नहीं मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर की।

पूर्व में निर्देश और चेतावनी दिए जाने के बावजूद जिन अधिकारियों की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं हुआ, उनके विरुद्ध सीधे वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है जिलाधिकारी के निर्देश पर जिन छह अधिकारियों का नवंबर 2026 का वेतन आहरण रोकने की कार्रवाई की गई है, उनमें उप निदेशक कृषि विभाग, चकबंदी अधिकारी सदर, जिला समाज कल्याण अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी चरथावल, सहायक विकास अधिकारी शाहपुर तथा चकबंदी अधिकारी खतौली शामिल हैं। इन अधिकारियों को पूर्व में भी आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद शिकायतों के निस्तारण और असंतुष्ट फीडबैक में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर यह कार्रवाई की गई है।

12 अधिकारियों को कठोर चेतावनी, सुधार नहीं हुआ तो होगी कार्रवाई

वेतन रोकने के साथ ही जिलाधिकारी ने 12 अन्य अधिकारियों को भी कठोर चेतावनी जारी की है। इनमें खंड विकास अधिकारी मुजफ्फरनगर, खंड विकास अधिकारी मोरना, चकबंदी अधिकारी बुढ़ाना, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला कमांडेंट, जिला क्षय रोग अधिकारी, तहसीलदार खतौली, तहसीलदार जानसठ, परियोजना अधिकारी यूपीनेडा, प्रभारी चिकित्साधिकारी/अधीक्षक पीएचसी-सीएचसी शाहपुर, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय तथा सहायक विकास अधिकारी मुजफ्फरनगर शामिल हैं। जिलाधिकारी ने इन अधिकारियों को अपनी कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाने और आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। चेतावनी के बावजूद भविष्य में शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही अथवा शिथिलता सामने आने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ और कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सिर्फ कागजों में निस्तारण नहीं, शिकायतकर्ता की संतुष्टि जरूरी

जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि आईजीआरएस शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है। इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल शिकायतों को पोर्टल पर निस्तारित दिखाना नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान कराना है।

ट्रांसफार्मर चोरी के दो अलग-अलग मामलों में जेल में बंद आरोपियों को राहत, अदालत ने मंजूर की जमानत

ट्यूबवेल से तेल और एलटी खूंटी चोरी के मामले में सुल्तान को मिली जमानत, चिंदौड़ा में 63 केवीए ट्रांसफार्मर की बाइंडिंग चोरी के आरोपी अदनान को भी राहत; दोनों मामलों में अदालत ने सुनाया फैसला

मुजफ्फरनगर। जिले में बिजली ट्रांसफार्मरों से तेल, बाइंडिंग और अन्य उपकरण चोरी करने के दो अलग-अलग मामलों में जेल में बंद आरोपियों को अदालत से राहत मिल गई है। अपर सत्र न्यायालय ने दोनों मामलों की सुनवाई के बाद आरोपियों की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। पहले मामले में ट्यूबवेल के ट्रांसफार्मर से तेल और एलटी खूंटी चोरी के आरोप में जेल में बंद सुल्तान को जमानत मिली, जबकि दूसरे मामले में चिंदौड़ा गांव में 63 केवीए के ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर उसकी बाईंडिंग और अन्य सामान चोरी करने के आरोपी अदनान की भी जमानत मंजूर हो गई। अभियोजन के अनुसार, 21 अगस्त 2026 को दीप सिंह ने तितावी थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि छह और सात अगस्त 2026 की रात अज्ञात चोरों ने ट्यूबवेल पर लगे विद्युत ट्रांसफार्मर को खंभे से नीचे गिरा दिया था। इसके बाद चोर ट्रांसफार्मर की एलटी खूंटी और उसमें भरा तेल चोरी कर ले गए थे।

मामले की जांच के दौरान सुल्तान पुत्र हामिद निवासी समर गार्डन, शहजादी कॉलोनी, लिसाड़ी गेट मेरठ को आरोपी बनाया गया था। इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से अदालत में जमानत के पक्ष में दलीलें पेश की गईं। बताया गया कि इसी मुकदमे में सह-अभियुक्त मुकीम आदि को पहले ही जमानत मिल चुकी है। मामले के तथ्यों और सह-अभियुक्तों को मिली राहत के आधार पर बचाव पक्ष ने सुल्तान को भी जमानत देने की मांग की। अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) रेखा सिंह ने सुनवाई के बाद 20 नवंबर को सुल्तान की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। दूसरा मामला जानसठ थाना क्षेत्र के गांव चिंदौड़ा का है। अभियोजन के अनुसार, 11 अक्टूबर 2026 की रात अज्ञात चोरों ने गांव में लगे 63 केवीए के विद्युत ट्रांसफार्मर को खंभे से नीचे गिराकर क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके बाद चोर ट्रांसफार्मर के अंदर लगी बाईंडिंग और अन्य सामान निकालकर ले गए। पर ट्रांसफार्मर का तेल भी बिखरा हुआ मिला था। इस घटना के संबंध में 17 अक्टूबर 2026 को जानसठ थाने में विद्युत अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

इस मामले में जेल में बंद अदनान पुत्र उस्मान निवासी मंसूरपुर की ओर से बचाव पक्ष ने अदालत में जमानत की मांग की।

बचाव पक्ष की दलील थी कि अदनान को मुकदमे में नामजद नहीं किया गया है और न ही उसके कब्जे से चोरी का कोई सामान बरामद हुआ है। इसके अलावा जेल में बिताई गई अवधि को भी जमानत के पक्ष में आधार बनाया गया। अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) रेखा सिंह ने दूसरे मामले में भी सुनवाई के बाद अदनान की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। इस तरह बिजली ट्रांसफार्मरों से तेल, बाईंडिंग और अन्य उपकरण चोरी के दो अलग-अलग मामलों में जेल में बंद दोनों आरोपियों को अदालत से जमानत मिल गई।

सीएचसी मखियाली में 108 एंबुलेंस कर्मियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण का द्वितीय बैच संपन्न

मरीजों की जान बचाने के लिए 'गोल्डन ऑवर' प्रबंधन पर दिया गया जोर; पांच जिलों के कर्मियों ने ली ट्रेनिंग

मुजफ्फरनगर। जनपद में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और रिस्पांस टाइम के साथ-साथ उपचार की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मखियाली में आयोजित 108 एवं 102 एंबुलेंस कर्मचारियों के दो दिवसीय सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय बैच सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण शिविर की खास बात यह रही कि इसमें केवल स्थानीय ही नहीं, बल्कि पश्चिम उत्तर प्रदेश के पांच महत्वपूर्ण जिलों के स्वास्थ्य प्रहरियों ने हिस्सा लिया। पांच जिलों के कर्मियों का महासंगम प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुजफ्फरनगर के अलावा शामली, बागपत, मेरठ और सहारनपुर जिलों से आए एंबुलेंस कर्मचारियों ने शिरकत की। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर पर समन्वय स्थापित करना और आपातकालीन सेवाओं के मानकों को एक समान बनाना है। लखनऊ से आए विशेषज्ञ प्रशिक्षक मुकुल और नितिन कुमार ने प्रतिभागियों को आधुनिक चिकित्सा तकनीकों और जीवन रक्षक उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गोल्डन ऑवर' और जीवन रक्षा के मंत्र



प्रशिक्षकों ने इस बात पर विशेष बल दिया कि किसी भी दुर्घटना या आपात स्थिति में 'गोल्डन ऑवर' (घटना के बाद का पहला एक घंटा) सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान मरीज को सही प्राथमिक उपचार मिल जाए, तो जान बचने की संभावना 80 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। प्रशिक्षण के मुख्य बिंदुः

सीपीआर और ट्रॉमा मैनेजमेंटःहृदय गति रुकने पर कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन सीपीआर देने की सही तकनीक और सड़क हादसों में घायल मरीजों के अंगों को सुरक्षित रखते हुए अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास कराया गया।

हार्ट अटैक और स्ट्रोकः दिल का दौरा पड़ने और ब्रेन स्ट्रोक के शुरूआती लक्षणों की पहचान और अस्पताल पहुंचने तक दी जाने वाली जीवन रक्षक दवाओं के प्रबंधन पर चर्चा की गई।

प्रसव एवं नवजात देखभालः 102 सेवा के तहत गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के सुरक्षित स्थानांतरण, प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं और नवजात की तत्काल केयर पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए।

उपकरण संचालनः ऑक्सीजन सिलेंडर का सही प्रेशर, वेंटिलेशन तकनीक और कार्डियक मॉनिटर का उपयोग कैसे किया जाए, इसका डेमो दिया गया।

फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका सबसे अहम

समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रशिक्षकों ने कहा, "एंबुलेंस कर्मचारी केवल वाहन चालक या सहायक नहीं हैं, बल्कि वे समाज के 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' हैं। डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले मरीज की जिंदगी इन्हीं के हाथों में होती है। तकनीकी रूप से दक्ष कर्मचारी ही गंभीर परिस्थितियों में सही निर्णय लेकर मौत के मुंह से मरीज को बाहर निकाल सकता है।"

क्या हैं 108 और 102 सेवाएं?

प्रशिक्षण के दौरान इन दोनों सेवाओं के अंतर और महत्ता को भी रेखांकित किया गयाः 108 सेवाःयह एक पूर्णतः निःशुल्क आपातकालीन सेवा है, जो दुर्घटना, हार्ट अटैक, जहर खाने, या किसी भी जानलेवा स्थिति में 24 घंटे उपलब्ध रहती है। 102 सेवाःयह सेवा मातृ-शिशु स्वास्थ्य के लिए समर्पित है। गर्भवती महिलाओं को घर से अस्पताल लाने और प्रसव के बाद जच्चा-बच्चा को वापस घर छोड़ने का कार्य करती है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मचारियों ने साझा किया कि इस सत्र से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उपकरणों के रख-रखाव और संचार व्यवस्था को लेकर उनकी शंकाएं दूर हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह केवल प्रथम बैच था।

यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर पुलिस और एआरटीओ का संयुक्त शिकंजा, 56 वाहनों के चालान; 66 हजार रुपये का जुमार्ना

बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले 44 चालक कार्रवाई की जद में आए, बिना सीट बेल्ट कार चलाने वाले 12 लोगों के भी काटे चालान; एसएसपी के निर्देश पर जिलेभर में यातायात नियमों के पालन को लेकर चलाया अभियान

मुजफ्फरनगर। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए मुजफ्फरनगर यातायात पुलिस और एआरटीओ विभाग ने संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान नियमों की अनदेखी कर सड़क पर वाहन दौड़ाने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 56 वाहनों के चालान किए गए। इन वाहन चालकों पर कुल 66 हजार रुपये का जुमार्ना अधिरोपित किया गया। कार्रवाई के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले 44 और बिना सीट बेल्ट लगाए चार पहिया वाहन चलाने वाले 12 चालक पकड़े गए।

एसएसपी के निर्देश पर यातायात पुलिस और एआरटीओ की संयुक्त कार्रवाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी यातायात सुभाष चन्द्रा के नेतृत्व में 21 नवंबर को यह विशेष अभियान चलाया गया। इसमें यातायात पुलिस मुजफ्फरनगर और एआरटीओ विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से सड़कों पर वाहनों की जांच की। अभियान का उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात



नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना रहा।

अभियान के दौरान सबसे अधिक कार्रवाई बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ की गई। जांच के दौरान 44 ऐसे वाहन चालक मिले, जो हेलमेट लगाए बिना ही सड़क पर वाहन चला रहे थे। यातायात पुलिस ने इनके चालान किए। अधिकारियों ने वाहन चालकों को समझाया कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटना के दौरान सिर की गंभीर चोटों से बचाव के लिए बेहद जरूरी सुरक्षा उपकरण है।

सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले 12 कार चालकों पर भी कार्रवाई

चार पहिया वाहनों की जांच के दौरान बिना सीट बेल्ट लगाए वाहन चलाने वाले 12 चालकों के चालान किए गए। अधिकारियों ने कहा कि कार चलाते समय सीट बेल्ट का इस्तेमाल करना अनिवार्य है। दुर्घटना के समय सीट बेल्ट च

रात में घरों में बिजली विभाग की कार्रवाई से भड़के किसान, भाकियू अ ने दी आंदोलन की चेतावनी

निर्धना गांव में बिना पूर्व सूचना और नोटिस के घरों में पहुंचने का आरोप, किसान नेताओं ने दिन में ग्राम प्रधान व जिम्मेदार लोगों की मौजूदगी में जांच करने की उठाई मांग

मुजफ्फरनगर। चरथावल विकासखंड के निर्धना गांव में बिजली विभाग की कथित रात्रिकालीन कार्रवाई को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना और नोटिस के रात के समय गांव में पहुंचकर घरों में घुस रहे हैं और कार्रवाई के नाम पर लोगों को परेशान कर रहे हैं। इस मामले को लेकर भारतीय किसान यूनियन अ के कार्यकताओं ने कड़ा विरोध जताते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों से अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव करने की मांग की है। किसान नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि रात के समय घरों में पहुंचकर ग्रामीणों को परेशान करने का सिलसिला बंद नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा।

रात की कार्रवाई पर उठाए सवाल, सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

भारतीय किसान यूनियन अ के ब्लॉक अध्यक्ष काला प्रधान चौकड़ा ने कहा कि निर्धना गांव में बिजली विभाग के कर्मचारियों की कथित रात की कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में असंतोष है। उनका कहना है कि बिजली विभाग को किसी भी प्रकार की जांच या कार्रवाई नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से करनी चाहिए। रात के समय बिना किसी जिम्मेदार व्यक्ति को सूचना दिए कर्मचारियों का गांव में पहुंचना और घरों में कार्रवाई करना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि गांव के प्रधान और संगठन के कार्यकताओं की ओर से भी बिजली विभाग के अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाया गया है। अधिकारियों को ग्रामीणों की नाराजगी और उनकी समस्याओं से अवगत कराया गया है।

बकाया बिल या बिजली चोरी की शिकायत है तो दिन में हो जांच



काला प्रधान चौकड़ा ने कहा कि यदि किसी किसान या ग्रामीण का बिजली बिल बकाया है अथवा बिजली चोरी की कोई शिकायत मिलती है तो विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार दिन के समय गांव में पहुंचकर जांच करनी चाहिए। जांच के दौरान ग्राम प्रधान और गांव के अन्य जिम्मेदार लोगों को भी साथ रखा जाना चाहिए, ताकि किसी प्रकार का विवाद या गलतफहमी पैदा न हो। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग को अपनी कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों की सुरक्षा, सम्मान और परिस्थितियों का भी ध्यान रखना चाहिए। बिना सूचना रात में घरों तक पहुंचने से गांव में भय और तनाव का माहौल बनता है। किसान नेता ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बिजली विभाग के कर्मचारी रात के समय बिना किसी जिम्मेदार व्यक्ति को सूचना दिए गांव में आते हैं और इस दौरान कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को बिजली संबंधी नियमों के पालन से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

भारतीय किसान यूनियन अ के कार्यकताओं ने साफ कहा कि रात में घरों में घुसकर ग्रामीणों को परेशान करने की कथित कार्रवाई बंद होनी चाहिए। यदि विभाग ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया तो संगठन किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करेगा और अधिकारियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येंद्र चौधरी ने राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर का किया औचक निरीक्षण

किशोरों के भोजन, रहन-सहन और सुविधाओं की ली जानकारी, निरुद्ध किशोरों से सीधे बातचीत कर जानी समस्याएं; व्यवस्थाओं का बारीकी से किया अवलोकन, अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में हुआ निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर में निरुद्ध किशोरों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येंद्र चौधरी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्था में रह रहे किशोरों के भोजन, रहन-सहन और उनसे संबंधित प्रकरणों की जानकारी ली। साथ ही किशोरों से बातचीत कर यह जानने का प्रयास किया कि उन्हें संस्था में किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही है। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य किशोरों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की स्थिति परखना और उनके अधिकारों एवं हितों का ध्यान रखना रहा।निरीक्षण के दौरान सचिव डॉ. सत्येंद्र चौधरी ने संस्था में निरुद्ध किशोरों से बातचीत की। उन्होंने किशोरों से उनके दैनिक जीवन, भोजन की गुणवत्ता और संस्था में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह भी पूछा कि उन्हें रहने, खाने-पीने अथवा अन्य किसी व्यवस्था को लेकर कोई समस्या तो नहीं है। किशोरों से सीधे संवाद कर उनकी परेशानियों और आवश्यकताओं को समझने का प्रयास किया गया। औचक निरीक्षण के दौरान संस्था में किशोरों को दिए जाने वाले भोजन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। सचिव ने संस्था में उपलब्ध सुविधाओं और दैनिक व्यवस्था का अवलोकन किया। इसके साथ ही किशोरों से संबंधित प्रकरणों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की, ताकि उनके मामलों और संस्था में उनकी स्थिति के संबंध में आवश्यक जानकारी मिल सके।



किशोरों के अधिकारों और सुविधाओं पर विशेष जोर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से किए गए इस निरीक्षण को किशोरों के हितों और उनके अधिकारों की निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संस्था में निरुद्ध किशोरों को नियमानुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं का समय से समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से सचिव ने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए किशोरों से संवाद किया। निरीक्षण के दौरान संस्था प्रभारी मोहित कुमार, सहायक अध्यापक राकेश कुमार, संस्था कर्मचारी प्रदीप कुमार, विपिन कुमार और सुरजीत कुमार सहित सभी सुरक्षाकर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में सचिव ने संस्था की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

सास के निधन के गम में भी बहू ने दिखाया बड़ा दिल, नेत्रदान कर दो लोगों के जीवन में जगाई रोशनी

गांधी कॉलोनी की प्रेमलता वर्मा के दोनों नेत्र किए गए दान, बहू प्रिया और बेटे शैलेंद्र सिंह ने दुख की घड़ी में लिया मानवता का प्रेरणादायी फैसला; दो दृष्टिहीन लोगों को मिल सकेगी नई रोशनी

मुजफ्फरनगर। मातृशक्ति केवल परिवार को संस्कार देने और बच्चों को सही राह दिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को नई दिशा देने और मानवता की मिसाल कायम करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। इसका भावुक और प्रेरणादायी उदाहरण गांधी कॉलोनी में देखने को मिला, जहां परिवार में बुजुर्ग महिला के निधन के बाद दुख की घड़ी में भी परिजनों ने ऐसा निर्णय लिया, जिससे दो लोगों के जीवन में उजाला आने की उम्मीद जगी है। दिवंगत प्रेमलता वर्मा के परिजनों ने उनके नेत्रदान का निर्णय लेकर मानवता और सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल पेश की।

सास के निधन के बाद बहू ने लिया मानवता का बड़ा फैसला

गांधी कॉलोनी निवासी प्रिया पत्नी शैलेंद्र सिंह समर्पित महिला शक्ति संगठन से जुड़ी हुई हैं। उनके पति शैलेंद्र सिंह भी आर्ट ऑफ लिविंग से सक्रिय रूप से जुड़े हैं। परिवार में देर रात उस समय शोक छा गया, जब प्रिया की सास श्रीमती प्रेमलता वर्मा ने अंतिम सांस ली। परिवार के लिए यह बेहद दुखद और भावुक क्षण था, लेकिन इस कठिन समय में भी प्रिया और उनके पति शैलेंद्र सिंह ने संयम और संवेदनशीलता का परिचय दिया। उन्होंने दिवंगत प्रेमलता वर्मा के नेत्रदान का निर्णय लिया और समर्पित युवा समिति के सदस्य अमित पटपटिया के



माध्यम से मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज की टीम से संपर्क किया। सूचना मिलते ही मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग की कुशल चिकित्सकीय टीम ने समय रहते पहुंचकर दोनों नेत्रों को सुरक्षित रूप से संग्रहित करने की प्रक्रिया पूरी की। इस अवसर पर मौजूद मनी पटपटिया ने जानकारी दी कि दिवंगत प्रेमलता वर्मा के दोनों नेत्र स्वस्थ हैं। इन्हें शीघ्र ही दो जरूरतमंद पात्र व्यक्तियों के प्रत्यारोपण के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इसके माध्यम से दो ऐसे लोगों के जीवन में रोशनी आने की उम्मीद है, जो दृष्टि पाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

एक मां के संसार से विदा होने के बाद उनके नेत्रों के माध्यम से दो अन्य लोगों को इस खूबसूरत दुनिया को देखने का अवसर मिलना अपने आप में बेहद भावुक और पुण्य का कार्य है। परिवार के इस निर्णय ने यह संदेश दिया कि इंसान के जाने के बाद भी उसके अंग किसी दूसरे के जीवन में खुशियां लौटा सकते हैं। समर्पित युवा समिति के सदस्य अमित पटपटिया ने शैलेंद्र सिंह और उनके परिवार के इस निर्णय की सराहना करते हुए समाज के लोगों से प्रेरणा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जीवन के बाद भी किसी दूसरे व्यक्ति को इस सुंदर दुनिया को देखने का अवसर देने का सबसे अच्छा माध्यम नेत्रदान है। नेत्रदान के माध्यम से हम किसी जरूरतमंद के जीवन से अंधकार दूर कर सकते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को इस पुनीत कार्य के प्रति जागरूक होना चाहिए और नेत्रदान के लिए आगे आना चाहिए। समर्पित महिला शक्ति संगठन से जुड़ी प्रिया ने दुख की घड़ी में जो निर्णय लिया, वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है।

सीकरी जंगल में दो बिजली ट्रांसफार्मरों से तेल और पूरी कुंडली चोरी, बिजली निगम को हजारों की चपत

मलकपुरा कृषि पोषक पर लगे 25-25 केवीए के दोनों ट्रांसफार्मरों को बनाया निशाना, 8-9 नवंबर की रात हुई वारदात; अवर अभियंता की तहरीर पर भोपा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के सीकरी जंगल में अज्ञात चोरों ने बिजली विभाग को बड़ा नुकसान पहुंचाते हुए दो विद्युत ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाया। चोर दोनों ट्रांसफार्मरों से पूरा तेल और अंदर की संपूर्ण कुंडली निकालकर चोरी कर ले गए। एक ही स्थान पर कुछ दूरी पर स्थापित दोनों ट्रांसफार्मरों में चोरी की इस वारदात से बिजली निगम को आर्थिक क्षति हुई है। मामले में विद्युत उपकेंद्र सीकरी के अवर अभियंता की तहरीर पर भोपा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एक ही रात में दो ट्रांसफार्मरों को बनाया निशाना

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र सीकरी से निर्गत 11 केवी मलकपुरा कृषि पोषक से सीकरी जंगल के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की जाती है। इसी क्षेत्र में महमूद हसन के नाम से 25 केवीए का एक विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित है। इससे कुछ दूरी पर बिलकिस पत्नी महमूद हसन के नाम से दूसरा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। आरोप है कि अज्ञात चोरों ने 8 और 9 नवंबर 2026 की मध्यरात्रि दोनों ट्रांसफार्मरों को अपना निशाना बनाया। चोरों ने ट्रांसफार्मरों से पूरा तेल और अंदर लगी संपूर्ण कुंडली निकाल ली तथा सामान लेकर फरार हो गए। सुबह जानकारी मिलने पर बिजली विभाग में हड़कंप मच गया। तहरीर में बताया गया कि 9 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे संबंधित उपभोक्ता अथवा उनके प्रतिनिधि ने संविदाकर्मी शिवम कुमार को फोन करके ट्रांसफार्मरों से चोरी होने की जानकारी दी। इसके बाद उपकेंद्र सीकरी पर भी पहुंचकर घटना की सूचना दी गई। उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ (टीजी-2) प्रवीण कुमार ने सुबह करीब 10:05 बजे अपने सीयूजी नंबर से अवर अभियंता को फोन कर घटना से अवगत कराया। वहीं, उपभोक्ता प्रतिनिधि यासीर पुत्र असीम निवासी सीकरी ने भी डायल 112 पर फोन करके पुलिस को चोरी की सूचना दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी ली।

बिजली निगम को हुई आर्थिक क्षति

दोनों ट्रांसफार्मरों से पूरा तेल और कुंडली चोरी होने के कारण विद्युत निगम को आर्थिक नुकसान हुआ है। एक ही रात में एक ही क्षेत्र के दो ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाए जाने से बिजली विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हुए हैं। ट्रांसफार्मरों के महत्वपूर्ण उपकरण चोरी होने से विभाग को उनकी मरम्मत अथवा अन्य आवश्यक व्यवस्था करनी पड़ेगी।

सेना के निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 500 से अधिक मरीजों की जांच

मेरठ सैन्य अस्पताल में 21 से 25 नवंबर तक जरूरतमंद मरीजों की होगी निशुल्क सर्जरी, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को मिलेगा विशेष लाभ

मुजफ्फरनगर। भारतीय सेना की ओर से जनसेवा की भावना के तहत 20 नवंबर को जनपद में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। सैन्य अस्पताल मेरठ एवं सेना अस्पताल आरएंडआर दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में शहर और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे 500 से अधिक मरीजों की आंखों की जांच एवं स्क्रीनिंग की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया और ऑपरेशन की जरूरत वाले मरीजों को चिह्नित किया।

जरूरतमंद मरीजों की मेरठ में होगी निशुल्क सर्जरी

शिविर के दौरान जिन मरीजों की आंखों में ऑपरेशन की आवश्यकता पाई गई है, उनकी 21 नवंबर से 25 नवंबर तक सैन्य अस्पताल मेरठ में निशुल्क सर्जरी की जाएगी। भारतीय सेना के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम इन मरीजों का ऑपरेशन करेगी। इस पहल से भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को विशेष



लाभ मिलेगा। इसके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद मरीजों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का अवसर मिलेगा।

सेना के प्रयास की शहरवासियों ने की सराहना

भारतीय सेना की इस पहल की शहरवासियों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। लोगों का कहना था कि भारतीय सेना देश की सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ ही समाजसेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर जरूरतमंद लोगों के लिए काफी लाभकारी साबित होते हैं।

विद्यालय प्रबंधन ने जताया आभार

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, प्रधानाचार्य पूनम शर्मा एवं डायरेक्टर प्रमोद शर्मा ने सैन्य अस्पताल मेरठ और सेना अस्पताल आरएंडआर दिल्ली से पहुंचे अधिकारियों तथा चिकित्सकों की टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों से जरूरतमंद लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलती हैं। शिविर के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधन का भी विशेष सहयोग रहा।

मुजफ्फरनगर में भीषण अग्निकांड: शादी की आतिशबाजी से प्लास्टिक कट्टा गोदाम में लगी आग, डेढ़ करोड़ों का सामान खाक, मची अफरा-तफरी

कुकड़ा चौराहे के पास शनिवार तड़के 5 बजे हुआ हादसा, एक दर्जन से ज्यादा दमकल गाड़ियों से जवानों घंटो मशक्कत कर आग पर काबू पाने की कोशिश

मुजफ्फरनगर। शहर के नई मंडी थाना क्षेत्र के कुकड़ा चौराहे के पास शनिवार सुबह एक प्लास्टिक गोदाम में लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचा दी। गोदाम में रखे प्लास्टिक के कट्टे और फ्रेश पैकिंग बैग में आग लगने के बाद कुछ ही देर में पूरा परिसर आग की लपटों से घिर गया। आसमान में उठते काले धुएं के गुबार और आग की ऊंची लपटों को देखकर आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दमकल विभाग की 12 से अधिक गाड़ियों को मौके पर बुलाना पड़ा। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर लगभग काबू पाया जा सका। अग्निकांड में गोदाम मालिक मनोज खंडेलवाल को करीब एक से डेढ़ करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। प्रारंभिक तौर पर गोदाम के सामने स्थित शादी समारोह में दुल्हन की विदाई के दौरान हुई आतिशबाजी से निकली चिंगारी को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुकड़ा चौराहे के पास मनोज खंडेलवाल का प्लास्टिक कट्टे और फ्रेश पैकिंग बैग का गोदाम है। गोदाम के सामने स्थित देवलोक शादी एवं पार्टी हॉल में शुक्रवार रात शादी समारोह आयोजित किया गया था। शनिवार सुबह दुल्हन की विदाई के दौरान आतिशबाजी की जा रही थी। बताया जा रहा है कि इसी दौरान स्काई शॉट पटाखे से निकली चिंगारी हवा के साथ उड़कर गोदाम में रखे प्लास्टिक के सामान पर जा गिरी। चिंगारी से गोदाम में रखे सामान में आग लग गई। शुरूआती दौर में आग को नियंत्रित करने का मौका भी नहीं मिल पाया और देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। गोदाम में प्लास्टिक के कट्टे और पैकिंग बैग की भारी मात्रा मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। सुबह करीब पांच से छह बजे के बीच हुई इस घटना ने आसपास के लोगों को दहशत में डाल दिया। हालांकि,



आतिशबाजी से आग लगने की बात अभी प्रारंभिक जानकारी पर आधारित है। पुलिस की जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। गोदाम में आग लगने के बाद आसमान में काले धुएं का घना गुबार छा गया। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार काफी दूर से दिखाई दे रहा था। प्लास्टिक जलने से उठने वाले धुएं और दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गोदाम के आसपास दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान होने के कारण आग के फैलने का खतरा लगातार बना हुआ था। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। आग की भयावहता को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन आसपास की दुकानों को खाली करा दिया, ताकि किसी अन्य प्रतिष्ठान को नुकसान न पहुंचे और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया। लेकिन प्लास्टिक के सामान में आग तेजी से फैलने के कारण शुरूआती प्रयास पर्याप्त साबित नहीं हुए। इसके बाद अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया।

धीरे-धीरे दमकल विभाग की 12 से अधिक गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने लगातार पानी की बौछार कर आग को नियंत्रित करने का प्रयास किया। आग की लपटों के बीच दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटे तक चले अभियान के बाद आग पर लगभग काबू पा लिया गया। प्रशासन की प्राथमिकता आग को आसपास की दुकानों और अन्य इमारतों तक फैलने से रोकना रही। दमकल विभाग की टीम ने गोदाम के भीतर मौजूद आग के शेष हिस्सों को भी नियंत्रित करने का प्रयास किया। गोदाम में आग लगने की सूचना मिलते ही मालिक मनोज खंडेलवाल मौके पर पहुंच गए। अपनी आंखों के सामने गोदाम में रखा सामान जलता देखकर वह गहरे सदमे में आ गए।

जानसठ संपूर्ण समाधान दिवस में गूंजीं 56 समस्याएं: सीडीओ ने 12 का मौके पर कराया निस्तारण, जनगणना-2027 में स्वगणना की अपील

आईजीआरएस पोर्टल की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर सख्त मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार, एक सप्ताह की दी डेडलाइन

जानसठ (मुजफ्फरनगर)। तहसील जानसठ के सभागार में शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अमित कुमार की अध्यक्षता में 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। इस दौरान दूर-दराज से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 56 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से सीडीओ के निर्देश पर 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को राहत प्रदान की गई। समाधान दिवस के दौरान विद्युत, समाज कल्याण, चकबंदी, श्रम विभाग, भूमि विवाद, नगर पंचायत, राजस्व, पेंशन, सड़क और पुलिस प्रशासन से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे प्राप्त शिकायतों का स्वयं संज्ञान लेकर एक सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई शिकायत ऐसी है जिसका निस्तारण नियमों के तहत संभव नहीं है, तो



उसके कारणों से शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से अवगत कराया जाए। मौके पर जाकर लें फीडबैक, आईजीआरएस में न हो डिफाल्टर

सीडीओ ने सख्त लहजे में कहा कि आईजीआरएस (IGRS) पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और कोई भी मामला डिफाल्टर की श्रेणी में न जाने पाए। शेष लंबित शिकायतों को संबंधित विभागों को संदर्भित करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि अधिकारी पूर्ण पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ मौके पर जाएं, शिकायतकर्ता से फीडबैक लेकर उसकी संतुष्टि सुनिश्चित करें और साक्ष्य के तौर पर मौके का फोटोग्राफ भी कराएं।

जनगणना-2027 में ऑनलाइन स्वगणना की अपील

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित आगंतुकों और ग्रामीणों को राष्ट्रीय पर्व 'जनगणना-2027' के दूसरे चरण की जानकारी दी। उन्होंने सभी से ऑनलाइन माध्यम से अपनी स्वगणना (Self-Enumeration) करने तथा अपने साथियों और परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। साथ ही, सभी विभागीय अधिकारियों को जनगणना-2027 के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने और अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी जानसठ रश्मि लांबा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया, तहसीलदार जानसठ मोनिका चौहान, उपनिदेशक कृषि प्रमोद सिरोही, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) सुनील कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुशील कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर के जग्गाहेड़ी में छात्राओं को दिलाई बाल विवाह न करने की शपथ: बाल श्रम और महिला अधिकारों पर किया संवाद, कल्याणकारी कन्या इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

ग्रामीण समाज विकास केंद्र व जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ आयोजन, बाल श्रम रोकने, शिक्षा को प्राथमिकता देने और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ सामूहिक प्रयास का आह्वान

मुजफ्फरनगर। जग्गाहेड़ी स्थित कल्याणकारी कन्या इंटर कॉलेज में बच्चों की सुरक्षा, बाल श्रम उन्मूलन, बाल विवाह रोकथाम और महिलाओं के अधिकारों को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रामीण समाज विकास केंद्र और 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों और समाज में व्याप्त कुरीतियों के प्रति विस्तार से जागरूक किया गया। इस दौरान छात्राओं को स्वयं बाल विवाह न करने और अपने आसपास होने वाले बाल विवाह के मामलों के प्रति सजग रहकर आवाज उठाने की शपथ भी दिलाई गई।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है बाल विवाह

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने छात्राओं को समझाया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और उनके सर्वांगीण विकास पर भी गहरा प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसके साथ ही बाल श्रम को जड़ से समाप्त करने और बच्चों को एक सुरक्षित व भयमुक्त



वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। छात्राओं को महिलाओं के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और सम्मान से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की भी जानकारी दी गई।

सामाजिक जिम्मेदारी से मिटेगी कुरीति : मेहर चंद

ग्रामीण समाज विकास केंद्र के सचिव मेहर चंद ने कहा कि बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें किसी भी प्रकार के शोषण और सामाजिक कुरीतियों से बचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह और बाल श्रम जैसी गंभीर समस्याओं को केवल कानून के माध्यम से समाप्त नहीं किया जा सकता, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों और ग्रामीणों से अपील की कि वे बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और कहीं भी बाल विवाह या बाल श्रम की घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित करें।

सामूहिक प्रयासों से तैयार होगा सुरक्षित वातावरण

कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने कहा कि निरंतर जागरूकता और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा सकता है। जब समाज का हर वर्ग एकजुट होगा, तभी बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी रोक लग सकेगी। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

जनगणना-2027 को लेकर प्रशासन ने तेज किया जागरूकता अभियान, सेल्फी प्वाइंट से दिया भागीदारी का संदेश

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज करने के साथ ही आम नागरिकों को जागरूक करने की मुहिम भी शुरू कर दी है। जनगणना के महत्व और इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में विभिन्न माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में लोगों को आकर्षित करने और जनगणना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से नागरिकों को जनगणना में सक्रिय भागीदारी करने का संदेश दिया जा रहा है।जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह ने सेल्फी प्वाइंट पर पहुंचकर जनगणना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नागरिकों से इस राष्ट्रीय कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने और सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। अपर जिलाधिकारी गंभीर सिंह ने कहा कि जनगणना केवल आबादी की गिनती तक सीमित प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश के विकास और भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना के माध्यम से एकत्र किए जाने वाले आंकड़ों से देश और समाज की वास्तविक स्थिति का आकलन करने में मदद मिलती है। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न क्षेत्रों में विकास की योजनाएं तैयार करती है। उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य,



आवास और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण एवं उनके बेहतर क्रियान्वयन में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को इस प्रक्रिया के प्रति जागरूक रहना चाहिए और अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इसमें सहयोग करना चाहिए। जनगणना-2027 के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्थापित सेल्फी प्वाइंट पर आकर्षक संदेश भी प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें 'मेरी गणना-मेरा अधिकार-मेरा भविष्य' और 'गिनती से बढ़ेगा विकास' जैसे संदेशों के माध्यम से नागरिकों को जनगणना के महत्व से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य है कि आमजन तक यह संदेश पहुंचे कि जनगणना में उनकी भागीदारी केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि देश के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सेल्फी प्वाइंट के जरिए युवाओं, महिलाओं और अन्य नागरिकों को भी अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा



उभरता हुआ करियर है ऑडियो इंजीनियरिंग

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।



ये टिप्स अपनाकर बिना स्ट्रेस कर पाएंगे बोर्ड परीक्षा की तैयारी

स्कोर कर पाएंगे अच्छे परसेंटेज

अगर आपकी तैयारी पहले से रहेगी, तो आपके लिए बिना प्रेशर लिए अच्छा स्कोर प्राप्त कर पाएंगे। हम आपके साथ कुछ असरदान और आसान टिप्स शेयर कर रहे हैं। स्मार्ट स्टडी के इन हैक्स को फॉलो करने से छात्रों को बोर्ड एग्जाम की तैयारी बिना स्ट्रेस के करने में सहायता मिलेगी।

शुरुआत से ही करें तैयारी

अगर आपकी तैयारी पहले से रहेगी, तो आपके लिए बिना प्रेशर लिए अच्छा स्कोर प्राप्त कर पाएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ कुछ असरदान और आसान टिप्स शेयर कर रहे हैं। स्मार्ट स्टडी के इन हैक्स को फॉलो करने से छात्रों को बोर्ड एग्जाम की तैयारी बिना स्ट्रेस के करने में सहायता मिलेगी।

टाइम मैनेजमेंट

बोर्ड एग्जाम की तैयारी में सबसे ज्यादा जरूरी होता है समय का सही इस्तेमाल करना। कई स्टूडेंट्स पूरे साल पढ़ाई करते हैं, लेकिन फिर भी आखिरी समय में कुछ अधूरा लगता है। इसकी सबसे बड़ी वजह टाइम मैनेजमेंट न कर पाना है। एक्सपर्ट की मानें, तो ऐसा टाइम टेबल बनाना चाहिए, जिससे कि आप शुरू से हर टॉपिक और सबजेक्ट को बराबर समय देने दे सकें। दिन का एक तय शेड्यूल बनाएं और उसको हर हाल में फॉलो करें। वहीं पढ़ाई को आखिरी समय पर टालने की आदत से बचना चाहिए।



महत्वपूर्ण विषयों और चैप्टर्स को पहले निपटाएं

हर सब्जेक्ट में कुछ चैप्टर ज्यादा स्कोरिंग होते हैं और एग्जाम में बार-बार पूछे जाते हैं। इसलिए ऐसे विषयों को पहचानें और उन्हीं पर फोकस करें। इसके लिए आप टॉपिक्स को कठिन, सामान्य और आसान कैटेगरी में बांटे। इससे पढ़ाई करने में आसानी होगी। कठिन सब्जेक्ट को अधिक समय दें और जहां भी अटके, समय रहते अपने टीचर्स से पूछें। यह तरीका समय बचाने के अलावा आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है।

मॉक टेस्ट से करें खुद का मूल्यांकन

बोर्ड एग्जाम की तैयारी कितनी अच्छी है, यह पता करने का सबसे अच्छा तरीका मॉक टेस्ट या प्रीवियस इयर्स के प्रश्न पत्र हल करना है। इससे आपको अपनी स्ट्रेंथ और वीकनेस का पता चलेगा। मॉक टेस्ट देने से असली एग्जाम जैसा माहौल बनता है। साथ ही इससे एग्जाम का डर भी कम होता है। वहीं दिमाग कठिन परिस्थितियों में बेहतर काम करता है। इसलिए प्रयास करें कि ज्यादा से ज्यादा मॉक टेस्ट उस समय दें, जब आपका बोर्ड एग्जाम होता है, जिससे कि आपकी बायोलॉजिकल क्लॉक भी मैच हो सके।

पुराने और सैंपल पेपर से करें तैयारी

पिछले कुछ सालों के पेपर और मॉक पेपर सॉल्व करना बेहद कारगर स्ट्रेटेजी है। इससे न सिर्फ यह पता चलता है कि किस चैप्टर से कितने सवाल आते हैं, बल्कि आपको उनका नेचर समझने में भी सहायता मिलती है। पुराने और सैंपल पेपर सॉल्व करने की प्रैक्टिस आपकी स्पीड और सटीकता में भी सुधार लाती है। इससे न सिर्फ आपका टाइम बचता है, बल्कि छात्र मेन सब्जेक्ट्स पर भी अधिक फोकस कर पाते हैं।

ये टिप्स भी हैं कमाल

- मल्टीटास्किंग से बचें।
- क्विक रिवीजन नोट्स जरूर बनाएं।
- शांत और व्यवस्थित माहौल में पढ़ाई करें।
- किसी काम को टालने की आदत न डालें।
- हर दिन जो पढ़ते हैं, उसको थोड़े समय में जरूर दोहराएं।
- पढ़ाई में इंट्रेस्ट बनाए रखने के लिए हर कुछ घंटों में छोटा ब्रेक लें।

बोर्ड एग्जाम की तैयारी करना एक चुनौतीपूर्ण दौर साबित हो सकता है। लेकिन अगर आप टाइम मैनेजमेंट, सही रणनीति और पॉजिटिव अप्रोच रखी जाए, तो यह काफी आसान होगा। साथ ही पहले से तैयारी रखेंगे, तो फाइनल एग्जाम में स्ट्रेस फ्री रहेंगे। बता दें कि यहां पर बताए गए टिप्स स्टूडेंट्स को 90 परसेंट से ज्यादा स्कोर प्राप्त करने में कारगर साबित हो सकती है। इसके साथ ही आप सेल्फ-कॉन्फिडेंस के साथ एग्जाम दें।



होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु आसानी से तय कर सकते हैं करियर की राहें

होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु से लेकर प्रबंधक तक न जाने कितने अवसर हैं जहां से अपने करियर की राहें आसानी से तय कर सकते हैं। यूं तो होटल इंडस्ट्री में प्रबंधक, फ्रंट ऑफिस/रिसेप्शनिस्ट, फूड एंड बेवरेज, हाउसकीपिंग/बुक कीपिंग, काउंटर सर्विस, मार्केटिंग विभाग इत्यादि कई तरह के विभाग हैं लेकिन इनमें फ्रंट ऑफिस मैनेजर एक अहम विभाग होता है।

फ्रंट ऑफिस

फ्रंट ऑफिस व्यवसाय से जुड़ा शब्द है जो किसी कंपनी के उस विभाग को इंगित करता है जो ग्राहकों के सीधे संपर्क में आता है। इसमें मार्केटिंग, सेल्स और सर्विस से जुड़े लोग भी शामिल होते हैं। जहां तक होटल इंडस्ट्री का सवाल है तो इसमें फ्रंट ऑफिस होटल में आने वाले अतिथियों का स्वागत करता है, उनसे मिलता है, उनका उचित अभिवादन करता है, उनका रिजर्वेशन करता है, उनके चेक इन और चेक आउट की व्यवस्था देखता है, सुरक्षा विभाग व अन्य को चाबियां सौंपता है व वापस लेता है, अतिथियों को संदेश देता है और रुपये पैसे का हिसाब किताब करता है।

कार्य प्रकृति

फ्रंट ऑफिस हर उस काम को करने में तत्पर होता है जिससे ग्राहकों यानी अतिथियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, उन्हें हर तरह से संतुष्ट किया जा सके। होटल के मानकों का पालन करते हुए अपनी सेवा से संतुष्टर करने में फ्रंट ऑफिस अपनी उपयोगिता साबित करता है। इस विभाग के लिए एक प्रबंधक नियुक्त होता है जो फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन को देखता है और पूरे बिजनेस प्लान के अनुसार हर काम व्यवस्थित रखता है। वह सुनिश्चित करता है कि होटल में आने वालों को यथासंभव सबसे अच्छी सर्विस दी जा सके। वह फ्रंट ऑफिस का अगुआ होने के नाते वहां से दी जाने वाली सेवाओं में किसी कोताही की गुंजाइश को खत्म करता है, साफ सफाई का ध्यान रखता है, मुस्कुराते हुए अतिथियों का स्वागत करता है और उन्हें यह अहसास कराने की कोशिश करता है कि वे सही होटल में हैं जहां उनका सबसे अच्छा ख्याल रखा जाएगा।

कोर्स

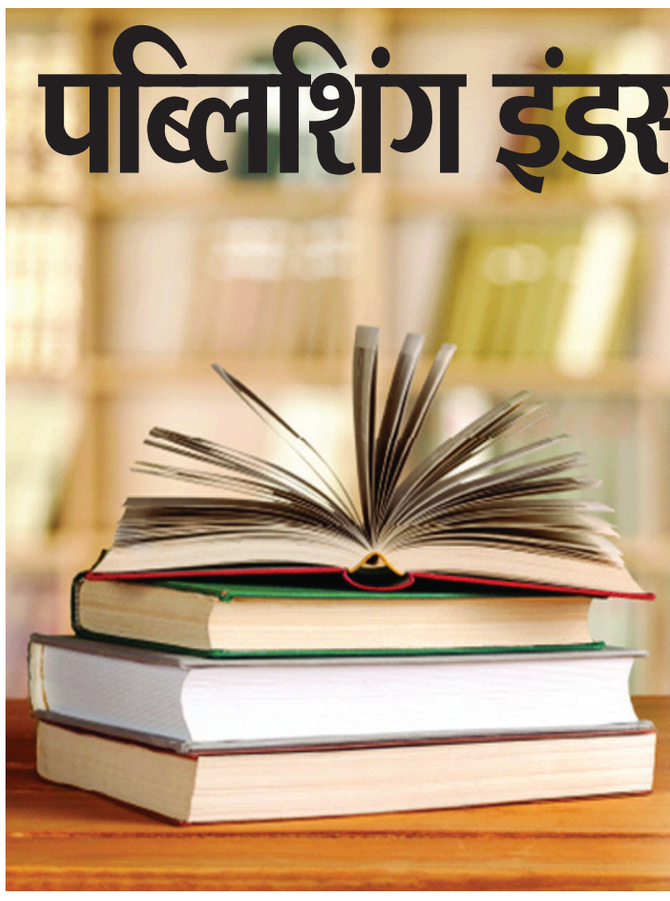
फ्रंट ऑफिस होटल मैनेजमेंट का एक अहम विभाग है। होटल मैनेजमेंट 12वीं के बाद कर सकते हैं। स्नातक करने के बाद और भी रास्ते खुल जाते हैं। यानी डिग्री, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा सभी मौजूद हैं। बेकरी एडं कंफेक्षनरी या होटल रिसेप्शन एंड बुक कीपिंग या रेस्तरां व काउंटर सर्विस में एक साल का डिप्लोमा, डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, बीएससी इन होटल मैनेजमेंट, एमएससी इन हॉस्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन, इसके अलावा पीजी डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, फ्रंट ऑफिस एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, एकोमोडेशन ऑपरेशन जैसे कोर्स प्रचलन में हैं।

कहां कहां है अवसर

होटल मैनेजमेंट पाठयक्रम करने वालों के लिए कई विकल्प मौजूद हैं जिनमें वे करियर बना सकते हैं। रिसॉर्ट से लेकर फाईव स्टार होटलों तक हर राज्य के पर्यटन विभाग से लेकर एविएशन तक अनगिनत जॉब हैं, फास्ट फूड चेन (मेकडोनाल्ड, केएफसी, निरूलाज), रेलवे या बैंक या बड़े संस्थानों में केटरिंग या कैंटीन, एयरलाइंस, हॉस्पिटल, मॉल, मल्टीप्लेक्स, हेल्थ क्लब जैसी जगहों पर रोजगार पा सकते हैं विदेशों में भी होटल मैनेजमेंट में डिग्री/डिप्लोमा कर चुके छात्रों की खूब डिमांड है। और सबसे अहम यह कि आप यह कोर्स कर स्वरोजगार भी शुरू कर सकते हैं।



पब्लिशिंग इंडस्ट्री में हैं अपार संभावनाएं



भारतीय बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री (पुस्तक प्रकाशन) आज न सिर्फ देश तक समिति रही है बल्कि उसने अंतर्राष्टीय वाचकों तक भी पुस्तकें पहुचांने का काम बहुत तेजी से किया है। आधुनिक तंत्रज्ञान के कारण आज प्रिटिंग के क्षेत्र में भी एक नई क्रांति ला दी है। जिस प्रकार इस डिजिटल युग में आज नई प्रिटिंग टेक्नालॉजी आ गई है, ठीक उसी प्राकर डिजाइनिंग और वांइडिग के क्षेत्र में भी नए-नए आयाम उपलब्ध हैं। अब किसी भी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए मार्केट के ट्रेंड को समझना बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए अच्छा बिजनेस का होना भी बहुत आवश्यक है।

ऐसा माना जाता है कि दुनिया में इंसान का सबसे अच्छा मित्र पुस्तकें होती हैं। उसे पढक़र वह ज्ञान तो प्राप्त करता ही है लेकिन अपने समय का सदुपयोग भी कर लेता है। इन पुस्तकों को वाचको तक पहुंचाने के लिए आजकल महानगर और शहरों में शापिंग मॉल्स में स्पेश बुक चेन खोल रखा है। इकॉनामी के नॉलेज का बढ़ता क्षेत्र को देखते हुए उन्हें इस व्यवसाय में भी अपार संभावनाएं है। इस व्यवसाय में एक लंबा चैनल कार्यरत है। लेखक पुस्तक तो लिख देता है लेकिन पाठकों तक पहुंचाने में एक लंबी प्रक्रिया काम करती है।

इस व्यवसाय में मुख्य रूप से बुक पब्लिशर, बुक डिजाइनर विक्रेता संम्पादक, पीआर वितरक और वाचक इन सबका समावेश रहता है। एक अच्छा जानकारी बहुत आवश्यक है। भारतीय बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री आज न सिर्फ देश तक समिति रही है बल्कि उसने अंतर्राष्टीय वाचकों तक भी पुस्तकें पहुंचाने का काम बहुत तेजी से किया है। आधुनिक तंत्रज्ञान के कारण आज प्रिटिंग के क्षेत्र में भी एक नई क्रांति ला दी है। जिस प्रकार इस डिजिटल युग में आज नई प्रिटिंग टेक्नालॉजी आ गई है, ठीक उसी प्राकर डिजायनिंग और वांइडिग के क्षेत्र में भी नए-नए आयाम उपलब्ध हैं। अब किसी भी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए मार्केट के ट्रेंड को समझना बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए अच्छा बिजनेस स्कील का होना भी बहुत आवश्यक है।

इस व्यवसाय में उतरने के लिए यदि आज का युवा आतुर है तो इसके लिए अभ्यासक्रम भी उपलब्ध है। भारत में कुछ संस्थाएं बुक पब्लिशिंग के लिए डिप्लोमा, डिग्री करना पड़ता है इस व्यवसाय की विशालता को देखते हुए शार्ट टर्म कोर्स भी आयोजित किया जाता है। इस क्षेत्र में युवा चाहें तो स्वंय का प्रकाशन व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, या फिर किसी प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थान में नौकरी भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में हर माह आप सेलेरी के रूप में पन्द्रह हजार से लेकर एक लाख तक कमा सकते हैं। माल्स में भी बुक चेन में अनेक नौकरियां उपलब्ध हो सकती है। आज के इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय की काफी डिमांड है। युवाओं को खासकर ऐसे युवा जो साहित्य में रुचि रखते हैं। जिन्हें पठन-पाठन का शौक है। अवश्य ही इस क्षेत्र को अपनी आजीविका का साधन बनाना चाहिए। मान-सम्मान पैसा सब कुछ हासिल हो सकता है।

किस-किस तरह के कोर्स

इंडस्ट्री में प्रोफेशनल्स और प्रशिक्षित लोगों की जरूरतों को देखते हुए देश के जाने-माने शिक्षण-संस्थानों में इससे संबंधित कोर्स चलाए जा रहे हैं। नेशनल बुक ट्रस्ट देश के कई हिस्सों में बुक पब्लिशिंग के रेगुलर कोर्स करवा रहा है। इग्नू ने एफआईपी के साथ मिल कर बुक पब्लिशिंग में पीजी डिप्लोमा का कोर्स शुरू किया है। कलकत्ता विश्वविद्यालय पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड ऑफ कोलकाता के साथ मिल कर पीजी डिप्लोमा इन बुक पब्लिशिंग स्टडीज कोर्स का संचालन कर रहा है।

योग्यता

पब्लिशिंग से जुड़े ज्यादातर कोर्सेज पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कराए जाते हैं। अगर आप एडमिशन लेना चाहते हैं तो इसके लिए आपका ग्रेजुएट होना आवश्यक है। जिस तरह से विज्ञापन और क्रिएटिव इंडस्ट्री अपने पांव पसार रही है, उस लिहाज से आने वाले समय में इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इन्टरनेट एवं प्लास्टिक केन्द्रित उत्पादों के आ जाने से इस क्षेत्र में प्रतियोगिता नए रूप में आरम्भ हो गई है। प्रकाशक की प्रकाशन के लिए प्राप्त सामग्री को ठीक से परखने की जिम्मेदारी है। उसमें यह विश्लेषण क्षमता होनी चाहिए कि जो सामग्री प्रकाशित की जा रही है, वह वर्तमान जरूरतों और भविष्य की संभावनाओं से दो-चार हो सकती है या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

बेटी के पितृत्व का सच जानने के लिए होगा डीएनए टेस्ट, दिल्ली हाई कोर्ट ने पिता की निजता के हवाला वाली दलील नकारी



नई दिल्ली, एजेंसी। उचित हालात में बच्चे का जैविक पिता जानने का अधिकार पिता की निजता के अधिकार से ऊपर हो सकता है। एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने यह अहम टिप्पणी की है।

न्यायमूर्ति विवेक चौधरी व न्यायमूर्ति रेणु भटनागर की पीठ ने कहा कि निजता मौलिक अधिकार है, पर पूर्ण नहीं, इसे बच्चे के मूल जानने के अधिकार से संतुलित करना होगा।उक्त टिप्पणी करते हुए पारिवारिक अदालत के डीएनए टेस्ट संबंधी आदेश को बरकरार रखा।

महिला ने दावा किया था कि महिला ने 1997 में उसने अपीलकर्ता से शादी की और दोनों दिल्ली व गुजरात में रहे। महिला के अनुसार, व्यक्ति ने जुलाई 2010 में उसे छोड़ दिया और बेटी मार्च 2011 में पैदा हुई।

आरोप है कि व्यक्ति ने पितृत्व नकारा और कहा कि 1999 से उसकी दूसरी शादी है, जिससे दो बच्चे हैं। 2012 में शादी साबित न होने पर वैवाहिक अधिकार बहाली और भरण-पोषण की याचिकाएं खारिज हुई।

अदालत ने कहा कि वे पितृत्व पर नहीं थीं और बेटी पक्षकार नहीं थी। अगस्त 2024 के डीएनए आदेश के खिलाफ अपील खारिज कर कोर्ट ने कहा कि वैज्ञानिक जांच से पितृत्व का सच सामने आएगा।

23 नवंबर को होगा शपथ ग्रहण, दिल्ली के पुष्प विहार में अरुण नावरिया की जगह नरेश बनेंगे पार्षद



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में साकेत कोर्ट प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा पुष्प विहार से आम आदमी पार्टी के अरुण नावरिया के स्थान पर भाजपा प्रत्याशी रहे नरेश को विजयी घोषित करने के आदेश पर दिल्ली राज्य चुनाव आयोग अधिसूचना जारी कर दी है। इसके बाद अब उनकी शपथ होते ही वह पार्षद निर्वाचित माने जाएंगे। दरअसल, अरुण नावरिया ने निचली अदालत के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

सदन की विशेष बैठक बुलाई: इस मामले में शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई भी हुई, लेकिन फिलहाल कोई स्थगन आदेश नहीं है। अब अगली सुनवाई 23 नवंबर को दोपहर 2 बजे होगी। दूसरी ओर, दिल्ली नगर निगम ने नरेश के शपथ ग्रहण के लिए 23 नवंबर को सुबह 10 बजे सदन की विशेष बैठक बुला ली है।

दिल्ली राज्य चुनाव आयुक्त डॉ. विजय देव की ओर से जारी अधिसूचना में साकेत कोर्ट प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के 18 नवंबर 2026 के निर्णय का उल्लेख किया गया है।

इसमें अदालत ने अरुण नावरिया के चुनावी हलफनामे में आपराधिक मामलों से संबंधित जानकारी छिपाने के आधार पर उनके निर्वाचन को निरस्त करते हुए दूसरे स्थान पर रहे भाजपा प्रत्याशी नरेश को निर्वाचित घोषित किया था। पुष्प विहार वार्ड नगर निगम के दक्षिणी जोन में आता है। यहां नरेश के निर्वाचित होने से जोन में भाजपा की स्थिति में बदलाव होगा। इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के भाजपा में विलय के बाद भाजपा के पार्षदों की संख्या 10 हो गई थी। वहीं, आप के पास भी 10 पार्षद थे। कांग्रेस के दो पार्षद हैं, जबकि एक पार्षद के निधन के कारण एक सीट रिक्त है। अब नरेश के भाजपा पार्षद के रूप में शामिल होने से भाजपा की संख्या 11 हो जाएगी और आप की संख्या घटकर नौ रह जाएगी। इस बदलाव का असर अगले वर्ष होने वाले जोन के चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन के चुनाव पर भी पड़ सकता है। वर्ष 2026 में हुए चुनाव में कांग्रेस पार्षदों के मतदान से भाजपा प्रत्याशी को जीत मिली थी।



ड्यूटी के दौरान अपनी ही बंदूक या साथी की गोली से घायल जवान भी पेंशन का हकदार, सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि वॉर इंजरी एलिमेंट (युद्ध में लगी चोट) के तहत पेंशन पाने के लिए सेना के जवानों का दुश्मन की गोली से घायल होना जरूरी नहीं है। कोर्ट ने आदेश दिया कि अगर कोई सैनिक किसी ऑपरेशन के दौरान अपनी ही बंदूक से या अपनी ही टुकड़ी की गोलीबारी में घायल हो जाता है तो भी उसे यह पेंशन मिलनी चाहिए। न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और एन के सिंह की पीठ ने कहा कि आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि ऐसे मामलों में सेना के जवानों को युद्ध में घायल माना जाएगा और गंभीर रूप से घायल सैनिक पेंशन पाने का हकदार होगा।

दो स्थितियों पर किया गया विचार

कोर्ट ने कहा कि सेना के आदेश में दो स्थितियों पर विचार किया गया है। पहली, दुर्घटना से गोली लगना या किसी टुकड़े (स्प्लिंटर) से चोट लगना और दूसरी, अपनी ही सेना की गोलीबारी से ऐसी चोट लगना।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, दोनों ही स्थितियों में यह चोट दुश्मन या उग्रवादियों के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान लगनी चाहिए। मौजूदा मामला पहले पहलू यानी दुर्घटना से लगी चोट पर आधारित है। पीठ ने कहा, सर्विस हथियार से गोली अनजाने में भी चल सकती है, भले ही व्यक्ति का इरादा खुद को शारीरिक चोट पहुंचाने का न हो। उदाहरण के लिए हथियार पकड़े हुए, किसी प्रभाव या गिरने से, ट्रिगर अटकने से, ट्रिगर पर अनजाने में दबाव पड़ने से या किसी यांत्रिक खराबी के कारण... इस प्रकार की घटनाएं स्वयं को चोट पहुंचाने की अवधारणा से स्पष्ट रूप से भिन्न हैं, जिसमें जानबूझकर या जानकारी होने का तत्व होता है, जिसके कारण व्यक्ति बढ़ी हुई पेंशन राशि प्राप्त करने के लिए अयोग्य हो जाता है।

क्या है मामला?

अगस्त 2002 में जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन रक्षक/ऑपरेशन पराक्रम के दौरान घायल हुए सूबेदार मेजर और मानद लेफ्टिनेंट देवी सिंह की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर ली। उनकी बंदूक से गलती से गोली चल गई जो उनकी जांघ से होते हुए गुजरी और फीमोरल नस को क्षतिग्रस्त कर दिया। इससे वह 40 प्रतिशत दिव्यांग हो गए और उन्हें पेंशन का सामान्य विकलांगता घटक दिया गया। उन्होंने युद्ध चोट घटक के तहत बढ़ी हुई पेंशन की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल के उस आदेश को रद कर दिया, जिसने उनके दावे को खारिज कर दिया था।

दिल्ली के वजीरपुर में एक व्यक्ति की चाकू से गोदकर हत्या, हत्यारों की तलाश में जुटी पुलिस



नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में अशोक विहार थाना क्षेत्र के वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक 45 वर्षीय व्यक्ति की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई।

मृतक की पहचान जगदीश (45 वर्ष) निवासी एसएस नगर वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र के रूप में हुई है। उसके गले और शरीर पर चाकू के कई निशान मिले हैं।

पुलिस के अनुसार, 20 नवंबर की रात करीब 10:15 बजे सूचना मिली कि फैक्ट्री नंबर ए-134 के सामने एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा है।

अस्पताल में मृत घोषित: सूचना मिलते ही अशोक विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत फोर्टिस अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शरीर पर मिले चाकू के निशान: वहीं, शुरुआती जांच में मृतक के गले और शरीर पर चाकू से किए गए कई वार के निशान पाए गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में अशोक विहार थाने में 21 नवंबर 2026 को एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस हत्या के कारणों और वारदात में शामिल आरोपियों का पता लगाने में जुटी है। मामले की आगे की जांच जारी है।

दिल्ली के ऐतिहासिक अक्षरा थिएटर पर मंडराया खतरा, सीवेज के पानी से घिरी पूरी बिल्डिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ऐतिहासिक सांस्कृतिक केंद्र अक्षरा थिएटर का अस्तित्व इन दिनों सीवेज के गंदे पानी के बीच घिरा हुआ है।

स्थिति यह है कि दीवाली के अगले दिन से परिसर में चौबीसों घंटे गंदा पानी जमा है। बदबू, मच्छरों और गंदगी के बीच थिएटर की गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। वहीं, लगातार जलभराव से ऐतिहासिक इमारत की नींव को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। अक्षरा थिएटर की निदेशक अनुसुइया वैद्य ने बताया कि यह समस्या पिछले 3-4 वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इस बार हालात ज्यादा खराब हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यह सीवर का पानी इमारत के ठीक बगल स्थित राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल की ओर से आया है। अस्पताल में निर्माण कार्य के दौरान जमीन का स्तर ऊंचा कर दिया गया है, जबकि थिएटर का परिसर नीचे है।



वहीं, ऐसे में अस्पताल से पंप के जरिये निकाला जाने वाला सीवेज थिएटर के गेट के पास बने मेंनहोल से परिसर में पहुंच जाता है।

अस्पताल में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी है, लेकिन इसके बंद होने से समस्या और बढ़ गई है। ब्रिटिश काल की आठ इंच की पुरानी सीवर लाइनें पानी का दबाव नहीं झेल पा रही हैं।

परिसर में प्रवेश करने के लिए अस्थायी रैंप का सहारा

थिएटर में पांच से छह वर्ष के बच्चे भी अभिनय और कला सीखने आते हैं। ऐसे में गंदे पानी के बीच उनका आना-जाना स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है। दर्शकों को भी परिसर में प्रवेश करने के लिए अस्थायी रैंप का सहारा लेना पड़ रहा है। चिंता की बात यह है कि थिएटर के गेट के बाहर ही स्ट्रीट वेंडर खाना बनाते और बेचते हैं। साथ ही ट्रकों से भोजन का वितरण भी होता है। सीवेज के बीच खाद्य पदार्थों का वितरण संक्रमण का खतरा बढ़ा रहा है। शिकायतों के बाद भी नहीं निकला समाधान थियेटर की निदेशक ने बताया कि मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, आरएमएल अस्पताल प्रशासन, एनडीएमसी और सीपीडब्ल्यूडी तक शिकायत की जा चुकी है।

एनडीएमसी का सीवर लाइन बदलने का मामला अटका: एनडीएमसी ने पुरानी सीवर लाइन बदलकर चार फीट की नई लाइन डालने का प्रस्ताव पास कर टेंडर भी स्वीकृत कर दिया है, लेकिन वर्षा और अब ग्रैप प्रतिबंधों का हवाला देकर काम शुरू नहीं किया जा रहा। उनका कहना है कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं निकला तो सीवेज का पानी मुख्य इमारत तक पहुंच सकता है और ऐतिहासिक थिएटर को अपूरणीय नुकसान हो सकता है।

राहुल गांधी की समझौता करने वाले पीएम वाली पोस्ट पर रिजिजू ने पूछे 4 सवाल

कहा- 1962 के अपमान के लिए माफी मांगो

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के समझौता वाले पीएम बयान पर राजनीतिक बवाल मचा हुआ है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को इस टिप्पणी का कड़ा जवाब दिया।

उन्होंने कांग्रेस को 1962 के चीन-भारत युद्ध, गरीबी और कांग्रेस के शासनकाल में भारत की आर्थिक स्थिति से जुड़े चार सवालों के जवाब देने की चुनौती दी। साथ ही, उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस उस घटना के लिए माफी मांगेगी जिसे उन्होंने 1962 का अपमान करार दिया। एक्स पर एक पोस्ट में रिजिजू ने कुछ सवाल उठाए और 1962 के संघर्ष के दौरान चीन द्वारा अपने गांव पर कब्जा किए जाने का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, कांग्रेस को 4 सवालों के जवाब देने चाहिए- 1962 में चीन ने मेरे गांव पर कब्जा कर लिया था। क्या कांग्रेस 1962 के उस अपमान के लिए माफी मांगेगी? 2. कांग्रेस ने भारत को एक गरीब देश बनाए रखा। क्यों? 3. भारत को सपेरों का देश क्यों कहा जाता था? 4. भारत की अर्थव्यवस्था को हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहकर अपमानित क्यों किया गया?

रिजिजू की यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने चीन में हुए एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की थी।



शुक्रवार को राहुल की साइड प्लेयर वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने उनसे आग्रह किया कि वे देश के भीतर या बाहर कहीं भी भारत के खिलाफ बयान न दें। मंत्री ने पत्रकारों से कहा, मैंने उनकी बात नहीं सुनी है लेकिन मैं उनसे आग्रह करना चाहूंगा कि वे देश के खिलाफ कोई बात न कहें, चाहे वे देश के अंदर हों या बाहर।

बीजेपी ने भी राहुल की टिप्पणियों की आलोचना की और पार्टी नेताओं ने उन पर भारत की अंतरराष्ट्रीय साख को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी ने क्या कहा था?

बैठक में मौजूद तीनों नेताओं की एक तस्वीर साझा करते हुए राहुल ने एक्स पर लिखा, अगर कांग्रेस सत्ता में होती तो इस मेज पर भारत के प्रधानमंत्री बैठे होते। एक समझौता करने वाला प्रधानमंत्री कभी इस मेज पर नहीं बैठ सकता। यह टिप्पणी राहुल के उस बयान के बाद आई है, जो उन्होंने बुधवार को शिकागो विश्वविद्यालय में दिया था। वहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिका पर सवाल उठाते हुए देश को एक साइड प्लेयर बताया था। राहुल ने कहा था, अपने आकार की वजह से वैश्विक स्तर पर भारत की स्वाभाविक रूप से एक अहम आवाज है और उसे वैश्विक चर्चाओं में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए। लेकिन सच कहूं तो भारत अब बस एक साइड प्लेयर बनकर रह गया है, जबकि पाकिस्तान ईरान और अमेरिका के साथ बातचीत करने में व्यस्त है।

लाइसेंस रद्द, फिर भी एमसीडी के नाम पर वसूल रहा था पार्किंग शुल्क

100 पर्चियों संग लाल किले से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में लाल किले के आसपास आने वाले पर्यटकों और वाहन ड्राइवरों से पिछले कई महीनों से पार्किंग शुल्क वसूलने का खेल चल रहा था।

हैरानी की बात यह है कि पार्किंग चलाने वाले व्यक्ति का लाइसेंस दिल्ली नगर निगम पहले ही रद कर चुका था, इसके बावजूद वह एमसीडी के नाम वाली पर्चियां थमाकर लोगों से पैसे वसूल रहा था। उत्तरी जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने इस अवैध पार्किंग रैकेट का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शास्त्री पार्क के मोहम्मद नौशाद के रूप में हुई है, जो मूलरूप से बिहार के सहरसा का रहने वाला है।

100 पार्किंग पर्चियों की बुकलेट: इसके पास से एमसीडी के नाम वाली 100 पार्किंग पर्चियों की बुकलेट और 1,300 रुपये नकद बरामद हुए हैं। बरामद पर्चियों में 18 इस्तेमाल की जा चुकी थीं, जबकि 82 का इस्तेमाल किया जाना बाकी था।



उत्तरी जिले की वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, 19 नवंबर को पुलिस चौकी लाल किला को सूचना मिली थी कि अपर सुभाष मार्ग पर मेट्रो गेट नंबर दो के पास एक व्यक्ति एमसीडी के नाम पर पार्किंग शुल्क वसूल रहा है।

सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुमन कुमार की देखरेख और एसआइ योगेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। सुबह करीब 10:40 बजे पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति वाहन ड्राइवरों को वहां गाड़ियां खड़ी करने के लिए बुला रहा था। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उसे दबोच लिया।

बकाया भुगतान नहीं करने पर रद हुआ था लाइसेंस

जांच में सामने आया कि नौशाद को 17 दिसंबर 2024 से तीन साल के लिए एमसीडी की ओर से पार्किंग संचालन का लाइसेंस मिला था। हालांकि, बकाया राशि का भुगतान नहीं करने के कारण निगम ने इसी वर्ष अगस्त में ही उसका लाइसेंस रद कर दिया था। इसके बावजूद वह पुराने लाइसेंस की आड़ में पार्किंग संचालित कर रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि लाइसेंस रद होने के बाद से वह कितने समय से अवैध वसूली कर रहा था और इस दौरान कितने वाहन ड्राइवरों से पार्किंग शुल्क लिया गया। साथ ही, बरामद पर्चियों के स्रोत की भी जांच की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में जहरीली हवा से घुट रहा दम, एक्यूआई फिर पहुंचा 300 पार; न्यूनतम तापमान में भी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शनिवार को ठंड के तेवर तनिक तीखे नजर आए और हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 0.1 डिग्री कम है। तापमान में आई इस गिरावट के साथ ही सुबह के समय राजधानी में हल्की ठंड महसूस की गई।

आयानगर रहा सबसे ठंडा इलाका: राजधानी के विभिन्न मौसम केंद्रों पर तापमान के अलग-अलग आंकड़े दर्ज किए गए, जिनमें आयानगर सबसे ठंडा रहा। आयानगर में न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम है। इसके अलावा पालम केंद्र पर न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 0.4 डिग्री कम) और रिज केंद्र पर 13.1 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 0.4 डिग्री कम) रहा। वहीं, लोधी रोड पर न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा।

25 इलाकों की हवा बेहद खराब: न्यूनतम तापमान में कमी आने के साथ ही दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर भी बढ़ गया है और शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 278 पर पहुंच गया।

दहेज हत्या पर दिल्ली हाई कोर्ट सख्त

कहा- बहुओं को प्रताड़ित करना भारतीय समाज की सामूहिक शर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। दहेज हत्या के एक मामले में तल्ख टिप्पणी करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने बहुओं को प्रताड़ित करने और उनकी हत्या की प्रथा को भारतीय समाज की दयनीय सच्चाई और सामूहिक शर्म बताया है। न्यायमूर्ति विमल कुमार यादव की पीठ ने कहा कि यह प्रथा दूसरे समाजों में लगभग न के बराबर है, जबकि भारतीय समाज में बड़े पैमाने पर फैली हुई है। शायद इसी कारण ऐसे अपराधों से निपटने के लिए आपराधिक कानून में विशेष प्रविधान किए गए हैं।

आत्महत्या के लिए मजबूर करना बेहद निंदनीय: अदालत ने उक्त टिप्पणी एक महिला की मौत के लिए उसके पति और परिवार के सदस्यों को दोषी ठहराने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ दायर याचिका पर की। महिला ने अक्टूबर 2001 में शादी के दो साल के भीतर, ससुराल में खुद को आग लगा ली थी। पीठ ने कहा कि किसी की हत्या करना या उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करना बेहद निंदनीय है।



बहुओं को परेशान करना और उनकी हत्या करना घिनौनी प्रथा: अदालत ने कहा कि शादी दो व्यक्तियों और परिवारों का मिलन है, लेकिन इसके बाद भी महिलाओं को दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न और क्रूरता झेलनी पड़ती है। कई बार इसका अंत उनकी मौत, आत्महत्या या तलाक के रूप में होता है। पीठ ने कहा कि दूल्हा-दुल्हन के परिवारों के बीच उपहारों का आदान-प्रदान दुनिया के अनेक समाजों में होता है, लेकिन दहेज के लिए बहुओं को परेशान करना और उनकी हत्या करना घिनौनी प्रथा है।

वैवाहिक क्रूरता के मामलों को साबित करना कठिन: कोर्ट ने कहा कि महिला अपने ससुराल में सुखद वैवाहिक जीवन की उम्मीद लेकर आती है। वह अपने माता-पिता और अन्य रिश्तेदारों को पीछे छोड़ती है, इसलिए पति से प्यार, देखभाल, सुरक्षा और सम्मान की अपेक्षा करना स्वाभाविक है। पीठ ने कहा कि पत्नी की देखभाल करना पति का प्रमुख कर्तव्य और जिम्मेदारी है। अदालत ने यह भी कहा कि वैवाहिक क्रूरता के मामलों को साबित करना कठिन हो सकता है, क्योंकि ऐसी घटनाएं अक्सर घर की चारदीवारी के भीतर होती हैं। अभियोजन पक्ष को आरोप उचित संदेह से परे साबित करना होता है।

अदालत ने सभी आरोपों से बरी कर दिया: महिला के माता-पिता ने आरोप लगाया था कि उससे मोटरसाइकिल, गैस स्टोव, पानी की मोटर और 25000 रुपये की मांग की गई थी। ट्रायल कोर्ट ने पति को आईपीसी की धारा 498ए (क्रूरता) और 304बी (दहेज मृत्यु) के तहत दोषी ठहराया था। हाई कोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि मौत से ठीक पहले दहेज मांग को लेकर महिला के साथ क्रूरता हुई थी, जो धारा 304बी में सजा के लिए जरूरी है। हालांकि, अदालत ने पति को पत्नी के साथ क्रूरता और आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी माना।

संक्षिप्त समाचार

पन्ना में ऑटो चालक की चमकी किस्मत, खदान में मिला 3.17 कैरेट का हीरा



पन्ना, एजेंसी। ऑटो चालक सोनू रैकवार की किस्मत उस समय चमक गई, जब खदान में उन्हें 3.17 कैरेट का हीरा मिला। इसे शुक्रवार को हीरा कार्यालय में जमा करा दिया है। हीरा पारखी अनुपम सिंह के अनुसार, हीरे की अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये आंकी गई है। हीरा कार्यालय में अब तक 175 हीरे जमा हैं, जिनका वजन 387.21 कैरेट और अनुमानित कीमत तीन करोड़ रुपये है। हीरे की अंतिम नीलामी दिसंबर 2024 में हुई थी।

सोनू ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उन्हें रात में सोते समय हीरा मिलने के सपने आ रहे थे। जब नींद खुलती तो उन्हें लगता कि काश यह सपना सच हो जाए। उन्होंने यह बात अपने परिवार वालों को बताई।

इसके बाद सोनू ने कार्यालय से पट्टा लिया और पहली बार रानीपुर क्षेत्र में उथली खदान शुरू की। खदान लगाने के महज 15 दिन की मेहनत में ही उन्हें 3.17 कैरेट का हीरा मिल गया। सोनू का कहना है कि नीलामी से मिलने वाली रकम से वह आगे भी खदान लगाएंगे और बड़े हीरे की तलाश जारी रखेंगे, क्योंकि उन्हें अब भी बड़ा हीरा मिलने के सपने आ रहे हैं।

संडे को द्वारका एक्सप्रेसवे पर 12 बार रुकेगा ट्रैफिक, सुल्तानपुर फाटक भी बंद

गुरुग्राम, एजेंसी। सुल्तानपुर गांव के पास मरम्मत कार्य के चलते रेलवे फाटक शनिवार को बंद रखा जाएगा। वहीं, रविवार को द्वारका एक्सप्रेसवे के एनपीआर-सीपीआर जंक्शन पर बिजली की हाईटेंशन लाइन हटाने के कार्य के दौरान यातायात को दिन में 12 बार रोका जाएगा। यातायात पुलिस ने दोनों स्थानों के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है। गुरुग्राम-फरुखनगर रोड पर सुल्तानपुर गांव के पास स्थित रेलवे फाटक संख्या एलसी-4सी को शुक्रवार सुबह आठ बजे से रविवार तक बंद रखा जाएगा। रेलवे विभाग की ओर से यहां सड़क और रेलवे ट्रैक की मरम्मत की जाएगी। गुरुग्राम से फरुखनगर और झज्जर जाने वाले वाहन चालक चंदू से बादली तथा रामगोपाल कालेज सुल्तानपुर से मुबारकपुर होते हुए झज्जर बाईपास का रास्ता अपना सकते हैं। झज्जर से गुरुग्राम आने वाले वाहन चालक भी झज्जर बाईपास, मुबारकपुर और रामगोपाल कालेज सुल्तानपुर के रास्ते पहुंच सकेंगे। फरुखनगर से गुरुग्राम आने वाले वाहन वजीरपुर, अनाज मंडी फरुखनगर अथवा बादली के रास्ते जा सकते हैं। दूसरी ओर, हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड की ओर से ग्लोबल सिटी परियोजना के तहत 400 केवी दौलताबाद-सेक्टर-72 बिजली लाइन को शिफ्ट किया जा रहा है। इसके लिए रविवार को एनपीआर-सीपीआर जंक्शन पर सड़क के ऊपर से गुजर रहे 12 कंडक्टर हटाए जाएंगे। इस दौरान सर्विस रोड, लिंक रोड के ओवरब्रिज और मुख्य द्वारका रोड पर यातायात करीब 10 मिनट के लिए 12 बार रोका जाएगा।

यूथ कांग्रेस नेताओं के अकाउंट ब्लॉक होने पर भड़के कार्यकर्ता, हैदराबाद में मेटा ऑफिस में घुसकर की तोड़फोड़

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को हैदराबाद में मेटा के कार्यालय में तोड़फोड़ की और वहां रखे गमले फेंक दिए। वे संगठन के दो पदाधिकारियों के अकाउंट पर लगाई गई पाबंदियों का विरोध कर रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष जक्कीदी शिवचरण रेड्डी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मेटा और बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राजनीतिक दखलंदाजी का आरोप लगाया और कुछ पोस्ट को बहाल करने की मांग की। वीडियो में प्रदर्शनकारियों को दफ्तर के गलियारों और कैफेटेरिया वाले इलाके के पास दौड़ते हुए देखा गया। कुछ कर्मचारी गमले तोड़ते हुए भी दिखाई दिए। इंडियन यूथ कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में मेटा से हिम्मत दिखाने को कहा और प्रतिबंधित अकाउंट्स और पोस्ट को बहाल करने के लिए सात दिन का अल्टीमेटम दिया।

15 साल से एसजीपीसी चुनाव नहीं, केबीएस सिद्धू ने अमित शाह को लिखी चिट्ठी, सुझाए चाव प्वाइंट्स

चंडीगढ़, एजेंसी। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के आम चुनाव 15 साल से नहीं होने का मुद्दा एक बार फिर केंद्र सरकार के समक्ष उठाया गया है। पंजाब सरकार के पूर्व विशेष मुख्य सचिव केबीएस सिद्धू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर एसजीपीसी के लंबित चुनाव करवाने के लिए केंद्र सरकार के स्तर पर चार कदम उठाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले कदम उठाकर चुनाव की प्रक्रिया शुरू करवा सकती है।



केबीएस सिद्धू ने यह पत्र किसी राजनीतिक दल की ओर से नहीं, बल्कि एक सिख श्रद्धालु और एसजीपीसी चुनाव में मतदाता बनने के पात्र नागरिक के तौर पर लिखा है। उन्होंने कहा कि यह किसी अकाली दल, भाजपा या अन्य राजनीतिक दल की राजनीति का विषय नहीं है, बल्कि सिख संगत के उस अधिकार से जुड़ा मामला है, जिसके तहत वह अपने केंद्रीय गुरुद्वारों का प्रबंधन करने वाली संस्था का चुनाव कर सके।

एसजीपीसी चुनाव करवाने की मांग

यह पत्र शुक्रवार को अमृतसर में एसजीपीसी के आम सदन की बैठक के बाद लिखा गया। सितंबर 2011 में निर्वाचित सदन ने शुक्रवार को छठी बार एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी को अध्यक्ष चुना। वहीं, दिल्ली में ज्ञानी हरप्रीत सिंह के नेतृत्व में गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब से संसद की ओर विरोध मार्च निकालकर एसजीपीसी चुनाव करवाने की मांग की गई। सिद्धू ने पत्र में कहा कि 2011 में निर्वाचित सदन को 2016 में कार्यभार संभालने का अवसर मिला था और इसका कार्यकाल 2021 में समाप्त हो गया। हालांकि, सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1925 के प्रावधानों के तहत नया सदन गठित होने तक पुराना सदन कानूनी रूप से कार्य करता रहता है। उन्होंने कहा कि कानूनी व्यवस्था के तहत मौजूदा सदन का बने रहना अलग बात है, लेकिन 2011 के बाद 21 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं की पूरी पीढ़ी एसजीपीसी चुनाव में मतदान नहीं कर सकी है।

चुनाव करवाने के लिए सुझाए चार कदम

केबीएस सिद्धू ने गृह मंत्री से गुरुद्वारा चुनाव आयुक्त की नियुक्ति तत्काल करने, पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में मतदाता सूची तैयार करने पर लगी रोक हटवाने के लिए स्पष्ट पक्ष रखने, सहजधारी मामले में लंबित कानूनी प्रक्रिया के परिणाम के अधीन चुनाव करवाने और नए सिरे से मतदाता पंजीकरण शुरू कर चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा चुनाव आयुक्त का पद 2025 के मध्य से रिक्त है। मतदाता सूची को अंतिम रूप देने और चुनाव अधिसूचना जारी करने का अधिकार इसी पद के पास है। हरियाणा में अलग वैधानिक समिति गठित होने और सुप्रीम कोर्ट से उसे मान्यता मिलने के बाद वहां के सिख मतदाताओं को दोबारा एसजीपीसी चुनाव में शामिल करने की आवश्यकता नहीं है। सिद्धू ने कहा कि इन कदमों से किसी राजनीतिक दल का नुकसान या फायदा तय नहीं होगा, बल्कि सिख संगत को 15 साल से लंबित अपना चुनावी अधिकार वापस मिलेगा।

पिता के हाथों के इशारे समझते-समझते मनीषा ने सीखी सांकेतिक भाषा, अब गाजियाबाद के सैकड़ों मूक-बधिरों की बनीं आवाज



गाजियाबाद, एजेंसी। एक बेटी ने बचपन में अपने पिता के हाथों के इशारों को समझने की कोशिश की थी। तब शायद उसे अंदाजा भी नहीं था कि यही कोशिश एक दिन उसके जीवन का उद्देश्य बन जाएगी। पिता की खामोशी को समझते-समझते मनीषा ने सांकेतिक भाषा को अपनी ताकत बनाया और आज इसी के जरिये सैकड़ों मूक-बधिर लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रही हैं। शहर के नंदग्राम में रहने वाली मनीषा गाजियाबाद डेफ एसोसिएशन और नींव शक्ति संस्थान के साथ साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर (भारतीय सांकेतिक भाषा दुभाषिया) के रूप में कार्यरत है।

उनकी इस यात्रा की शुरुआत उनके घर से हुई। उनके पिता राम बहादुर स्वयं मूक-बधिर हैं। बचपन में मनीषा ने पिता को हाथों के इशारों से बातचीत करते देखा। दूसरों की तरह बोलकर अपनी बात कहने वालों की तरह उनके पिता ऐसा नहीं कर पाते थे।

सरकारी कार्यालय में अपनी समस्या रखना आसान नहीं: मां ने पूछने पर बताया कि मूक-बधिर व्यक्ति सांकेतिक भाषा से अपनी बात और भावनाएं व्यक्त करते हैं। इसके बाद मनीषा ने पिता के साथ समय बिताकर और उनके दोस्तों को देखकर इस भाषा को सीखा।

मूक-बधिर व्यक्तियों के लिए बाजार में खरीदारी, अस्पताल में बीमारी बताना, सार्वजनिक परिवहन में सफर करना या सरकारी कार्यालय में अपनी समस्या रखना उनके लिए आसान नहीं होता। कई बार अपनी बात समझाने के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। यह स्थिति देखकर मनीषा ने तय किया कि वह सांकेतिक भाषा के माध्यम से ऐसे लोगों की मदद करेंगी, ताकि संवाद की कमी उनके आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता के रास्ते में बाधा न बने।

सात साल से सेवा का सफर: मनीषा को इस क्षेत्र में करीब सात साल का अनुभव हो चुका है। उनके लिए यह महज नौकरी नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ा काम है। वह मूक-बधिर लोगों की बात दूसरों तक पहुंचाने के साथ उनकी जरूरतों और भावनाओं को भी समझती हैं। उनका कहना है कि अब मूक बधिर समुदाय के लोग उनके लिए परिवार का हिस्सा हैं।

देहरादून स्पा सेंटर में पति की जानकारी लेने गई गर्भवती महिला पर मिर्ची पाउडर से हमला, मुकदमा दर्ज

देहरादून, एजेंसी। स्पा सेंटर में अपने पति की जानकारी लेने गई गर्भवती महिला से साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपितों ने आँखो में मिर्ची पाउडर का स्प्रे कर स्पा सेंटर में ले जाने का भी प्रयास किया। पुलिस ने शिकायत पर एक महिला को नामजद करते हुए अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। देहरादून के खुडबुडा निवासी पीड़िता साइमा ने पटेलनगर पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि 19 नवंबर को दोपहर करीब एक बजे वह मंडी चौक के पास अमेनज् स्पा सेंटर में अपने पति की जानकारी लेने गई थी, लेकिन स्पा सेंटर वालो ने पति की जानकारी देने से मना कर दिया। आरोप है कि जब वह वापस आने लगी तो पार्किंग गेट पर काले रंग की कार आई और एक महिला व एक पुरुष ने उतरकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान आरोपितों ने पीड़िता की आँखों में मिर्ची पाउडर स्प्रे कर दिया और जबरदस्ती खींचकर स्पा सेंटर में ले जाने लगे। यही नहीं जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक, वह तीन महीने की गर्भवती है। पुलिस ने शिकायत पर आरोपित नेहा समेत अज्ञात के ख़िलाफ़ मुक़दमा दर्ज कर लिया है।



नूडल्स खाने के बाद 7 साल की बच्ची की मौत, बड़ी बहन की भी तबीयत खराब



जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के जयपुर में घर पर नूडल्स बनाकर खाने के बाद एक सात साल की बच्ची की मौत हो गई और उसकी बड़ी बहन बीमार पड़ गई। अधिकारियों को शक है कि यह फूड पॉइजनिंग का मामला हो सकता है।

यह घटना 19 नवंबर को हुई, जब दो बहनें पीहू कुमावत और दिव्यांशी घर पर अकेली थीं और उन्होंने नूडल्स बनाए। अधिकारियों के मुताबिक, नूडल्स खाने के बाद दोनों सो गईं। जब उनकी मां दोपहर करीब 3 बजे घर लौटीं तो बड़ी बहन दिव्यांशी की नींद खुली और उसे अपनी तबीयत खराब लगी लेकिन पीहू बेहोश ही रही। परिवार वाले दोनों बहनों को तुरंत पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने पीहू को मृत घोषित कर दिया। दिव्यांशी का इलाज किया गया और बाद में शुक्रवार सुबह उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। शुरुआती जांच में फूड पॉइजनिंग का संकेत मिला है लेकिन मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से साफ हो पाएगा।

नूडल्स के सैंपल जांच के लिए भेजे गए: पीड़िता के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद करधनी पुलिस ने नूडल्स के सैंपल जांच के लिए लैब में भेज दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित का भाई गोविंद बीमारी के कारण पिछले दो महीनों से अस्पताल में था।

छत्तीसगढ़ में 25 बच्चों का सौदा करने के आरोपित डॉक्टर समेत छह गिरफ्तार

गुजरात से कर्नाटक तक फैला है नेटवर्क



रायपुर, एजेंसी। नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री के मामले में आजाद चौक थाना पुलिस ने रायपुर स्थित दिवाकर मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल के डॉक्टर समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

इनमें डॉक्टर खिर सिंधु महानंद, नर्स प्रकाश कुमार कौरव और अश्वनी शर्मा शामिल हैं। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या छह हो गई है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह के सदस्य आर्थिक रूप से कमजोर और अविवाहित गर्भवती महिलाओं को निशाना बनाते थे। प्रसव के बाद नवजात के लिंग और जाति के आधार पर सौदा तय किया जाता था। पुलिस के अनुसार, आरोपितों ने इसी साल करीब 25 बच्चों का सौदा किया है। पूरे मामले की जांच के लिए एसआइटी का भी गठन किया गया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार डॉ. खिर सिंधु महानंद दिवाकर फर्जी डिस्चार्ज टिकट तैयार करता था। वह ये दस्तावेज महिला आरोपित कृतिका साहू को देता था। पूछताछ में आरोपित ने वर्ष 2026 में तीन डिलीवरी होने और 26 जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जाने की जानकारी दी है। पुलिस इन रिकॉर्ड की जांच कर रही है। आरोपितों ने अपने मोबाइल से कुछ डेटा भी डिलीट किया है। इसे एफएसएल भेजकर जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने नवजात की खरीद-बिक्री के लिए गुजरात से कर्नाटक तक नेटवर्क बना रखा था। आरोपितों ने अहमदाबाद, नागपुर और बैंगलोर तक बच्चों को बेचा है। इसके लिए वाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया था। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर अचानक तैनात हुए एनएसजी कमांडो, बंधकों को छुड़ाने का चला ऑपरेशन; सुरक्षा के लिए हुई मॉक ड्रिल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में सुरक्षा की दृष्टी से देश के सबसे संवेदनशील एयरपोर्ट में माना जाता है। ऐसे में यहां हमेशा ही आतंकी हमले और बंधक स्थित के उत्पन्न होने की को लेकर अलर्ट रहता है। ऐसे में इस प्रकार की स्थिति के आने पर त्वरित प्रक्रिया करते हुए इससे निपटने के लिए सुरक्षा एजेंसी तैयार रहती है, पर अपनी तैयारी को भी वे आए दिन परखते रहते हैं। ऐसी ही स्थिति को परखने और आपात स्थिति से निपटने के लिए संयुक्त आतंकवाद निरोधक मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इसमें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ), दिल्ली पुलिस, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) समेत कई सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी एजेंसियों ने हिस्सा लिया। वहीं, अभ्यास के दौरान आतंकियों के हमले से निपटने, बंधकों को सुरक्षित निकालने और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई की क्षमता को परखा गया। आईजीआई अंतरराष्ट्री एयरपोर्ट अतंकी और बंधक स्थित से निपटने के लिए किए गए मॉक ड्रिल की योजना बनाते सुरक्षा कमीं- सीआईएसएफ मॉक ड्रिल में दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल), जीएमआर, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), एयरपोर्ट रेस्क्यू एंड फायर फाइटिंग (एआरएफएफ), मेदांता मेडिकल टीम और रैक्सा सहित अन्य संबंधित एजेंसियों के कर्मी शामिल हुए। सुरक्षा, बचाव, अग्निशमन और चिकित्सा सेवाओं से जुड़े कर्मियों ने अपनी जिम्मेदारियों के अनुरूप अभ्यास किया। अभ्यास के तहत एयरपोर्ट परिसर में आतंकी हमले और कुछ लोगों को बंधक बनाए जाने की काल्पनिक स्थिति तैयार की गई। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभालते हुए स्थिति को नियंत्रित करने और बंधकों को सुरक्षित बाहर निकालने की कार्रवाई का अभ्यास किया। इस दौरान आपात सूचना मिलने पर एजेंसियों की सक्रियता, सूचनाओं के आदान-प्रदान और एक-दूसरे के साथ तालमेल की प्रक्रिया को भी परखा गया।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में रोका एसएसआर, 23 नवंबर को नहीं जारी होगी ड्राफ्ट लिस्ट

कोलकाता, एजेंसी। देश भर के 14 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही मतदाता सूची की विशेष सारांश पुनरीक्षण (स्स्क्र) प्रक्रिया को बंगाल में रोक दिया गया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को अनिवार्य परिस्थितियों का हवाला देते हुए बंगाल में फोटो मतदाता सूची की स्स्क्र प्रक्रिया को स्थगित कर दिया है।

चुनाव आयोग की रोक की वजह से अब सोमवार को यहां मतदाता सूची का ड्राफ्ट (प्रारूप) जारी नहीं किया जाएगा। इस पुनरीक्षण प्रक्रिया की शुरुआत सोमवार (23 नवंबर) को एकीकृत मतदाता सूची के ड्राफ्ट के प्रकाशन के साथ होनी थी, लेकिन बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने इसे स्थगित करने की घोषणा कर दी है।



बाद में जारी होगा संशोधित कार्यक्रम: इस वजह से बंगाल की अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन में भी देरी होगी, जिसे पहले 16 जनवरी, 2027 को जारी किया जाना था। बंगाल के ष्टश्वह्व कार्यालय ने एक बयान में कहा, 23 नवंबर, 2026 से शुरू होने वाला फोटो मतदाता सूची का विशेष सारांश पुनरीक्षण कार्यक्रम कुछ अनिवार्य परिस्थितियों के कारण स्थगित कर दिया गया है। संशोधित कार्यक्रम की जानकारी बाद में दी जाएगी।

13 राज्यों में जारी रहेगी प्रक्रिया: जिला निर्वाचन अधिकारियों को भेजे गए एक अन्य संदेश में, सीईओ कार्यालय ने बताया कि मतदाता सूची का ड्राफ्ट तय तारीख पर जारी नहीं किया जाएगा। वजह पूछे जाने पर, चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रशासनिक मुद्दों का हवाला दिया। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल बंगाल तक ही सीमित था। अधिकारी ने कहा, 13 अन्य राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया चल रही है।

पूरा नहीं हुआ तय कार्यक्रम: एक अन्य अधिकारी ने बताया कि मतदान केंद्रों को तर्कसंगत बनाने और उनकी पुनर्व्यवस्था करने का काम पेंडिंग है। ये काम 13 नवंबर तक पूरा हो जाना चाहिए था, वह अभी तक नहीं हुआ है। वोटकर्मी ओ बीएलओ ऐक्य मंच के महासचिव स्वपन मंडल ने कहा कि चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची का मसौदा (ड्राफ्ट) अभी तक तैयार न कर पाने की वजह भी इसे टाला जा सकता है।

80 प्रतिशत बीएलओ स्कूल के शिक्षक: मंडल ने कहा कि लगभग 80त्न बीएलओ राज्य के स्कूलों में शिक्षक हैं। एक दिसंबर से परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। ऐसे में शिक्षक अपनी बीएलओ ड्यूटी कैसे करेंगे? बंगाल में एसएसआर को टालने के पीछे चुनाव आयोग का यह भी एक कारण हो सकता है।

टाटा नेक्सन कार में लगी आग, कर्मचारियों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के आगमन टर्मिनल के बाहर देर रात एक कार के इंजन में आग लग गई। सफेद रंग की टाटा नेक्सन कार में आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं, एयरपोर्ट कर्मचारियों और वहां मौजूद ड्राइवरों ने तत्परता दिखाते हुए अग्निशमन यंत्रों (फायर एक्सटिंग्विशर) की मदद से आग पर काबू पा लिया। दमकल की गाड़ियों के पहुंचने से पहले ही आग बुझा दी गई। घटना में कोई घायल नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, घटना देर रात करीब एक बजे की है। कार ड्राइवर एयरपोर्ट पर किसी यात्री को लेने पहुंचा था। इसी दौरान आगमन टर्मिनल के बाहर खड़ी कार के अगले हिस्से यानी इंजन में अचानक आग लग गई।

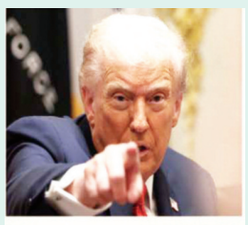


ड्राइवरों ने आग पर पाया काबू: वहीं, कार से धुआं और लपटें उठती देख वहां मौजूद एयरपोर्ट कर्मचारियों और ड्राइवरों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। उन्होंने अग्निशमन यंत्रों की मदद से आग को फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया। बाद में कार को मौके से हटाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप को मिली बड़ी राहत, सीनेट ने सेना की वापसी से जुड़े प्रस्ताव को किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के बाद युद्ध पर हुए अपने पहले मतदान में, अमेरिकी सीनेट ने हाउस (प्रतिनिधि सभा) ने पारित एक प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ चल रहे संघर्ष से अमेरिकी सेनाओं को वापस बुलाने का निर्देश दिया गया था।



सीनेट के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, गुरुवार को यह प्रस्ताव 48-51 के अंतर से गिर गया। इसके खारिज होने के साथ ही सीनेट में यह प्रस्ताव समाप्त हो गया है। तीन रिपब्लिकन सदस्यों - मेन की सुसान कोलिन्स, अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की और केंटकी के रैंड पॉल - ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पेंसिल्वेनिया के डेमोक्रेट जॉन फेटरमैन ने इसके खिलाफ वोट किया। कनेक्टिकट के डेमोक्रेट क्रिस मर्फी ने मतदान नहीं किया और सदन में उन्हें अनिवार्य रूप से अनुपस्थित घोषित किया गया। नॉर्थ कैरोलिना के रिपब्लिकन थॉम टिलिस, जिन्होंने सितंबर में इसी तरह के एक प्रस्ताव का समर्थन किया था। उसने इस बार इसके खिलाफ वोट दिया। इससे पहले वाला प्रस्ताव, 24 सितंबर को 49-50 के अंतर से गिर गया था। सीनेटर एडम शिफ के कार्यालय ने बताया कि गुरुवार को हुआ मतदान युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव के जरिए युद्ध को खत्म करने के लिए सीनेट का 15वां वोट था। रोल कॉल रिकॉर्ड के अनुसार, सीनेट ने 23 जून को 50-48 के अंतर से ऐसा ही एक प्रस्ताव पारित किया था। मैसाचुसेट्स के डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि सेठ मौल्टन ने 28 अप्रैल को पेश किया था। 15 सितंबर को हाउस ने 220-204 के अंतर से इसे मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव में 1973 के युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव की धारा 5(ष) का हवाला दिया गया था। एक समवर्ती प्रस्ताव होने के नाते, इसे हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने की आवश्यकता नहीं थी।

पुराने चिप्स की बिक्री पर नहीं लगेंगे नए प्रतिबंध, अमेरिकी वित्त मंत्री दे दिया बड़ा बयान



बीजिंग, एजेंसी। वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार और अमेरिका-चीन तकनीकी टकराव के बीच अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने साफ किया है कि चीन को एनवीडिया के पुराने चिप्स बेचने पर अब और नए प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। यह बयान ट्रंप प्रशासन की की ओर से चीन की नवीनतम सेमीकंडक्टर्स तक रिमोट एक्सेस (पहुंच) को रोकने के फैसले के ठीक बाद आया है। क्या है अमेरिकी वित्त मंत्री का रुख राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एशिया दौरे से लौटने के बाद शुक्रवार को सीएनबीसी (सीएनबीसी) को दिए एक साक्षात्कार में स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चिप निर्यात को लेकर जरूरी और उचित पाबंदियां पहले से लागू हैं। बेसेंट के मुताबिक, चीनी कंपनियों की अत्याधुनिक चिप्स तक रिमोट पहुंच को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि मौजूदा नियमों के तहत पुराने सेमीकंडक्टर्स पर अतिरिक्त रोक लगाने की दरकार नहीं है। एनवीडिया की तकनीक तक चीनी कंपनियों की पहुंच उस समय गंभीर जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हुआंग पर सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की एक कार्यकारी के साथ कथित संबंधों के आरोप लगे थे। मेगास्पीड अत्याधुनिक चिप्स का उपयोग करके कंप्यूटिंग क्षमता तैयार करती है, जिसका चीनी कंपनियां रिमोटली उपयोग करती हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुसार, इस पूर्व कार्यकारी पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह था।

सुअर के प्यार में पड़ी महिला ने 10 साल की शादी तोड़ी, बोली- पति नहीं देता था इजाजत, तलाक लेकर पूरा किया सपना



न्यूयार्क, एजेंसी। शादी के 10 साल बाद तलाक हुआ तो आमतौर पर लोग नई जिंदगी शुरू करने के लिए घर, नौकरी या घूमने-फिरने की योजनाएं बनाते हैं, लेकिन अमेरिका की एक महिला ने अपनी नई शुरुआत एक पालतू सुअर के साथ की। उसके पूर्व पति को घर में सुअर पालना बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन तलाक होते ही महिला ने अपना बरसों पुराना सपना पूरा कर लिया। अमेरिका के टेनेसी राज्य के नैशविले की रहने वाली 33 वर्षीय गेल्या थॉम्पसन ने 10 साल की शादी खत्म होने के बाद अपनी जिंदगी को नया मोड़ दिया। नवंबर 2025 में तलाक के बाद उन्होंने आठ सप्ताह के एक छोटे सुअर को गोद लिया, जिसका नाम डेजी रखा। उस समय उसका वजन करीब नौ पाउंड (चार किलो) था। थॉम्पसन के मुताबिक, उनके पूर्व पति उन्हें कभी घर में पालतू सुअर रखने की अनुमति नहीं देते थे। तलाक की प्रक्रिया पूरी होते ही उन्होंने सबसे पहले अपना पुराना सपना पूरा करने का फैसला किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, मैंने एक सुअर को छोड़कर दूसरा सुअर अपना लिया। उनके लिए डेजी सिर्फ एक पालतू जानवर नहीं, बल्कि नई जिंदगी की शुरुआत का प्रतीक बन गई।

घर में बिस्तर से लेकर टॉयलेट बॉक्स तक पूरे इंतजाम: डेजी अब चार महीने की हो चुकी है और उसका वजन करीब 50 पाउंड यानी 22.7 किलो है। थॉम्पसन ने उसके लिए घर में अलग बिस्तर, खिलौने और टॉयलेट बॉक्स तक रखा हुआ है। डेजी को लेकर वह हर सप्ताह स्थानीय दुकानों पर भी जाती हैं। महिला के मुताबिक, पालतू जानवरों की दुकान में डेजी को लगभग सभी कर्मचारी पहचानते हैं। वह पट्टे पर बंधकर दुकान में घूमती है और वहां के कर्मचारियों के बीच काफी लोकप्रिय है। इतना ही नहीं, डेजी अमेरिका के मशहूर फास्ट फूड प्रतिष्ठान सोनिक भी जाती है। वहां के कर्मचारी उसे पहचानते हैं और उसके लिए खास तौर पर पालतू कुत्तों को दिए जाने वाले पप कप जैसा छोटा उपहार तैयार करते हैं।

घर की अलमारियां खोलकर फैलाती है सामान: थॉम्पसन के लिए डेजी को पालना हमेशा आसान नहीं रहा। करीब तीन महीने की उम्र में ही उसने अलमारियां खोलना और उनमें रखा सामान बाहर निकालना सीख लिया था। सुअरों की प्राकृतिक आदत जमीन को थूथन से खोदने और चीजों को उलट-पलट करने की होती है। ऐसे में डेजी से घर के सामान और कालीन को बचाने के लिए थॉम्पसन को घर को पालतू जानवरों के अनुकूल बनाना पड़ा।हालांकि, उनका कहना है कि डेजी की देखभाल उम्मीद से कहीं ज्यादा आसान है। वह केवल अपने टॉयलेट बॉक्स का इस्तेमाल करती है।

थॉम्पसन के अनुसार, सुअर वास्तव में साफ-सुथरे जानवर होते हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों को इसकी जानकारी नहीं होती। थॉम्पसन के मुताबिक, सर्दियों के शुरुआती महीनों में डेजी की देखभाल पर करीब 50 डॉलर यानी लगभग 4,400 रुपए महीने का खर्च आता था। हालांकि, जब उसके लिए बाहर अलग बाड़ा तैयार हो जाएगा, तो यह खर्च घटकर करीब 20 डॉलर यानी 1,750 रुपए रह जाने की उम्मीद है।

डेजी का मील रूटीन

डेजी को दिन में दो बार अनाज के दाने दिए जाते हैं। इसके अलावा उसे सलाद के पत्ते और चीरियोस नाम का नाश्ता काफी पसंद है। थॉम्पसन का कहना है कि सुअर खाने की बची हुई चीजों का भी इस्तेमाल कर लेते हैं। डेजी के आने के बाद उनके घर में खाने की बर्बादी भी कम हुई है। थॉम्पसन बताती हैं कि उनका परिवार उनके इस फैसले से बिल्कुल हैरान नहीं हुआ, क्योंकि उन्हें बचपन से ही जानवरों से खास लगाव रहा है। वह घायल और बेसहारा जानवरों को बचाने तथा उनकी देखभाल करने में मदद करती रही हैं। उन्होंने मशहूर फिल्म शार्लेट्स वेब का जिक्र करते हुए कहा कि वह बचपन से ही फिल्म की छोटी बच्ची की तरह थीं, जो जानवरों और पक्षियों को बचाने में लगी रहती थी। इससे पहले वह इंग्लिश मास्टिफ और ग्रेट डेन जैसी बड़ी नस्ल के कुत्ते भी पाल चुकी हैं। हालांकि, डेजी के साथ उनका अनुभव बिल्कुल अलग रहा। तलाक के बाद थॉम्पसन की जिंदगी में एक नया साथी भी आया है, जिसने उनके इस शौक को पूरी तरह अपनाया है। वह हर सप्ताहांत डेजी को अपनी बड़ी ग्रामीण संपत्ति पर ले जाने में मदद करता है, जहां उसे खुलकर घूमने और जमीन खोदने का मौका मिलता है। दोनों अब साथ रहने की तैयारी कर रहे हैं और डेजी के लिए एक बड़ा और सुंदर बाड़ा भी बनवा रहे हैं।इतना ही नहीं, इस जोड़े ने डेजी के लिए एक साथी भी ला दिया है। उसका नाम ड्यूड रखा गया है। अब दोनों की योजना एक छोटा पशुपालन फार्म बनाने की है, जिसमें मुर्गियां और संभवत: एक गधा भी शामिल होगा।थॉम्पसन कहती हैं, यह एक नए साथी के साथ खूबसूरत नया सफर है। यह मेरा सपना है और आखिरकार मैं इसे जी रही हूं।

अमेरिका में खसरे का कहर जारी, बच्चे की मौत के बाद 12 तक पहुंचा मृतकों का आंकड़ा



वाशिंगटन, एजेंसी। वर्जीनिया में 2026 में खसरे से जुड़ी बच्चे की पहली मौत दर्ज की गई है। अत्यधिक संक्रामक बीमारी से संक्रमित एक छोटे बच्चे की मौत के बाद, इस साल अमेरिका में खसरे से मरने वालों की कुल संख्या 12 हो गई है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वर्जीनिया स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को इस मौत की जानकारी दी। विभाग ने बताया कि बच्चे की उम्र 0 से 4 साल के बीच थी। हालांकि, परिवार की निजता (प्राइवेसी) की सुरक्षा का हवाला देते हुए अधिकारियों ने बच्चे की सटीक उम्र या अन्य कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में विभाग ने कहा, हाल ही में वर्जीनिया के कुछ इलाकों में खसरे के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे खुद को और अपने समुदाय को इस बीमारी से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठाएं, ताकि और मौतों को रोका जा सके। यह मौत ऐसे समय में हुई है जब पूरे अमेरिका में खसरे के संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। एबीसी न्यूज के मुताबिक, इस साल न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया और विस्कॉन्सिन में भी खसरे से जुड़ी मौतें दर्ज की गई हैं।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने घोषणा की थी कि अमेरिका ने अपना खसरा-मुक्त दर्जा खो दिया है। अमेरिका ने 25 साल से अधिक समय तक इस दर्जे को बनाए रखा था। अमेरिका ने पहली बार 2000 में खुद को खसरा-मुक्त घोषित किया था, जिसका अर्थ था कि वायरस अब देश की सीमाओं के भीतर लगातार नहीं फैल रहा था। हालांकि, जब वायरस का एक ही स्ट्रेन 12 महीने या उससे अधिक समय तक लगातार फैलता रहता है, तो यह दर्जा खत्म हो जाता है। अमेरिकी सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस साल अमेरिका में खसरे के 5,838 मामलों की पुष्टि हुई है, जो लगभग हर राज्य से सामने आए हैं। संक्रमण के ज्यादातर मामले 19 साल या उससे कम उम्र के बच्चों और किशोरों में देखे गए हैं। वहीं, 5 साल से कम उम्र के जिन बच्चों को खसरा (मीज़ल्स) होता है, उनमें से लगभग हर 6 में से 1 बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ती है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि सामने आए मामलों में से लगभग 96 प्रतिशत ऐसे लोग थे, जिन्हें टीका नहीं लगा था या जिनके टीकाकरण की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। ष्टष्ट खसरा, मम्प्स और रूबेला वैक्सीन की 2 खुराक लेने की सलाह देता है। पहली खुराक 12 से 15 महीने की उम्र के बीच और दूसरी खुराक 4 से 6 साल की उम्र के बीच दी जानी चाहिए। वैक्सीन की 1 खुराक खसरे के खिलाफ 93 प्रतिशत सुरक्षा देती है, जबकि 2 खुराक लेने पर 97 प्रतिशत सुरक्षा मिलती है।

इटली में मजदूरों का देशव्यापी हल्लाबोल, 100 से अधिक शहरों में सड़कों पर उतरे श्रमिक और छात्र

रोम , एजेंसी। इटली के कई शहरों में शुक्रवार को मजदूर और छात्र सड़कों पर उतरे और उन्होंने अधिक पारिश्रमिक, जीवन-यापन की लागत में कमी एवं बेहतर सामाजिक सुरक्षा की मांग को लेकर मार्च किया। इटली के सबसे बड़े मजदूर संघ, ष्टत्रढ्ढरुद्वारा बुलाई गई 24 घंटे की हड़ताल के चलते, उत्तर में मिलान और ट्यूरिन से लेकर नेपल्स, पलेर्मो व रोम तक 100 से अधिक शहरों में प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने वेतन में ठहराव, जीवन-यापन पर लागत बढ़ने और सरकार की उन विफलताओं की आलोचना की, जिनके कारण सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत करने और श्रमिकों को सुरक्षा प्रदान करने में वह (सरकार) नाकाम रही है। यह श्रमिक आंदोलन अंतरराष्ट्रीय छात्र एकजुटता दिवस पर हो रहा, जिसके तहत आयोजकों ने इटली के 45 से अधिक शहरों में प्रदर्शन करने की योजना बनाई है।

छात्र समूहों ने श्रमिकों के साथ मिलकर शिक्षा में अधिक निवेश, जीवन-यापन के खर्च के संकट को कम करने के उपायों, और असमानता घटाने वाली नीतियां बनाने की मांग की। रोम में एक रैली से पहले, सीजीआईएल के महासचिव मॉरीज़ियो लैंडिनी ने कहा, हमें सामाजिक और आर्थिक मॉडल में आमूल-चूल बदलावों की ज़रूरत है। इस हड़ताल में सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्र शामिल हैं। कई शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित होने की आशंका थी, जबकि स्कूल के बंद रहने और कुछ



स्वास्थ्य केंद्रों में कामकाज बाधित होने के आसार थे। कई शहरों में प्रदर्शनों के आयोजन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए हैं। शुक्रवार के लिए हवाई परिवहन कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़तालें रद्द कर दी गई हैं, हालांकि मिलान और वेनिस हवाई अड्डों पर कर्मियों की अलग-अलग हड़तालें रविवार के लिए निर्धारित हैं।

ष्टत्रढ्ढरु की कार्रवाई के साथ-साथ, कोबास जैसी जमीनी स्तर की यूनियन ने भी अलग-अलग हड़तालें और मार्च आयोजित किए। ये विरोध प्रदर्शन एक राजनीतिक रूप भी ले चुके हैं। देश भर में विपक्षी नेता इन प्रदर्शनों में शामिल हो रहे हैं और मजदूरों की मांगों का समर्थन कर रहे हैं। साथ ही वे वेतन और सामाजिक खर्च के मुद्दों पर प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार की आलोचना भी कर रहे हैं। आयोजकों ने कहा कि मजदूरों और छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों को जोड़ने वाली मुख्य बात ऐसी नीतियों की मांग है, जो नौकरियों, सार्वजनिक सेवाओं और जीवन स्तर को सरकार की प्राथमिकताओं के केंद्र में रखें। यह भी उम्मीद थी कि कई प्रदर्शनकारी ऐसे बैनर लेकर आएंगे, जिनमें शांति की अपील की गई हो और कल्याणकारी कार्यों, स्कूलों तथा स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश बढ़ाने की मांग की गई हो।

हैवान बना पिता; अपने 3 मासूम बच्चों व पत्नी को गोलियों से भूना, 5 साल का बेटा गिड़गिड़ाता रहा- पापा प्लीज मुझे मत मारो

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में गुरुवार को एक व्यक्ति ने अपने ही परिवार की हत्या कर दी। उसने पहले अपने तीन छोटे बच्चों को गोली मारी, फिर पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हिल्सबरो काउंटी के शेरिफ चाड क्रोनिस्टर के मुताबिक, गुरुवार दोपहर पुलिस को प्लांट सिटी स्थित परिवार के घर से 911 आपातकालीन कॉल मिली थी। कॉल पर कोई बात नहीं कर रहा था, लेकिन फोन खुला हुआ था। इस दौरान आपातकालीन सेवा के कर्मचारी ने एक व्यक्ति की आवाज सुनी, जो कह रहा था- सॉरी बडी। इसके तुरंत बाद गोली चलने जैसी तेज आवाज सुनाई दी।

डैडी, मुझे मत मारो... गिड़गिड़ाता रहा मासूम: शेरिफ के अनुसार, कुछ देर बाद उसी कॉल पर एक छोटे बच्चे की आवाज सुनाई दी। वह अपनी जान बचाने के लिए बार-बार गिड़गिड़ा



रहा था। बच्चा कह रहा था- पापा, मुझे गोली मत मारो... पापा, प्लीज मुझे मत मारो। मारे गए तीनों बच्चों की उम्र महज 1, 3 और 5 साल थी। इस घटना में उनकी मां की भी हत्या कर दी गई। बच्चे की आखिरी गुहार सुनने वाले आपातकालीन सेवा के कर्मचारी भी इस घटना से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। शेरिफ ने बताया कि 911 कॉल मिलने के करीब 10 मिनट बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घर के अंदर एक बच्चा बेसुध पड़ा दिखाई दिया। पुलिसकर्मियों ने सामने का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिवार के सभी सदस्यों की मौत हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक, परिवार करीब एक साल से प्लांट सिटी स्थित इस घर में रह रहा था। इस दौरान पुलिस को उनके घर से कभी किसी शिकायत या सहायता के लिए फोन नहीं आया था। पति और पत्नी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने नहीं आया है। शेरिफ चाड क्रोनिस्टर ने कहा कि यह समझना बेहद मुश्किल है कि कोई व्यक्ति अपने ही परिवार के साथ ऐसा कैसे कर सकता है। घटना ने पुलिसकर्मियों और 911 कॉल सुनने वाले कर्मचारी को भी गहरे मानसिक सदमे में डाल दिया है। उन्हें कुछ समय के लिए छुट्टी दी गई है और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

महिला टॉयलेट में लगाए गए गुलाबी यूरिनल; लिखा-खड़े होकर करें पेशाब

कागज के विशेष फ़नल भी रखे

बीजिंग, एजेंसी। अब तक आपने पुरुषों के सार्वजनिक शौचालयों में मूत्रालय देखे होंगे, लेकिन चीन में महिलाओं के टॉयलेट में भी ऐसे ही मूत्रालय लगा दिए गए हैं! यह सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन चीन के एक बार में महिलाओं के लिए खड़े होकर पेशाब करने की सुविधा शुरू की गई है। इस अनोखे प्रयोग की तस्वीरें और कहानी अब सोशल मीडिया पर वायरल हैं। मामला जियांग्सू प्रांत के वूशी शहर का है, जहां नानचांग पैदल मार्ग के पास एक बार के महिला शौचालय में तीन गुलाबी रंग के मूत्रालय लगाए गए हैं। चीन की 30 वर्षीय थी नाम की महिला जब इस बार में शौचालय इस्तेमाल करने पहुंची तो वहां का नजारा देखकर हैरान रह गई। दीवार पर पुरुषों के शौचालय जैसे तीन मूत्रालय लगे थे। इनके ऊपर गुलाबी अक्षरों में लिखा था- महिलाओं, कृपया खड़ी हो जाएं। हर मूत्रालय के पास एक बार इस्तेमाल होने वाले शंकु के आकार के कागज के फ़नल भी रखे गए थे।अचानक सामने आए इस दृश्य को देखकर महिला को लगा कि वह गलती से पुरुषों के शौचालय में आ गई है। वह बाहर निकली और दोबारा साइन बोर्ड देखने लगी। इसके बाद जब उसने सफाई कर्मचारी से पुष्टि की, तब पता चला कि यह वास्तव में महिलाओं का ही शौचालय है। महिला ने सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि उसे इस तरह की सुविधा शुरू किए जाने से कोई परेशानी नहीं है, लेकिन वहां इसके इस्तेमाल को लेकर कोई निर्देश नहीं दिए गए थे। कागज के फ़नल को इस्तेमाल करने का तरीका समझ नहीं आने के कारण उसने पारंपरिक बैठकर इस्तेमाल किए जाने वाले शौचालय का विकल्प चुना।

क्यों शुरू की गई महिलाओं के लिए यह सुविधा?: बार की प्रबंधक डुओंग के मुताबिक, इन मूत्रालयों को उन महिलाओं की सुविधा के लिए



लगाया गया है, जिन्हें बैठने या उकड़ू होने में परेशानी होती है। लंबी स्कर्ट पहनने वाली महिलाओं और सीमित शारीरिक गतिशीलता वाली महिलाओं के लिए यह विकल्प उपयोगी हो सकता है। गर्भवती महिलाओं और घुटनों की समस्या से जूझ रही महिलाओं को भी इससे सुविधा मिल सकती है। हालांकि, इसे पारंपरिक शौचालयों के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि एक अतिरिक्त सुविधा के तौर पर रखा गया है।

वीबो पर 5.4 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया मामला: नवंबर में सामने आई इस घटना ने चीनी सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा। सिक्स्थ टोन की रिपोर्ट के मुताबिक, 13 नवंबर तक इस टॉयलेट डिजाइन से जुड़ा विषय वीबो पर 54 मिलियन यानी 5.4 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका था।

लोगों के बीच इस बात पर बहस शुरू हो गई कि क्या महिलाओं के लिए खड़े होकर पेशाब करने की सुविधा वास्तव में उपयोगी है और क्या सार्वजनिक स्थानों पर इसे अपनाया जाना चाहिए।

यूएनएससी में गतिरोध बरकरार: अगले महासचिव के नाम पर नहीं बनी बात

अल्बानी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नए महासचिव के चुनाव को लेकर गतिरोध जारी है। कार्यभार संभालने में अब सिर्फ 40 दिन बचे हैं। लेकिन एंटोनियो गुटेरेस के उत्तराधिकारी के नाम पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। उससे पहले नए महासचिव के नाम को अंतिम रूप देने के लिए सुरक्षा परिषद ने गुप्त मतदान और अनौपचारिक परामर्श की प्रक्रिया आगे बढ़ानी होगी।

शुक्रवार को काउंसिल के अनौपचारिक मतदान में यूएनसीटीएडी प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन सबसे आगे थीं, लेकिन उन्हें वीटो का अधिकार रखने वाले दो स्थायी सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ा, जो उनके चुनाव में एक बाधा बन गया। कुल मिलाकर, कोस्टा रिका की रहने वालीं ग्रिनस्पैन को दस सकारात्मक वोट मिले। वह आठ उम्मीदवारों में अकेली ऐसी थीं, जिन्होंने नौ वोटों की जरूरी सीमा को पार किया। यह नौवां गुप्त मतदान था, जिसमें स्थायी सदस्यों की पहचान करने के लिए अलग-अलग रंगों वाले मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था।

वोटिंग में भी फंसा हुआ है पेच: हालांकि गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्किट चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें स्थायी सदस्यों की ओर से केवल दो नकारात्मक वोट मिले, जबकि कुल मिलाकर उन्हें छह सकारात्मक वोट प्राप्त हुए। अर्जेंटीना से ताल्लुक रखने वाले इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख आठ सकारात्मक और तीन नकारात्मक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

4 पारी में 2 शतक और 1 फिफ्टी

नंबर-3 की तलाश खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में शनिवार (21 नवंबर) को देवदत्त पडिक्कल शतक से चूक गए, लेकिन 175 गेंद पर 80 रनों की पारी खेलकर उन्होंने लंबे समय से चली आ रही भारतीय टीम नंबर-3 की तलाश को खत्म कर दिया। पडिक्कल ने पिछली 4 पारियों में 2 शतक और एक अर्धशतक जड़ा है। वह राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा के बाद इस क्रम पर कमान संभालते दिख रहे हैं। द्रविड़ और पुजारा ने नंबर 3 पर दो दशक तक भारतीय बल्लेबाजी कम्र में नंबर 3 पर मोर्चा संभाला। पुजारा के बाद इस क्रम पर शुभमन गिल, करुण नायर और साई सुदर्शन जैसे बल्लेबाज खेले, लेकिन कुछ खास सफलता नहीं मिली। पडिक्कल से पहले शुभमन गिल के नंबर 4 पर जाने के बाद साई इस क्रम पर बल्लेबाजी कर रहे थे। वह भारत हो या विदेश संघर्ष ही करते दिखे थे। श्रीलंका दौरे पर वह चोट के कारण उपलब्ध नहीं थे। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने मौके का भरपूर फायदा उठाया।



पडिक्कल के जबरदस्त आंकड़े

पडिक्कल के टेस्ट क्रिकेट में आंकड़े भी जबरदस्त हैं। उन्होंने 5 मैच की 7 पारियों में 71.14 के औसत से 498 रन बनाए हैं। इसमें 2 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। पडिक्कल ने 2026 में 3 मैच की 4 पारी में 102 के औसत से 408 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और एक अर्धशतक जड़े हैं। उन्होंने 167, 44, 117 और 80 रनों की पारी खेली है।

ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम को कोर्ट का नोटिस

पूर्व पति से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में औपचारिक संज्ञान लेने से पहले शुक्रवार को नोटिस जारी किया। यह मामला मैरी काम के पूर्व पति ने दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मैरी काम ने एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उनके बारे में झूठी और छवि खराब करने वाली टिप्पणियां की थीं। मैरी कॉम



के पूर्व पति करोंग ओंखोलर ने छह अक्तूबर को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मैरी काम ने उनके वैवाहिक संबंध खत्म होने के बाद इस साल 11 जनवरी को प्रसारित एक टेलीविजन कार्यक्रम में उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवम गुप्ता ने यह देखते हुए नोटिस जारी किया कि ओंखोलर की ओर से समन जारी करने से पहले पेश किए जाने वाले साक्ष्य की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 दिसंबर की तारीख तय की है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 223 के तहत, किसी आपराधिक शिकायत पर संज्ञान लेने से पहले मजिस्ट्रेट को प्रस्तावित आरोपी को अपना पक्ष रखने का अवसर देना जरूरी है। संज्ञान लेने का मतलब है शिकायत को औपचारिक रूप से स्वीकार कर उस पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू करना और इसी उद्देश्य से संज्ञान पूर्व नोटिस जारी किया जाता है।



भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट, तीसरा दिन

- के एल राहुल का शतक
- कप्तान का शुभमन चुके
- भारत मजबूत 118 की लीड

दिन के अंत में दिखी 'ऋषभ पंती'

वेलिंगटन टेस्ट का तीसरा दिन भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा। केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 136 रनों की शतकीय पारी खेली और टेस्ट करियर का 13वां शतक पूरा किया। देवदत्त पडिक्कल ने 80 रन बनाकर उनका बखूबी साथ दिया। कप्तान शुभमन गिल भी शतक के करीब पहुंचे, लेकिन 98 रन पर आउट होकर दो रन से चूक गए। दिन के अंतिम सत्र में ऋषभ पंत ने अपने पुराने आक्रामक अंदाज की झलक दिखाई। चोट से वापसी कर रहे पंत ने 62 गेंदों में नाबाद 55 रन ठोककर न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की परेशानी बढ़ा दी। भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 486 रन बनाकर 118 रनों की बढ़त हासिल कर ली।

वैलिंग्टन, एजेंसी। पहले टेस्ट के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट के नुकसान पर 486 रन बना लिए हैं. न्यूजीलैंड के 368 रनों के मुकाबले 118 रनों की अहम बढ़त हासिल कर ली है. शनिवार को भारत ने एक विकेट पर 159 रन से आगे खेलना शुरू किया और पूरे दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए 327 रन जोड़े. कप्तान शुभमन गिल 98 रन बनाकर आउट हुए और अपने 12वें टेस्ट शतक से महज दो रन दूर रह गए. उन्हें जैकब डफी ने क्लीन बोल्ड किया. गिल और ऋषभ पंत के बीच चौथे विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी हुई, जबकि पंत ने 55 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक जड़ा. इससे पहले केएल राहुल ने 290 गेंदों में 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 136 रनों की शानदार पारी खेली (नाथन स्मिथ ने बोल्ड किया), वहीं देवदत्त पडिक्कल 175 गेंदों में 80 रन बनाकर जैकब डफी/काइल जैमीसन की गेंद पर बोल्ड हुए. राहुल-पडिक्कल के बीच 165 रनों की साझेदारी ने भारत की बड़ी बढ़त की नींव रखी.

भारतीय टीम की पहली पारी में शुरुआत शानदार रही. यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 130 रनों की ओपनिंग साझेदारी की. यशस्वी ने 89 गेंदों पर 85 रन बनाए, जिसमें 16 चौके शामिल रहे. यशस्वी का विकेट मैट हेनरी ने चटकाया. यशस्वी के आउट होने के बाद राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने मोर्चा संभाला. दोनों ने भारतीय टीम को कोई और नुकसान नहीं होने दिया. राहुल ने 5 चौके की मदद से 99 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया.



शुभमन गिल ने रचा इतिहास, डब्ल्यूटीसी में यह मुकाम हासिल करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच बेसिन रिजर्व में खेला जा रहा है। टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 98 रनों की दमदार पारी खेली। हालांकि, वह अपने शतक से महज 2 रनों से चूक गए। हालांकि, अपनी इस पारी के दौरान गिल ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। शुभमन गिल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में भारत की ओर से 3 हजार रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 98 रनों की अपनी पारी में यह खास मुकाम हासिल किया। गिल ने 146 गेंदों का सामना करते हुए अपनी इस पारी में 9 चौके और 2 छक्के लगाए। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 91 और ऋषभ पंत संग चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। गिल तीसरे दिन के आखिरी ओवर में जैकब डफी की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। गिल के साथ-साथ ऋषभ पंत ने भी डब्ल्यूटीसी में 3 हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह यह मुकाम हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। पंत टेस्ट के तीसरे दिन अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 55 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 62 गेंदों में 55 रन बनाकर नाबाद हैं। पंत अपनी इस इनिंग में अब तक 5 चौके और 2 छक्के लगा चुके हैं। दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने पहली पारी में 4 विकेट गंवाकर 486 रन स्कोरबोर्ड पर लगा लिए हैं। केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 290 गेंदों का सामना करते हुए 136 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। वहीं, देवदत्त पडिक्कल ने 175 गेंदों में 80 रनों की बेहतरीन पारी खेली।



हांगकांग ओपन | **मलेशियाई जोड़ी ने सीधे गेम में दी मात**

सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में हारे

कोवलून, एजेंसी। हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। भारतीय जोड़ी को मलेशिया के मान वेई चोंग और टी काई वुन के खिलाफ सीधे गेम में 18-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय खिलाड़ियों का टूर्नामेंट में खिताब जीतने का सपना टूट गया।

- **41 मिनट में खत्म हुआ मुकाबला-** विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग को सेमीफाइनल मुकाबले में 41 मिनट तक संघर्ष करना पड़ा। मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए दोनों गेम अपने नाम किए। भारतीय जोड़ी इस साल सिंगापुर और चीन में खिताब जीत चुकी थी, लेकिन हांगकांग में वह अपनी सफलता को दोहराने में नाकाम रही।
- **पहले गेम में कांटे की टक्कर, 18-21 से हारे-** पहले गेम की शुरुआत से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। स्कोर 4-4 से 7-7 और फिर 10-10 तक बराबर रहा। इसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने इंटरवल तक मामूली बढ़त हासिल कर ली। भारतीय खिलाड़ियों ने वापसी की कोशिश की, लेकिन 19-18 की बढ़त के बाद मलेशियाई खिलाड़ियों ने लगातार दो अंक लेकर पहला गेम 21-18 से जीत लिया।
- **दूसरे गेम में बढ़त गंवाकर मुकाबला हारे सात्विक-चिराग-** दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए 7-3 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, मलेशियाई खिलाड़ियों ने लगातार छह अंक हासिल कर स्कोर 9-7 कर दिया। इसके बाद उन्होंने इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखी और स्कोर 14-9 तक पहुंचा दिया।
- **19-19 की बराबरी के बाद मलेशिया ने जीता मैच-** मैच के अंतिम चरण में सात्विक और चिराग ने जबरदस्त वापसी की और स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला निर्णायक मोड़ पर पहुंच सकता है, लेकिन मलेशियाई खिलाड़ियों ने चिराग को निशाना बनाते हुए अहम अंक हासिल किया।



डोपिंग में फंसी भारतीय एथलीट

- 8 साल का लगा बैन, एशियन गेम्स में 72 साल बाद दिलाया था मेडल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेलों से डोपिंग का दाग छूटने का नाम नहीं ले रहा है और एक बार फिर मेडल विजेता खिलाड़ी ने अपनी हरकत से देश को शर्मिंदा किया है. एशियन



गेम्स 2022 में विमेंस शॉट पुट की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट किरण बालियान को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और इसके चलते 8 साल के लिए बैन कर दिया गया है. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा. किरण को 2024 में प्रतिबंधित स्टेरॉयड मेथेंडिएनोन के सेवल के मामले में अस्थायी रूप से बैन किया गया था, जो सही पाया गया. इसके अलावा किरण सैंपल से छेड़छाड़ की भी दोषी पाई गई हैं. चीन के हो हांगझोऊ में 2023 में आयोजित एशियन गेम्स 2022 में किरण ने 7.36 मीटर का थ्रो करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता था और इस इवेंट में भारत के लिए 72 साल का सूखा खत्म किया था.



नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर अपनी मुस्कान, मूंछों पर ताव और बेखौफ बल्लेबाजी से करोड़ों लोगों के चेहरे पर खुशी लाने वाले शिखर धवन की पर्सनल लाइफ फैन्स के बीच सुर्खियां बटोरती रही है. पूर्व

ब्लॉक नंबर से बेटे को मैसेज भेजते हैं शिखर धवन, छलक उठा 'गब्बर' का दर्द

'मैं एक अच्छा पिता हूं, बस बेटे से दूर हूं...'

भारतीय क्रिकेटर धवन ने अपने बेटे जोरावर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है, धवन ने बताया कि पिछले चार सालों से उनकी अपने बेटे से कोई बात नहीं हुई है, लेकिन इसके बावजूद एक पिता के दिल की उम्मीद आज भी जिंदा है. एक हालिया इंटरव्यू में शिखर धवन ने अपने दिल का यह दर्द खुलकर बयां किया. उन्होंने बताया कि संपर्क टूट जाने के बावजूद वह आज भी अपने बेटे को एक ब्लॉक नंबर से मैसेज भेजते रहते हैं. उन्हें शायद यह भी नहीं पता कि वे संदेश जोरावर तक पहुंच रहे हैं या नहीं, लेकिन एक बाप का प्यार इन दूरियों की दीवार को लांघने की हर मुमकिन कोशिश करता है.

बेटे को लेकर छलका धवन का दर्द

धवन ने भावुक होते हुए कहा कि चार साल हो गए हैं, मैंने जोरावर से बात नहीं की है. मैं उसके संपर्क में नहीं हूं, लेकिन ब्लॉक नंबर से मैसेज भेजता रहता हूं. मैं मेनिफेस्ट करता हूं. अगर मैं जोरावर को अपनी जिंदगी में वापस लाना चाहता हूं इसलिए, मैं ऐसा करता रहता हूं. मुझे एहसास है कि बिना शर्त प्यार क्या होता है. मैं एक अच्छा पिता हूं.



आयशा मुखर्जी से हुई थी शादी

शिखर धवन ने साल 2012 में ऑस्ट्रेलिया में रहने वाली आयशा मुखर्जी से शादी की थी और दिसंबर 2013 में उनके घर बेटे जोरावर का जन्म हुआ था. वक्त के साथ दोनों के रिश्तों में खटास आई, खासकर रहने के ठिकाने को लेकर मतभेद सामने आए. 2021 में दोनों अलग हुए और 2023 में तलाक हो गया. तलाक की कानूनी प्रक्रिया के दौरान भी धवन ने बेटे से दूर रखे जाने और उससे बात करने में आ रही मुश्किलों का दर्द शेयर किया था. जोरावर अपनी मां के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहता है और इन वर्षों में बाप-बेटे के बीच की दूरी ने धवन को भीतर तक झकझोर दिया है.

जिंदगी में आगे बढ़े, पर बेटे की कमी आज भी बाकी

अपनी पर्सनल लाइफ में आगे बढ़ते हुए शिखर धवन ने फरवरी 2026 में आयरिश प्रोफेशनल सोफी शाइन से शादी की. हालांकि, जिंदगी में नए अध्याय की शुरुआत होने के बावजूद जोरावर के लिए धवन की भावनाएं और उम्मीदें जरा भी कम नहीं हुई हैं.

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन चोटिल, कुछ महीनों तक रहना पड़ सकता है बाहर

लंदन, एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने बयान में कहा, 'हैरी केन शुक्रवार को बायर्न म्यूनिख के बुंडेसलिगा में कोलोन के खिलाफ घरेलू मैच के दौरान चोटिल हो गए।' इंग्लैंड की



फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन बायर्न म्यूनिख और कोलोन के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच के दौरान चोटिल हो गए जिसके कारण उन्हें 'अगले कुछ महीनों' तक खेल से बाहर रहना पड़ सकता है। उनके बाएं टखने में 'लिगामेंट' फट गया है और इस बैलोन डि ओर विजेता को पूरी तरह फिट होने में कुछ महीने का समय लगेगा। कोलोन के डिफेंडर जोएल श्मिड ने केन को पेनल्टी एरिया में गिरा दिया। केन दर्द से कराह उठे।